जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 22 नवम्बर, 2026

KEDIA Pavitra™

अपनों को पवित्र खिलायें

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

आटा, सूजी, दलिया, बेसन, सत्तू, गेहूँ



दाल, चावल, पोहा



क्रायोजेनिक ग्राइंडेड मसाले



काजू, बादाम, खजूर, पिस्ता, मखाने



सिलीगुड़ी चाय



कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल,
ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल



आपके नजदीकी सुपरमार्केट

RTO OFFICE GALI, SIKAR
AANIYA MEGA MART
7568126879

CHOUDHARY TREDING CO., SIKAR
ANU SUPER MARKET
9116630333

RAMESHVRAM REDIJENCY, SIKAR
BALAJI KIRANA STORE
9660056164

PIPRALI ROAD, SIKAR
D K SUPER MART
8890320970

DEVIPURA, JAIPUR ROAD, SIKAR
GALAXY MEGA MART
7599990002

JAIPUR JHUNJHUNU BY PASS
GL-CART SUPERMART
9636990455

FATEHPUR ROAD, SIKAR
GURUKRIPA JUNRAL STORE
9571201260

DASA KI DHANI, SIKAR
KANHA MEGA MART
9829474198

RADHAKISHANPURA, SIKAR
KRISHANA D MART
8003762242

RADHAKISHANPURA, SIKAR
MANGLAM KIRANA STORE
9772705428

BALAJI NAGAR, SIKAR
OM MANGLAM DIPARTMENTAL
9828777983

HOUSEING BOARD, SIKAR
S S SUPER MART
7427007046

GOKULPURA TIRAHA, SIKAR
SANGAM D MART
8946855141

NEAR MANAV CITY, SIKAR
SATYAM TREDING COMPANY
8233657001

JAIPUR JHUHJHUNU ROAD
SHITAL MART
9672732981

BALAJI NAGAR, SIKAR
VINAYAK MART
8432687093

MURJA ROAD, CHOMU
JHALANI SUPER MARKET
9828296381

VIRATNAGAR
SAINI SUPER MART
7378211738

NEW SABJI MANDI, UDAIPURWATI
SANJAY SUPER MARKET
7737786634

PIPRALI ROAD, SIKAR
SHRI BALAJI MART
8290594766

PIPRALI ROAD, SIKAR
SHRI VINAYAK MEGA MART
8619754053

CHAVNI CHOURAHA, TONK
APAN MART
8690032859

JHILAI ROAD, NIWAI
SAGAR DEPARTMENT STORE
9928305250

JHUNJHUNU BAIPASS
PATWARI DIPARTMENTAL STORE
7891038660

नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर:

JALSU
NAVYA ENTERPRISES
9785303011

NEEM-KA-THANA
MAHAWA ENTERPRISES
9983290290

(NIWAI)TONK
MODI TRADING COMPANY
9887792746

SIKAR
SANGAM DISTRIBUTORS
9929638328

SRIMADHOPUR
DR AMBEDKAR SECURITY SERVICES
7733036347

सुपरमार्केट सप्लाई एवं डिस्ट्रीब्यूटर बनने के लिए संपर्क करें: 1800-120-2727

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

सिर्फ 9 दिन बाकी

10 लाख का डिस्काउंट

और कुछ ही यूनिट बाकी



KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

दिसंबर तक 2 करोड़ की होगी कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	ACTUAL PRICE	CLEARANCE SALE PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	74 Lacs	64 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	84 Lacs	74 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	92.5 Lacs	82.5 Lacs
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.18 Cr	1.08 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.41 Cr	1.31 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.85 Cr	1.75 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

माता, पिता, गुरु, स्वामी, भ्राता, पुत्र और मित्र का कभी क्षण भर के लिए विरोध या अपकार नहीं करना चाहिए। –शुक्रनीति

स्वतंत्रता और अपना निर्णय

'तुलसी बब्बा कह गए हैं'–तुलसी और सनातन के आलोक में समकालीन जीवन तथा मानवीय मूल्यों पर साप्ताहिक अतिथि विचार–शृंखला का यह सातवाँ आलेख है। बदरीनाथ की उस यात्रा में हेलिकॉप्टर उठा तो नीचे के वन हरी तहों में सिमटते गए। जिन पहाड़ों पर जीवन भर पैदल चढ़ा, उनके ऊपर से यों गुजरना मन में संकोच भर रहा था। साथ में बेटे की सास श्रीमती पुष्पलता त्रिवेदी थीं। उन्होंने सीधी बात कही थी:– जिस उमर में जो बन सके, वही ठीक; यह साधन न होता तो दर्शन कैसे होते!

पुष्पा खिड़की से नीचे झाँकती रहीं, फिर टोका, नैचें बनई निहार रए हौ? तनक पहाड़ सोई देख लेओ। मैंने कहा, वन भी देख रहा हूँ, पहाड़ भी, और अपनी सामर्थ्य की हद भी। हम दोनों हँस पड़े।

दर्शन के बाद हम अलकनंदा के किनारे बैठे। तप्तकुंड की भाप के पार नदी पत्थरों पर गरजती उतर रही थी। पुष्पा बोलीं, सहारो मिलो, सो साध पूरी भई। पै जौन सहारो देबे वारो हमसें पूछबे की जरूरतई न समझे, ऊ सहारो काए को?

उनके प्रश्न में किसी अपने से शिकायत नहीं थी। वे शुभचिंता की उस सीमा को पहचान रही थीं जहाँ किसी की रक्षा करते–करते हम उसके जीवन के निर्णायक बन बैठते हैं। यही इस कड़ी का प्रश्न है: शुभचिंता कब दूसरे के चयन पर अधिकार जमाने लगती है?

मैंने कहा, कठिनाई यह है कि जिसे हम प्रेम करते हैं, उसका जोखिम हमें अपना जोखिम लगता है। उसका दुख न देखना पड़े, इसलिए रोकते हैं। धीरे–धीरे उसे अपने भय से बचाने लगते हैं। उसके सामने कौन–से रास्ते हैं, यह बताने के बदले उसके लिए रास्ता चुन लेते हैं।

भलाई करबे वारे खों पैले सुनबो परत है, वे बोलीं। सुन लई औ फेर अपनी मनवा लई, ऐसो सुनबो कौन काम को?

तुलसी के राम अयोध्या की प्रजा को संबोधित करते हुए सुनने की यही जगह बनाते हैं। राज्याभिषेक हो चुका है; प्रतिष्ठा भी उनके पास है और सत्ता भी। फिर भी वे कहते हैं:–

सुनहु सकल पुरजन मम बानी। कहउँ न कछु ममता उर आनी।।
नहिं अनीति नहिं कछु प्रभुताई। सुनहु करहु जो तुम्हहि सोहाई।।
रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड, दोहा 42–43 के बीच, चौपाई 2।

राम अपनी बात ममता, अनीति और प्रभुता से अलग करके रखते हैं, फिर निर्णय सुनने वालों को सौंपते हैं। हित की बात अपने औचित्य से स्वीकार हो, कहने वाले के पद से नहीं। पिता, शिक्षक, अधिकारी या जीवनसाथी होना बात सुनने का कारण है, उसे बिना विचारे मान लेने का नहीं। सलाह का वजन अनुभव से बढ़ता है, दूसरे की आवाज दबाने से नहीं।

पुष्पा ने शॉल कंधे पर ठीक की। पै सबई अपनी–अपनी करन लगें तो घर कैसें चलै? मोड़ा–मोड़ी नासमझ होंय, बूढ़े की तबियत बिगरी होय, तब का उनकी हाँ की बाट जोहत बैठे रहें?

यह आपत्ति स्वतंत्रता को जमीन पर उतारती है। बच्चे की समझ बढ़ रही होती है, बीमारी में निर्णय की सामर्थ्य घट सकती है, संकट में सहायता का रूप बदलता है। फिर भी जहाँ जितना समझना और चुनना संभव है, वहाँ उतना अधिकार बचा रहना चाहिए। उम्र किसी को सुने जाने से छुट्टी नहीं देती, और संकट में लिया गया अस्थायी निर्णय हमेशा का अधिकारपत्र नहीं बनता।

मुझे वन बहाली के काम की एक बात याद आई। उजड़ी भूमि पर बची हुई झाड़ियाँ और पुराने वृक्ष नवांकुरों के लिए ठौर बनाते हैं। उनकी छाया नमी रोकती है, पक्षी उन पर बैठकर बीज गिराते हैं। पर हर प्रजाति को एक जैसी छाया नहीं चाहिए; कहीं वही सहारा नए पौधे को दबा भी देता है। सहारे का फल स्थान और स्वभाव से बदलता है।

पुष्पा मुसकराईं, आदमियन खों पौधा तौ नईं बना रए?

बिलकुल नहीं। पौधे से राय नहीं पूछी जाती; मनुष्य की राय के बिना उसकी भलाई अधूरी है। वन से इतना ही सीखता हूँ कि सहारा उस जीवन की अपनी क्षमता को खुलने दे जिसके लिए दिया गया।

हमारे घरों में यह भेद छोटा दिखता है। किसी बुजुर्ग के लिए गाड़ी का प्रबंध करना एक बात है; उनकी इच्छा जाने बिना हर यात्रा रद्द कर देना दूसरी। विद्यार्थी को किसी विषय के अवसर और कठिनाइयाँ बताना आवश्यक है; अपनी अधूरी महत्वाकांक्षा को उसकी नियति बना देना अलग।

गीता के लंबे संवाद में श्रीकृष्ण अर्जुन के प्रश्न सुनते हैं, कर्म का दायित्व समझाते हैं, और फिर कहते हैं:–

इति ते ज्ञानमाख्यातं गुह्याद्गुह्यतरं मया।
विमृश्यैतदशेषेण यथेच्छसि तथा कुरु।।
श्रीमद्भगवद्गीता 18.63।

शुभचिंता तब अधिकार बन जाती है जब हम दूसरे की जगह चुनने लगते हैं, जबकि हमारा काम उसके चुनने की सामर्थ्य बढ़ाना था। परिवार, विद्यालय, अस्पताल और संस्था की जिम्मेदारी है कि सक्षम व्यक्ति को पूरी जानकारी, विकल्प, सोचने का समय और बिना दंड के 'ना' कहने का अवसर दें; जहाँ सामर्थ्य घटी हो, वहाँ भी उसकी इच्छा पूछें और अस्थायी निर्णय को स्थायी न बनने दें।

यहाँ इच्छा से पहले 'विमृश्य अशेषेण' है, यानी पूरी तरह विचार करके। श्लोक मनमानी की छूट नहीं देता; वह चुनने वाले को उसके कर्म का उत्तरदायी बनाता है। हमारे संबंधों के लिए इसका अर्थ इतना है कि सही जानकारी, परिणाम की समझ और चुनने का अवसर साथ मिलें। जिसे हमने कभी सोचने नहीं दिया, उससे अचानक विवेकपूर्ण चुनाव की अपेक्षा कैसे करेंगे?

पुष्पा ने पूछा, औ जो हमाई सलाह सुनकें ऊ दूसरी डगर पकर लेय? हमें तौ लगत रए कि भूल हो रई।

तब कारण फिर समझाएँ। जिस हानि का डर है, उसे साफ कहें। दूसरा रास्ता हो तो सामने रखें। पर असहमति और अयोग्यता को एक न मानें। सक्षम व्यक्ति का हर अलग निर्णय हमारी देखरेख की हार नहीं। कुछ निर्णयों का फल उसी को जीना है।

नदी के स्वर में हमारी बात कभी ढँक जाती, कभी साफ सुनाई देती। पुष्पा बोलीं, जोखिम बताबो सोई जरूरी, औ डरा कें हाँ करवाबो सोई ठीक नईंयाँ। दोई में भेद कौन राखे?

यह भेद नीयत से कम, व्यवहार से अधिक खुलता है। क्या दूसरे को प्रश्न पूछने का समय मिला? क्या विकल्प सचमुच उपलब्ध थे? क्या असहमति के बाद भी अपनापन बचा रहेगा? यदि 'तुम्हारी मर्जी' के पीछे बोलचाल बंद कर देने की धमकी छिपी है, तो मर्जी केवल वाक्य में बची है।

कठोपनिषद् में यम नचिकेता के सामने चुनाव का यही गंभीर रूप रखते हैं:–

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतस्तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः।
श्रेयो हि धीरोऽभि प्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद्वृणीते।।
कठोपनिषद् 1.2.2।

श्रेय वास्तविक कल्याण है, प्रेय तत्काल प्रिय लगने वाला आकर्षण। धीर दोनों को परखकर श्रेय चुनता है। उपनिषद् का लक्ष्य आत्मविद्या है, पर चुनाव की यह गंभीरता हमारे व्यवहार को भी दिशा देती है। स्वतंत्रता केवल बाहर की रोक हटना नहीं; भीतर का लोभ, भय और भीड़ का खिंचाव भी चुनाव को बाँधते हैं। शुभचिंतक का काम दूसरे का विवेक जगाना है, अपना विवेक उधार देकर उसे सदा आश्रित रखना नहीं।

गीता का आत्मोद्धार वाला श्लोक भी यही कसौटी देता है:–

उद्धरेदात्मनात्मानं नात्मानमवसादयेत्।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।।
श्रीमद्भगवद्गीता 6.5।

यह आत्मसंयम और आत्मविकास का आव्हान है, जरूरतमंद से यह कहने का बहाना नहीं कि अपनी मदद आप करो। अवसर, शिक्षा, साधन और साथ मिलने पर ही अपनी शक्ति काम आती है। सहायता की परख इतनी है कि उससे व्यक्ति की क्षमता बढ़ी, या हर अगली बात के लिए अनुमति माँगने की आदत।

स्वतंत्र निर्णय साझा जीवन के परिणामों से छुट्टी भी नहीं। यात्रा में समय, धन और देखभाल सबके लगते हैं। इसलिए घर में निर्णय से पहले अनुमति की नहीं, व्यवस्था की बात हो: कितना खर्च संभव है, किसे विश्राम चाहिए, किस काम में किसका हाथ लगेगा। अपने हिस्से का भार स्वीकारने से चुनाव सच्चा बनता है।

पुष्पा बोलीं, मतलब संगै सोई रहें, औ अपनी बात कहबे की हिम्मत सोई राखें।

राम के उसी संबोधन की अगली चौपाई इस हिम्मत को स्थान देती है:–

सोइ सेवक प्रियतम मम सोई। मम अनुसासन मानै जोई।।
जौं अनीति कछु भाषौं भाई। तौ मोहि बरजहु भय बिसराई।।
रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड, दोहा 42–43 के बीच, चौपाई 3।

राजा स्वयं कहता है कि मैं अनीति कहूँ तो निडर होकर रोकना। अनुशासन और टोकने का अधिकार यहाँ साथ हैं। संबंध तोड़ने की नहीं, संबंध को नैतिक बनाए रखने की शक्ति। जिससे प्रेम है, उससे केवल सहमति माँगते रहना उसके व्यक्तित्व का उपयोग करना है।

इसलिए इस कड़ी का उत्तर साफ है। शुभचिंता तब अधिकार बन जाती है जब हम दूसरे की जगह चुनने लगते हैं, जबकि हमारा काम उसके चुनने की सामर्थ्य बढ़ाना था। परिवार, विद्यालय, अस्पताल और संस्था की जिम्मेदारी है कि सक्षम व्यक्ति को पूरी जानकारी, विकल्प, सोचने का समय और बिना दंड के 'ना' कहने का अवसर दें; जहाँ सामर्थ्य घटी हो, वहाँ भी उसकी इच्छा पूछें और अस्थायी निर्णय को स्थायी न बनने दें।लौटते समय हम धीरे चल रहे थे। जहाँ पत्थर ऊँचा था, वहाँ हाथ बढ़ा; जहाँ अपने कदम पर्याप्त थे, वहाँ बस साथ रहा। सुबह हेलिकॉप्टर का जो सहारा संकोच दे रहा था, उसका अर्थ अब खुला: अच्छा सहारा वही, जो पहुँचाकर हाथ छोड़ना जानता हो।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

जयपुर का पोलो : शाही विरासत, घोड़ों की रफ्तार और मैदान में गूंजा गुलाबी नगरी का नाम

जैपुर - तीन सदियों का गुलाबी सफ़र....



डॉ. गोरधन लाल शर्मा

जयपुर की पहचान उसके गुलाबी स्थापत्य, भव्य महलों, रंगीन संस्कृति और शाही मेहमाननवाजी से तो है ही, लेकिन इस शहर की गौरवगाथा में एक ऐसा खेल भी शामिल है, जिसने घोड़ों की टापों के साथ दुनिया के खेल मैदानों तक अपनी धमक पहुंचाई। यह खेल है पोलो। कभी राजाओं–महाराजाओं के शाही मनोरंजन और प्रतिष्ठा का प्रतीक रहा पोलो आज अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। जयपुर के लिए यह महज एक खेल नहीं, बल्कि राजसी परंपरा, अश्व–संस्कृति, अनुशासन और अद्भुत खेल–कौशल की ऐसी विरासत है, जिसने गुलाबी नगरी का नाम वैश्विक पटल पर रोशन किया।

जयपुर की पोलो परंपरा का इतिहास गौरव, रोमांच और उपलब्धियों से भरा है। यहां के खिलाड़ियों ने अपनी घुड़सवारी, रणनीति और खेल की बारीकियों से अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवाया। आज पूर्व राजपरिवार के सदस्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके पोलो खिलाड़ी पद्मनाभ सिंह इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

सदियों पुरानी परंपरा, दुनिया भर में पहचान –पोलो को दुनिया के प्राचीनतम घुड़सवारी खेलों में गिना जाता है। इसके इतिहास की जड़ें मध्य एशिया और फारस की प्राचीन सभ्यताओं तक पहुंचती हैं। भारत में पोलो का इतिहास विशेष रूप से समृद्ध रहा है। गिलगित, चित्राल और मणिपुर जैसे क्षेत्रों में यह खेल लोकप्रिय हुआ। मणिपुर में तो पोलो स्थानीय संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन गया। यहां इसे सगोल कांगजेई के नाम से जाना जाता है। घोड़े पर सवार होकर गेंद को लक्ष्य तक पहुंचाने की यह कला धीरे–धीरे भारत के दूसरे हिस्सों में भी पहुंची और राजदरबारों में प्रतिष्ठा हासिल करने लगी।

मुगल दरबारों में चौगान की शाही धूम –मुगलकाल में पोलो को नया संरक्षण और लोकप्रियता मिली। उस दौर में इसे चौगान कहा जाता था। बादशाहों और शाही दरबारों के लिए यह खेल मनोरंजन के साथ शौर्य, घुड़सवारी और कौशल के प्रदर्शन का माध्यम भी था। मुगल सम्राट अकबर की भी चौगान में विशेष रुचि थी। उन्होंने आगरा सहित अपने शासनकाल के प्रमुख केंद्रों में इस खेल को प्रोत्साहित किया।

इसके बाद ब्रिटिश शासन के दौरान पोलो ने आधुनिक अंतरराष्ट्रीय खेल का रूप लेना शुरू किया। ब्रिटिश सेना के अश्वारोही अधिकारियों और सैनिकों ने इसमें विशेष दिलचस्पी दिखाई। भारत में तैनात सैनिकों ने स्थानीय घोड़ों और टट्टुओं पर इस खेल को अपनाया। प्रथम विश्वयुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमों में एकरूपता लाने के प्रयासों ने इसे आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में स्थापित करने में मदद की।

जयपुर पोलो टीम ने दुनिया में लहराया परचम – भारतीय पोलो के इतिहास में जयपुर का नाम बेहद सम्मान के साथ लिया जाता है। देश की विभिन्न रियासतों में अलवर, भोपाल, बीकानेर, जयपुर, हैदराबाद, पटियाला, जोधपुर, किशनगढ़ और कश्मीर जैसे केंद्रों की अपनी पोलो टीमें थीं। इन टीमों में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल थे। ब्रिटिश और भारतीय अश्वारोही सैन्य टुकड़ियां भी इस खेल में सक्रिय भूमिका निभा रही थीं। इसी गौरवशाली दौर में वर्ष 1933 में जयपुर पोलो दल की स्थापना हुई। इसके बाद टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय पोलो को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान सैन्य गतिविधियों और अश्वारोही टुकड़ियों की व्यस्तता के कारण पोलो की गतिविधियां प्रभावित हुईं। खेल की निरंतरता बनाए रखना चुनौती बन गया। ऐसे समय में भारतीय पोलो संघ ने इस खेल को फिर से गति देने और इसकी लोकप्रियता बहाल करने की दिशा में प्रयास किए। अंतरराष्ट्रीय टीमों को भारत आमंत्रित कर मुकाबलों का आयोजन इस पुनरुत्थान की महत्वपूर्ण कड़ी बना।

फ्रांस में भारतीय खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम – भारतीय पोलो के इतिहास में वर्ष 1957 भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उस समय मेजर किशन सिंह, कुंवर विजय सिंह, राव राजा हनूत सिंह सहित कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम ने विश्व चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए फ्रांस का रुख किया। इस प्रतियोगिता में इंग्लैंड, अर्जेंटीना, स्पेन, मैक्सिको और फ्रांस जैसे देशों की टीमों के साथ भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धा ने देश में इस खेल की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया।

इसी दौर में राव राजा हनूत सिंह भारतीय पोलो के प्रमुख खिलाड़ियों में शुमार हुए। पद्मभूषण से सम्मानित हनूत सिंह ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उनके नेतृत्व में रत्नादा पोलो टीम ने भारतीय चैम्पियनशिप में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित कीं। उनका योगदान भारतीय पोलो की गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण अध्याय है।

पद्मनाभ सिंह के साथ नई पीढ़ी तक पहुंच रही शाही विरासत – समय बदला, खेल के तौर–तरीके बदले और राजसी जीवनशैली का स्वरूप भी बदल गया, लेकिन जयपुर का पोलो से जुड़ाव बरकरार रहा। इस विरासत को आधुनिक दौर में नई पहचान देने वालों में पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह का नाम प्रमुख है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पोलो खेल चुके पद्मनाभ सिंह इस खेल में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

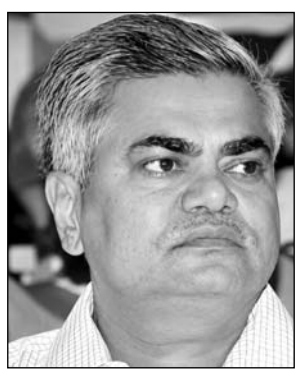
उनकी मौजूदगी जयपुर की उस परंपरा की निरंतरता को दर्शाती है, जिसमें घुड़सवारी और पोलो को राजसी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। आज उनके माध्यम से नई पीढ़ी भी इस खेल की ओर आकर्षित हो रही है। यह परंपरा केवल राजपरिवार की स्मृतियों तक सीमित नहीं, बल्कि जयपुर की सांस्कृतिक पहचान और खेल इतिहास का जीवंत हिस्सा बनी हुई है। पोलो की सबसे बड़ी खूबी इसकी तेज रफ्तार और रोमांच है। पहली नजर में यह खेल जितना रोमांचक दिखाई देता है, इसके पीछे उतना ही कठिन अभ्यास और अद्भुत कौशल छिपा होता है।

जयपुर की शान में शामिल है पोलो का गौरव – जयपुर की 299 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा में पोलो का अध्याय विशेष महत्व रखता है। जिस नगरी ने अपने स्थापत्य, आभूषण, हस्तशिल्प, चित्रकला, संगीत और राजसी परंपराओं से दुनिया को आकर्षित किया, उसी नगरी ने खेल के मैदान में भी अपनी अलग पहचान बनाई। यहां के पोलो मैदानों ने अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के साक्षी बनकर इस शहर की खेल विरासत को समृद्ध किया है। आज जरूरत इस गौरवशाली परंपरा को नई पीढ़ी से जोड़ने की है। पोलो प्रतियोगिताओं के नियमित आयोजन, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, अश्व–संस्कृति और घोड़ों की देखभाल को प्रोत्साहन तथा खेल पर्यटन के विकास से जयपुर की इस विरासत को और व्यापक पहचान मिल सकती है।

दरअसल, जयपुर की खूबसूरती उसकी उन परंपराओं में बसती है, जो बदलते समय के साथ नए आयाम तो ग्रहण करती हैं, लेकिन अपनी मूल पहचान नहीं खोतीं। पोलो भी ऐसी ही एक विरासत है। कभी राजाओं के शौक और शाही शान का प्रतीक रहा यह खेल आज गुलाबी नगरी की अंतरराष्ट्रीय पहचान का अहम हिस्सा है। मैदान में दौड़ते घोड़ों की टापें आज भी उस गौरवशाली इतिहास की गूंज सुनाती हैं, जिसने जयपुर को दुनिया के पोलो मानचित्र पर विशिष्ट स्थान दिलाया। पद्मनाभ सिंह जैसे खिलाड़ी इसी परंपरा को नई ऊर्जा देकर आने वाले समय की ओर बढ़ा रहे हैं।

–डॉ. गोरधन लाल शर्मा,
समाजशास्त्री एवं वरिष्ठ अधिकारी

निकाय–पंचायत चुनाव, 2026 : प्रबन्धन व नवाचार



राजेश्वर सिंह

एक राज्य, एक चुनाव की अभिनव अवधारणा के आधार पर राजस्थान में अगस्त से नवम्बर, 2026 के मध्य समस्त नगरीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव आमतौर पर शान्तिपूर्ण वातावरण में, निष्पक्षता, नियमबद्धता एवं सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिसका श्रेय राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों/कर्मचारियों, चुनाव पर्यवेक्षकों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, जिला पुलिस अधीक्षकों व उनकी समस्त टीम, प्रगणकों, ग्राम विकास अधिकारियों, पटवारियों, शिक्षकों, पुलिस कर्मचारियों, होमगार्ड्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्काउट्स एवं गाइड्स के बाल स्वयंसेवकों को जाता है, जिन्होंने अहर्निश कार्य कर स्थानीय लोकतन्त्र के इस महायज्ञ को सफल बनाया। इन पंक्तियों के लेखक ने स्वयं सम्पूर्ण राज्य में से 20 जिलों का दौरा किया व चुनाव प्रक्रिया में सहभागी समस्त टीम की निष्ठा, कर्तव्यपरायणता, नियमबद्धता, दक्षता, तत्परता व अनुशासन का प्रत्यक्ष रूप से साक्षी बना।

राज्य में कुल 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद एवं 252 नगर पालिका सहित 309 नगरीय निकाय हैं, जिनके पार्षदों की कुल संख्या 10245 है। नगरीय क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या एक करोड़ तैंतालिस लाख से अधिक है, जिनके लिए कुल 16482 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए। इसी प्रकार राज्य में कुल 41 जिला परिषद, 457 पंचायत समितियां, 14403 ग्राम पंचायतें एवं ग्रामीण क्षेत्र के कुल जन प्रतिनिधियों की संख्या 1,55,138 है, इनमें 1403 जिला परिषद सदस्य, 8245 पंचायत समिति सदस्य, 14403 सरपंच एवं 1,30,589 वार्ड पंच सम्मिलित हैं। ग्रामीण क्षेत्र के कुल मतदाताओं की संख्या चार करोड़ चार लाख से अधिक है, जिनके लिए कुल 45884 मतदान केन्द्र स्थापित किए गए।

नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर 19 अगस्त, 2026 को की गई। मतदान तिथि 9 सितम्बर, 2026 तथा 11 सितम्बर, 2026 को दोनों चरणों के लिए निर्धारित की गई। इसी प्रकार नगरीय निकाय चुनाव की मतगणना 14 सितम्बर, 2026 को सम्पन्न की गई। इसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव की उद्घोषणा 3 अक्टूबर, 2026 को की गई व चार चरणों की लोक सूचना क्रमशः 8, 13, 19 व 31 अक्टूबर, 2026 को निर्गत की गई। प्रथम चरण के चुनाव क्रमशः 21 से 25 अक्टूबर, द्वितीय चरण के चुनाव क्रमशः 27 से 31 अक्टूबर, तृतीय चरण के चुनाव क्रमशः 2 से 6 नवम्बर तथा चतुर्थ चरण के चुनाव क्रमशः 13 से 17 नवम्बर, 2026 तक सम्पन्न हुए। सरपंच एवं वार्ड पंच के चुनाव परिणाम मतदान तिथि को ही घोषित किए गए, जबकि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य की मतगणना 20 नवम्बर, को समस्त जिला मुख्यालयों पर एक साथ सम्पन्न की गई।

नगरीय निकाय व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव क्रमशः 2 चरण एवं 4 चरणों में करवाने का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि प्रत्येक मतदान केन्द्र, मतदान भवन व संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पुलिस बल की पर्याप्त उपलब्धता रही। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक कांस्टेबल व एक होमगार्ड, प्रत्येक मतदान भवन पर 1:3 का जाब्ता तथा प्रत्येक संवेदनशील मतदान केन्द्र पर 1:4 का अतिरिक्त जाब्ता लगाया गया। प्रत्येक दो पंचायतों पर एक सेक्टर या जोनल मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक पंचायत समिति पर राज्य प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया एवं पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी को भी इनसे सम्बद्ध किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला पुलिस अधीक्षक अपनी–अपनी क्विक रिस्पॉन्स टीम के साथ लगातार दौरे पर रहे, जिससे शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। धरातल से लेकर जिला स्तर तक सुव्यवस्थित व्यवस्था का सुपरिणाम यह रहा कि 14403 ग्राम पंचायतों में मात्र एक ग्राम पंचायत पर पुनर्मतदान हुआ और वह भी 15 नवम्बर, 2026 को शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। कानून व्यवस्था को नियन्त्रित रखने की दृष्टि से नामांकन व विजय जुलूस पर प्रतिबन्ध लगाया गया, जिसके सुखद परिणाम सामने आए। इसी प्रकार मतदान दलों के आवास, प्रवास, भोजन, शयन एवं न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने लिखित दिशा–निर्देश जारी किए तथा धरातल पर इनकी अक्षरशः अनुपालना सुनिश्चित की।

नगरीय निकाय चुनाव में मतदान प्रतिशत गत चुनाव के 71.84 प्रतिशत की तुलना में 73.56 प्रतिशत रहा, जबकि पंचायती राज चुनाव में ग्राम पंचायतों के परिप्रेक्ष्य में पिछले चुनाव के 82.86 प्रतिशत की तुलना में 83.72 प्रतिशत रहा व जिला परिषद/पंचायत समिति के परिप्रेक्ष्य में पिछले चुनाव के 63.66 प्रतिशत की तुलना में यह 67.78 प्रतिशत रहा। मतदान प्रतिशत में 4.12 की वृद्धि उल्लेखनीय है।

इसका सम्पूर्ण श्रेय जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के सक्षम नेतृत्व में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान को जाता है, जिसमें स्कूल/कॉलेजों में स्थापित इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। इस अभियान के अंतर्गत एक शाम लोकतंत्र के नाम, एक फूल लोकतंत्र के नाम, एक दीप लोकतंत्र के नाम, निबन्ध प्रतियोगिता, अन्त्याक्षरी, काव्य पाठ, मेहंदी, रंगोली, मतदाता शपथ, मतदाता संवाद व मतदाता जागरूकता रैली इत्यादि अनेक अभिनव कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अत्यन्त व्यापक एवं महत्वपूर्ण अभियान में यद्यिप समस्त जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों व उनकी टीम ने अद्भुत कर्तव्य निष्ठा व प्रबन्ध कौशल का परिचय दिया है, तथापि कुछ जिलों में लागू किए गए नवाचारों का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूँ। दौसा में डॉ. सौम्या झा द्वारा दौसा बॉट नामक ए.आई. आधारित चैटबॉट विकसित किया गया, जो निर्वाचन अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नामांकन, संवीक्षा, आदर्श आचरण संहिता, मतदान, मतगणना सम्बन्धी जिज्ञासाओं का समाधान करता है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान इस चैटबॉट ने 1142 अधिकारियों/कर्मचारियों के 16762 प्रश्नों के उत्तर दिए। हनुमानगढ़ एवं सवाई माधोपुर में क्रमशः खुशाल यादव एवं कानाराम ने न केवल प्रशिक्षण सामग्री को डिजिटलाइज किया, वरन् रिटर्निंग अधिकारियों एवं मतदान दलों की प्रवीणता परीक्षा भी ली। चूरू में अभिषेक सुराना ने, राजसमन्द में अरुण कुमार हसीजा ने मतगणना की अद्यतन सूचना हेतु वेबसाइट व क्यू आर कोड विकसित किया। अलवर में आर्तिका शुक्ला द्वारा कर्मचारियों को देय सुविधा एवं भत्ता इत्यादि की मॉनीटरिंग के लिए कर्मचारी कल्याण पोर्टल विकसित किया। जयपुर में सन्देश नायक ने वेहिकिल परमीशन की ऑनलाइन व्यवस्था की। झुंझुनू के अरुण गर्ग के सुझाव पर सम्पूर्ण राज्य के समस्त मतदान केन्द्रों पर जनरेटर सेट की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करवाई गई। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा ने 10 अक्टूबर, 2026 को अपराह्न 03 बजे एक साथ सभी पंचायत समिति मुख्यालयों पर प्रत्याशी प्रबोधन कार्यशाला का आयोजन सुनिश्चित किया, जिससे प्रत्याशियों को नामांकन हेतु जरूरी डॉक्यूमेन्ट्स की जानकारी मिली व बहुत बड़ी संख्या में नामांकन ख़ारिज होने से बचे। पाली में रवीन्द्र गोस्वामी के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान अत्यन्त उत्कृष्टता पूर्वक संचालित हुआ। इस प्रकार लगभग प्रत्येक जिले में एकाधिक गतिविधियां अत्यन्त उत्कृष्ट व उल्लेखनीय हैं, किन्तु सबका उल्लेख स्थानाभाव के कारण यहां सम्भव नहीं है।

पुलिस प्रबन्धन में संजय अग्रवाल, आई.पी.एस. एवं बी.के. सिंह, आई.पी.एस. का योगदान सराहनीय रहा। यहां पर मैं डीग के निडर एवं निष्ठावान पुलिस अधीक्षक शरण कांबले गोपीनाथ का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूँगा, जिनकी तत्परता एवं त्वरित प्रतिक्रिया की वजह से न केवल डीग में शान्ति रही, वरन् सम्पूर्ण राज्य के उपद्रवी तत्वों को कड़ा सन्देश मिला।

– राजेश्वर सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान

राशिफल रविवार 22 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत–2083, अश्विनी नक्षत्र सायं 4:16 तक, व्यतिपात योग रात्रि 11:50 तक, कौलव करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–मेष, मंगल–सिंह, बुध–तुला, गुरू–सिंह, शुक्र–कन्या, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज प्रदोष व्रत, व्यतिपात पुण्यं है। आज शुक्र तुला में सायं 5:03 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 8:15 से 9:34 तक, लाभ–अमृत 9:34 से 12:13 तक, शुभ 1:32 से 2:51 तक।

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 5:30

मेष
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आज महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। आज महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला
तुला: परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 111 प्रभात जयपुर, रविवार 22 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



The Habit of Enough

The city forgets you the moment you change your phone number. The village keeps your file open forever

From Two Shers To A Complete Song

What is happiness?

Happiness is being grateful, finding comfort in what you have, seeing light despite cracks, and letting go of sorrow over things beyond your control

गहलोत चूक गए, पंचायत राज चुनाव की जीत का श्रेय लेने में

वे उस समय, दिल्ली में लॉबिंग में व्यस्त थे, एआईसीसी में अच्छा स्थान पाने के लिए

- वे अपने पुराने मित्रों, जैसे अम्बिका सोनी, मुकुल वासनिक आदि पर निर्भर हैं, राहुल गांधी के नजदीक पहुँचने के लिए।
- इसी संदर्भ में वे कल, पार्टी के संगठन सचिव वेणुगोपाल से मिले थे।
- आज सुबह जयपुर पहुँच कर गहलोत, कांग्रेस की पंचायत राज चुनाव में जीत का श्रेय बटोरने के प्रयास में जुटे। पर, दिल्ली में उनके इस प्रयास का खास असर नहीं हो रहा है, क्योंकि, हाईकमान यह मान रहा है कि पंचायत राज की जीत का कारण भाजपा की आंतरिक खींचतान व ग्रामीण क्षेत्र में कांग्रेस की परम्परागत मजबूत पकड़ है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों दिल्ली में काफी समय बिता रहे हैं। वह एआईसीसी में कोई महत्वपूर्ण पद हासिल करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लगातार संपर्क (लॉबिंग) कर रहे हैं।

कल इसी सिलसिले में उन्होंने केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। वो वेणुगोपाल तथा वरिष्ठ नेताओं के पद व प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहते हैं, राहुल गांधी के नज़दीक पहुँचने के लिए।

कल जयपुर में पार्टी पंचायत राज चुनावों में अपनी जीत का जश्न मना रही थी। इन चुनावों में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी चुनौती देते हुए बड़ी बढ़त हासिल की है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा सभी नेताओं को मिठाई खिला रहे थे। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की और कांग्रेस विधायक दल के नेता जूली के साथ मिलकर इस जीत का श्रेय लिया।

कांग्रेस का कहना है कि पंचायत राज चुनावों के नतीजे मुख्य रूप से भाजपा की राजनीति, उसकी गलतियों और चूकों, खराब शासन व्यवस्था, पुलिस बल और प्रशासन के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल तथा राज्य चलाने के लिए पूरी तरह नौकरशाही पर निर्भर रहने के खिलाफ जनता की प्रतिक्रिया हैं।

कांग्रेस ने भाजपा के मजबूत गढ़ों में भी जीत हासिल की है और उसका प्रदर्शन सराहनीय रहा है और यह तब हुआ है जब पार्टी पूरी तरह एकजुट भी नहीं थी और न ही साझा चेहरे के साथ चुनाव लड़ रही थी।

लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में डोटासरा इस जीत का पूरा श्रेय खुद लेकर सुर्खियां बटोरना चाहते हैं। वहीं, अशोक गहलोत राजस्थान से बाहर रहने के कारण ऐसा नहीं कर पाए हैं।

गहलोत ने जवाहर भवन में आयोजित उस कार्यक्रम में भी हिस्सा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नये नियमों से होगा पैरोल आवेदनों पर फैसला- हाई कोर्ट

- अदालत ने कहा कि 2021 से पहले की दोषसिद्धि पर भी नये नियम ही लागू होंगे।

जयपुर, 21 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कैदियों को पैरोल पर रिहा करने के आवेदनों को लेकर लागू होने वाले पैरोल नियमों की कानूनी स्थिति स्पष्ट की है। अदालत ने कहा कि हर स्थायी या अस्थायी पैरोल आवेदन पर साल 2021 के पैरोल नियम लागू होंगे, फिर चाहे दोषसिद्धि की तारीख कोई भी हो। अदालत ने कहा कि दोषसिद्धि, साल 1958 के पैरोल नियम के दौरान होने मात्र से अब निरस्त हो चुके इन नियमों के तहत विचार करने का कोई निहित अधिकार नहीं मिलता है। सीजे संजय के. अग्रवाल, जस्टिस अनूप कुमार और जस्टिस समीर जैन की फुल बेंच ने ये आदेश इस कानूनी बिंदु को तय करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राधे, राधे, कमल खिला दे'

हाल ही में मथुरा में आयोजित चिंतन शिविर में, यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व मथुरा की सांसद हेमा मालिनी ने सार्वजनिक मांग की कि मथुरा में अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर, भव्य मंदिर निर्माण हो।

- चिंतन शिविर में ऐसे भी नारे लगे, "अयोध्या हुई हमारी, अब मथुरा की बारी"।
- चिंतन शिविर में यह भी माँग की गई कि अगर अखिलेश यादव, वाकई में कृष्ण के सच्चे भक्त हैं तो वे "कार सेवा" में शामिल हों।
- अखिलेश ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा "धन" को ज्यादा प्राथमिकता देती है, "धर्म" की तुलना में, उनका इशारा राम मंदिर के निर्माण में "चंदा चोरी" की ओर था।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। राम जन्मभूमि आंदोलन जैसी राजनीतिक लहर पैदा करने की कोशिश में, भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे को और जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है।

मथुरा में हाल ही में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय चिंतन शिविर में, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और मथुरा की सांसद हेमा मालिनी सहित, कई वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रुप से मांग की कि अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर विवादित स्थल पर एक भव्य मंदिर का निर्माण किया जाए।

मौर्य ने घोषणा की, "अयोध्या हुई हमारी है, अब मथुरा की बारी है।" उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को चुनौती दी कि यदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षा विभाग में 337 असिस्टेंट प्रोफेसर के पद भरने का रास्ता खुला

सुप्रीम कोर्ट ने 2021 की भर्ती में आर पी एस सी द्वारा पुराने नियम के अनुसार भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के आदेश पर मोहर लगाई

- सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाई कोर्ट के खंड पीठ के फैसले को सही ठहराया और एकल पीठ के आदेश को रद्द किया।
- परंतु यह पद आर पी एस सी द्वारा 2024 में जारी की गई मैरिट लिस्ट के आधार पर ही होंगे, जिसमें, इंटरव्यू के दौरान कैसे अंक दिए गए हैं, यही सबसे बड़ा विवाद था।
- एकल पीठ ने जब आर पी एस सी का रिकॉर्ड मंगवाया तो यह स्पष्ट हुआ कि आर पी एस सी जिन विशेषज्ञों को इंटरव्यू लेने के लिए बुला रही थी, उनके द्वारा दी गई सिफारिशें केवल एक सलाहकार या असिस्टेंट के तौर पर लिखी जा रही थीं और किस अभ्यर्थी को कैसे अंक दिए जा रहे थे, यह स्पष्ट नहीं था।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में प्रकाशित चिकित्सा शिक्षा विभाग में 337 असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती प्रक्रिया में राज्य सरकार को राहत दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह आर.पी.एस.सी. द्वारा 2021 में अपनायी जा रही भर्ती प्रक्रिया में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा। इस आदेश के साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाई कोर्ट की खंड पीठ द्वारा दिए गए फैसले को सही ठहराया है और एकल पीठ के फैसले को रद्द कर दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से 2021 में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा जारी असिस्टेंट प्रोफेसर के 337 पदों को भरने की प्रक्रिया पूर्ण करने के कार्य को हरी झंडी मिली है। इस मामले में विवाद तब उत्पन्न हुआ, जब त्वचा और वी. डी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त होने के लिए एक अभ्यर्थी डॉ रचिता माथुर ने अदालत में कई अन्य याचिकाकर्ताओं के साथ मिलकर याचिका पेश की कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान इंटरव्यू में दिए जा रहे मार्क्स कुल अंक के केवल 10 प्रतिशत ही हों। रचिता माथुर व अन्य याचिकाकर्ताओं का कहना था कि आर पी एस सी ने स्वयं 23 मई 2022 को इस संदर्भ में एक नोटिफिकेशन जारी किया था कि सभी परीक्षाओं में इंटरव्यू में दिए गए अंक कुल अंक के केवल 10 प्रतिशत ही होंगे। याचिकाकर्ताओं का ये कहना था कि आर पी एस सी ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में दिए थे। जब इस मामले की सुनवाई एकल पीठ के समक्ष हो रही थी, तब यह तर्क भी दिया गया था कि आर पी एस सी ने इस नियम को ऐसी दो भर्ती परीक्षाओं में लागू किया था, जिनके लिए विज्ञप्ति उक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोर्ट की डिक्री से ही मिलेगा, तलाकशुदा महिला आरक्षण का लाभ

- हाई कोर्ट की फुल बैंच ने स्पष्ट किया कि भर्ती एजेंसी किसी समुदाय की परम्परा की वैधता की जाँच नहीं कर सकती।

जयपुर, 21 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तय किया है कि अनुसूचित जनजाति की कोई महिला अपने समुदाय की परंपरा के तहत हुए तलाक के आधार पर सरकारी भर्ती में तलाकशुदा महिला कोटे के आरक्षण का लाभ नहीं ले सकती। इस कोटे का लाभ लेने के लिए सक्षम न्यायालय की ओर से जारी डिक्री जरूरी है और यह आवेदन की अंतिम तिथि तक प्राप्त होनी चाहिए। सीजे संजय के. अग्रवाल, जस्टिस समीर जैन और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की फुल बेंच ने ये आदेश इस संबंध में भेजे गए रेफरेंस को तय करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि भर्ती एजेंसी स्वयं किसी समुदाय की परंपरा की वैधता की जांच नहीं कर सकती है और न ही यह तय कर सकती है कि उम्मीदवार का विवाह परंपरागत रीति से समाप्त हुआ है या नहीं।

फुल बेंच ने अपने आदेश में यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इटली में स्थित सोनिया की जन्म स्थली संग्रालय बनेगी

इटली में बसे एक सिख बिज़नैसमैन ने यह सम्पत्ति 2020 में खरीदी थी, अपनी पत्नी व पुत्री के नाम पर

- परिवार ने इस मकान को किराये पर देने के प्रस्तावों को कभी स्वीकार नहीं किया।
- सिख बिज़नैसमैन, जो 1992 में होशियारपुर से इटली आए, अब वहीं बस गए हैं।
- परिवार, सोनिया गांधी से काफी प्रभावित है तथा अपने बलबूते पर, सोनिया गांधी के जन्म दिन पर काफी बड़ा उत्सव आयोजित करता आया है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का इटली स्थित बचपन का घर संग्रहालय में बदला जा सकता है। इस योजना के पीछे इटली में रहने वाले सिख कारोबारी सुखदेव सिंह कंग हैं। उन्होंने छह साल पहले यह संपत्ति खरीदी थी। उनका कहना है कि वे गांधी परिवार से मिलना चाहते हैं, ताकि संग्रहालय में प्रदर्शित करने के लिए उनसे कुछ यादगार वस्तुएं हासिल कर सकें।

कंग ने फोन पर पीटीआई को बताया, इस घर का नाम "इंडियन हाउस" है और इस पर तिरंगा लगा हुआ है। घर के बाहर लगी नेम-प्लेट पर लिखा है- "सोनिया गांधी का जन्मस्थान"।

बावन वर्षीय कंग ने बताया कि इटली के विसेंज़ा प्रांत के लुसियाना में स्थित इस घर में छह कमरे हैं। यह घर भूरे पत्थर और कंक्रीट से बनी एक इमारत में है और उनके ब्रेशिया स्थित घर से लगभग एक घंटे की दूरी पर है। उन्होंने बताया कि सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर 1946 को इसी घर में हुआ था और उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती वर्ष यहीं बिताए थे।

कंग इन दिनों अमृतसर आए हुए हैं। वे 1992 में होशियारपुर के एक गांव से इटली चले गए थे और तब से वहीं रह रहे हैं। वहां बसना उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने बताया, "शुरुआत में मैंने डेयरी फार्म, कृषि क्षेत्र और एक कारखाने में काम किया।"

उन्होंने कहा, "2020 में मैंने यह घर अपनी पत्नी और बेटी के नाम पर खरीदा था। घर की देखभाल के लिए एक व्यक्ति नियुक्त किया गया है। यदि कोई पर्यटक यह घर देखना चाहता है, तो केयरटेकर उसकी व्यवस्था करता है।"

कंग इस संपत्ति पर हर साल लगभग 1,000 यूरो खर्च करते हैं, जिसमें संपत्ति कर भी शामिल है।

उन्होंने बताया कि वे और उनका परिवार सोनिया गांधी के परिवार के प्रशंसक हैं। वे हर साल सोनिया गांधी का जन्मदिन एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में मनाते हैं।

खरीदने के बाद, उन्होंने इस घर को उसी पुराने रूप में बनाए रखा है। उन्हें उम्मीद है कि एक दिन वे इसे संग्रहालय का रूप दे सकेंगे। इस प्रकार, इटली आने वाले भारतीय पर्यटकों के लिए एक और पर्यटन स्थल जुड़ जाएगा।

कंग ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि पूरी तरह तैयार होने के बाद, यह संग्रहालय सैकड़ों पर्यटकों को आकर्षित करेगा और स्थानीय गांव की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देगा। उनकी पत्नी और बेटी भी इस योजना से सहमत हैं।

कंग ने कहा, "मेरे परिवार ने पहले इस संपत्ति को किराए पर देने या गुरुद्वारे में बदलने के प्रस्ताव ठुकरा दिए थे, क्योंकि वे सोनिया गांधी और मैनो परिवार से जुड़े इसके ऐतिहासिक महत्व को सुरक्षित रखना चाहते थे।"

उन्होंने बताया कि वे जल्द से जल्द इस संपत्ति को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक शानदार संग्रहालय में बदलना चाहते हैं, लेकिन परिवार से जुड़ी जानकारी न मिल पाने के कारण यह प्रोजेक्ट टलता जा रहा है। अब उनका अगला कदम सोनिया गांधी और उनके बच्चों, राहुल तथा प्रियंका से मुलाकात करना होगा, ताकि यह समझा जा सके कि प्रस्तावित संग्रहालय में किस तरह की निजी चीज़ें, तस्वीरें, दस्तावेज और अन्य यादगार वस्तुएं रखी जा सकती हैं।

उन्होंने कहा, "संग्रहालय के लिए हमें बहुत सारी चीजों की जरूरत है। ये चीजें मिलने के बाद हम उन्हें वहां प्रदर्शित करेंगे।"

पोकरण में एंटी टैंक मिसाइल का सफल परीक्षण

- यह परीक्षण डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया।

पोकरण, 21 नवम्बर (कासं)। जैसलमेर की परमाणु नगरी पोकरण एक बार फिर देश की सामरिक शक्ति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का गवाह बनी है। पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने वाहन पर तैनात एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली "भगीरा" का सफल परीक्षण किया है। इस उपलब्धि को भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कामयाबी माना जा रहा है।

कंपनी की ओर से शनिवार को इस सफल परीक्षण की जानकारी साझा की गई। बताया गया कि 20 नवंबर को आयोजित प्रदर्शन के दौरान चार मिसाइलों का परीक्षण किया गया। इस दौरान भारतीय सेना, सैन्य मामलों के विभाग और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

'क्या आपराधिक मामला लंबित रहने के कारण अभ्यर्थी को नियुक्ति से वांछित रखा जा सकता है?'

हाई कोर्ट की सिंगल बैंच ने इस सवाल को उठाते हुए मुख्य न्यायधीश को फुल बैंच गठित कर मामले के निस्तारण करने के आदेश दिए है

- इस मामले में विवाद इसलिए उत्पन्न हुआ, क्योंकि हाई कोर्ट की दो खंड पीठों ने इसी सवाल पर दो विरोधाभासी और भिन्न निर्णय सुनाए हैं।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 नवंबर। "क्या एक चयनित अभ्यर्थी को सरकारी नौकरी से इसलिए वंचित किया जा सकता है, क्योंकि उसके खिलाफ एक अपराधिक मामला लंबित है?" इस सवाल को उठाते हुए राजस्थान हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने एक विवादित मामले को हाई कोर्ट की फुल बेंच के समक्ष भेजे जाने का आदेश जारी किया है। अदालत के अनुसार, उसके समक्ष कानूनी विवाद इसलिए उत्पन्न हुआ है, क्योंकि दो खंड पीठों ने इसी सवाल पर दो विरोधाभासी और भिन्न निर्णय सुनाए हैं। न्यायाधीश अनूप कुमार ढंड की एकल पीठ ने ये आदेश रजनीश कुमार बनाम राजस्थान सरकार पर सुनवाई करते हुए दिए हैं। इस मामले में याचिकाकर्ता का कहना है कि उसे राजस्थान स्टेट एंड सबऑर्डिनेट सर्विसेस भर्ती 2023 में उत्तीर्ण होने के बावजूद राजस्थान अकाउंट्स सर्विसेज में नियुक्ति नहीं मिली, क्योंकि उसके खिलाफ एक एफ आई आर दर्ज थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसका चयन इसलिए नहीं किया गया, क्योंकि डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनेल (डी ओ पी) 2019 में ही एक सर्कुलर जारी किया है, जिसके तहत आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों का चयन नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ता का कहना है कि केवल एक एफ आई आर का दर्ज होना उसके चयनित होने से वंचित होने का आधार नहीं हो सकता। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद पेश हुए थे, वहीं राज्य सरकार और डीओपी विभाग की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह और उनके सहायक अधिवक्ता यश जोशी पैरवी के लिए पेश हुए थे।

जिरह को सुनने के बाद अदालत ने कुछ सवाल किये, जैसे कि क्या एक अभ्यर्थी का चयन केवल एफ आई आर दर्ज होने के कारण खारिज किया जा सकता है, जबकि उसे अदालत ने अपराधी घोषित नहीं किया है?

क्या किसी आपराधिक मामले का लंबित होना ही सरकारी नौकरी से वंचित रहने के लिए पर्याप्त है? और क्या ऐसे अभ्यर्थी को दोषी मानना चाहिए?

कानून में जब तक दोष सिद्ध न हो जाये, तब तक निर्दोष माने जाने का नियम है तो क्या ऐसे अभ्यर्थी को तब तक पद पर नियुक्त रखा जा सकता है, जब तक वह दोषी सिद्ध न हो जाए?

और ऐसे मामलों में नियुक्ति देने वाले विभाग या संस्था के पास क्या अधिकार है कि किन नियम कायदे के अनुसार अभ्यर्थी के पक्ष या विपक्ष में फैसला दे सके।

नीट पेपर लीक मामले में 25 से रोज सुनवाई होगी

- अदालत ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश दिए।

नई दिल्ली, 21 नवंबर। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय करने का आदेश दिया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट के स्पेशल जज अजय गुप्ता ने आरोप तय करते हुए, इस मामले पर 25 नवंबर से रोजाना सुनवाई करने का आदेश दिया। शनिवार को सभी आरोपी कोर्ट में पेश हुए।

कोर्ट ने भारतीय न्यायिक संहिता, प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। कोर्ट ने जिन आरोपियों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय करने का आदेश दिया, उनमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

लोक अदालत में 66 चैक बाउंस के मामले निबटे

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश शैलेन्द्र व्यास के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। खैरथल एवं किशनगढ़बास में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा कुमारी की अध्यक्षता में बेंच बनी और अधिवक्ता रामनिवास सदस्य रहे। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी भी रहे। इसके अलावा जिला अध्यक्ष एवं जिला जज के मार्गदर्शन में मुण्डावर, तिजारा, भिवाड़ी एवं कोटकासिम में भी एक-एक बेंच का गठन किया गया था। लोक अदालत में आपसी समझाइश से कुल 66 चेक बाउंस प्रकरणों का राजीनामे के माध्यम से निस्तारण किया गया।

65 बसों की चेकिंग, 37 वाहनों पर 1 लाख 72 हजार के चालान से मचा हड़कंप

किशनगढ़ बास। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला व सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने परिवहन विभाग व पुलिस टीम के साथ टोलनाका मातौर एवं ततारपुर चौराहे पर 65 वाहनों की जांच की जिनमें यातायात नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 37 वाहनों पर कुल 1 लाख 72 हजार रुपये के चालान किए गए। ये चालान न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के लिए किए गए हैं। यह सघन जांच राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल के अध्यक्ष एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देशन में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत की गई। जिला सचिव ने बताया शनिवार को टोलनाका मातौर एवं ततारपुर चौराहे पर जिला परिवहन अधिकारी कृष्णावतार, पुलिस विभाग के शिवलाल, ततारपुर थाना पुलिस जाब्ता एवं संबंधित विभागों के कर्मचारियों की टीम के साथ रूट से निकलने वाली स्लीपर कोच, लग्जरी यात्री बसों, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज एवं निजी यात्री बसों सहित सिटी बसों और मिनी बसों की सुरक्षा व्यवस्थाओं के मध्यनजर वाहनों के वैध फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी), अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, आपातकालीन निकास द्वार, सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों में संरचनात्मक खामियों और अनाधिकृत बदलावों की जांच की गई। साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए शिकायत पेटी तथा सिटी बसों और मिनी बसों में स्पीड गवर्नर की स्थापना एवं कार्यशीलता भी जांच के दायरे में रही। जांच के दौरान जिला सचिव ने प्रत्येक निरीक्षणाधीन बस में रालसा का हेल्पलाइन नम्बर9928900900हिंदी एवं अंग्रेजी में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कराने पर भी जोर दिया, ताकि यात्री बस संचालन, चालक-परिचालक के व्यवहार अथवा यात्री सुरक्षा से सम्बंधित शिकायतों के लिए सीधे प्राधिकरण से सम्पर्क कर सकें। अभियान के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा सम्बन्धी गम्भीर खामियों एवं वैधानिक उल्लंघनों पर नियमानुसार चालान, निरोध या जब्ती की कार्रवाई का प्रावधान है। वहीं शिकायत पेटी नहीं होने अथवा दरवाजों-खिड़कियों के माप से सम्बंधित मामूली तकनीकी भिन्नताओं को अपने आप में वाहन जब्ती का आधार नहीं माना गया है।

सेंट सोल्जर महिला महाविद्यालय में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट आयोजित

टोंक। मेरा युवा भारत शाखा टोंक द्वारा सेंट सोल्जर महिला महाविद्यालय में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरकारी कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुलोचना मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से गजेन्द्र कुमावत, जिला युवा अधिकारी कुमार मधुकर, सेंट सोल्जर शिक्षा समिति के निदेशक बाबूलाल शर्मा, हितेश शर्मा, सेंट सोल्जर महिला महाविद्यालय के प्राचार्य राघवेन्द्र नामा, निर्णायक मंडल के समस्त सदस्यों एवं अन्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं युवाओ के आदर्श स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सेवानिवृत्त आईएएस शिवजी राम प्रतिहार, सेवानिवृत आचार्य डॉ मनु शर्मा, सह आचार्य डॉ नरेश कुमार वर्मा, सहायक आचार्य निकिता वर्मा, वकील एवं युवा नेता श्री विवेक औदिच्य जी सदस्यों के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी ने युवा संसद के उद्देश्य बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आवाज़ को जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना है, ताकि वे जनहित से जुड़े मुद्दों को समझें, आम नागरिकों के दृष्टिकोण को जानें तथा अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इसके माध्यम से युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता, दूसरों के विचारों के प्रति सम्मान एवं सहिष्णुता और नियमों के अनुसार सार्थक चर्चा करने की भावना विकसित करना है। साथ ही, विकसित भारत के विजन पर युवाओं के विचारों एवं सुझावों को संकलित कर उन्हें नीति-निर्माताओं एवं क्रियान्वयनकर्ताओं तक पहुँचाना है, ताकि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

निवाई में स्पेशल लोक अदालत का आयोजन

निवाई। स्थानीय न्यायालय में तालुका विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष सृष्टि चौधरी की अध्यक्षता में एनआईएक्ट स्पेशल लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम के मामलों के साथ-साथ भारतीय स्टेट बैंक एवं यूनियन बैंक के लंबित ऋण एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को सुनवाई के लिए रखा गया। लोक अदालत के दौरान तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष सृष्टि चौधरी ने दोनों पक्षों के मध्य आपसी समझाइश करके कुल 12 प्रकरणों का आपसी राजीनामे के आधार पर सफल निस्तारण करवाया। जिसमें कुल 25 लाख 87,276 रूपए समझौता राशि के अवार्ड पारित किए गए। इस अवसर पर अधिवक्ता मोहम्मद सलीम, संबंधित बैंकों के अधिकारी, न्यायिक कर्मचारी एवं कई पक्षकार मौजूद थे।

सांभर में न्यायिक अधिकारियों ने सैंतीस प्रकरण निबटाये

सांभरझील, (निसं)। यहां न्यायिक अधिकारियों ने विशेष लोक अदालत में उधारी से जुड़े एनआई एक्ट के 37 प्रकरणों को दोनों पक्षों के बीच आपस में समझाइईश कर सहमति बनने के बाद निस्तारण किए। बताया गया कि इन मामले में चेक अनादरण होने पर पीड़ित पक्षों की ओर से उसके द्वारा दी गई राशि को दिलवाने हेतु परिवाद पेश किया गया था, जो न्यायालय में विचाराधीन चल रहे थे। 523 प्री लिटिगेशन प्रार्थना पत्रों पर न्याय के अधिकारी सुनवाई कर आपस में दोनों पक्षों के बीच वार्ता करवा कर सुलह करवाई। विशेष लोक अदालत के आयोजन के दौरान दोनों पक्षों के और से पैरवी कर रहे वकीलों न्यायिक अधिकारियों एवं स्टाफ की मौजूद की राही।

शाहपुरा में दानपात्र चोरी के मामले में दो आरोपी पकड़े

शाहपुरा। ग्रामीण पुलिस ने मंदिर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए साईवाड़ स्थित बालाजी मंदिर से दानपात्र चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद एवं एएसपी लाखन सिंह के निर्देशन में शाहपुरा थाना प्रभारी रिया चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए साईवाड़ निवासी रमेश मीणा एवं श्यामसुंदर कुमावत को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों पर साईवाड़ के बालाजी मंदिर से दानपात्र चोरी करने का आरोप है। मामले में डीएसपी लक्ष्मीनारायण सैनी द्वारा आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है।

चाकूबाजी कर फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार व एक बालक निरूद्ध

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टोंक वृत्ताधिकारी मृत्युजंय मिश्रा एवं पुरानी टोंक थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में गठित थाना टीम एवं जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त द्वारा पुरानी टोंक थाना क्षेत्र केप्टन कॉलोनी में हुए चाकूबाजी के बाद फरार आरोपियों पर कार्यवाही करते हुए टीम ने मुख्य आरोपी राजवीर असल पुत्र भंवर लाल गुर्जर उम्र 19 साल निवासी अस्तल रोड छावनी टोंक को गिरफ्तार करने के साथ ही एक नाबालिग बालक को निरुद्ध किया गया है।

टोंक : कबाड़ के गोदाम में भीषण आग, लाखों के पुराने टायर जले

टोंक,(निंस)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित काली पलटन की वाल्मीकि बस्ती में शनिवार रात्रि को कबाड़ गोदाम में आग लग गई। इस दौरान आग की लपटें उठने और धुएं से आसपास के लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई, कई लोग अपने घर छोड़कर दूर चले गए। स्थानीय लोगों ने पानी की मोटर चलाकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें बढ़ती रहीं। पुलिस और नगर परिषद की 3 दमकलें मौके पर पहुंचीं। रात करीब 1 बजे आग पर काबू पाया गया, लेकिन कबाड़ में चिंगारियां सुलगती रहीं। बाद में रविवार सुबह तक दीवार तोड़कर कबाड़ बाहर निकालने और आग पूरी तरह बुझाने का काम जारी रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार काली पलटन में कबाड़ का काम करने वाले अब्दुल अंसारी का गोदाम में ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे थे, आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी और इसके बाद पुराने टायरों ने आग पकड़ ली। सूचना मिलने पर पुलिस और नगर परिषद की 3 दमकलें मौके पर पहुंची, आग बुझाने के लिए जेसीबी मशीन भी बुलाई गई। गोदाम का शटर तोड़कर दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया, आग गोदाम में रखे पुराने गाड़ियों के टायरों तक पहुंच गई थी। इसके कारण आग बुझाने में काफी समय लगा। करीब दो घंटे की कोशिश के बाद रात 11 बजे आग पर काबू पाया गया, लेकिन आधे घंटे बाद कबाड़ में फिर आग धधकने लग। दमकलों ने दोबारा आग बुझाने का काम शुरू किया, मध्यरात्रि के बाद करीब 1 बजे आग पर फिर काबू पाया गया।

इसके बावजूद गोदाम के अंदर कबाड़ में रह-रहकर चिंगारियां उठ रही थीं। अल सुबह जेसीबी मशीन से गोदाम की दीवार तोड़ी गई। इसके बाद कबाड़ और मलबे को बाहर निकालकर आग पूरी तरह बुझाने का काम किया गया, ताकि आग दोबारा न भड़के। आग के कारण काली पलटन इलाके में ट्रैफिक को दूसरे रास्ते से निकाला गया। इस घटना में गोदाम मालिक को लाखों रुपए का नुकसान होने की बात सामने आई है।



शनिवार रात्रि को कबाड़ गोदाम में किन्ही कारणों से आग लग गई।

- पुलिस और नगर परिषद की 3 दमकलें मौके पर पहुंचीं।
- रात करीब 1 बजे आग पर काबू पाया गया

सांभर में पेयजल लाइन के आये दिन टूटने से लाखों लीटर पानी बर्बाद

सांभरझील, (निसं)। तकनीकी विशेषज्ञ माने जाने वाले जलदाय विभाग के एक्सईएन से लेकर सहायक अभियंताओं तक सांभर में बार-बार पेयजल लाइन टूटने अथवा भारी भरकम लीकेज होने की समस्या से निजात पाने के लिए अभी तक कोई तोड़ नहीं ढूंढ पाए हैं।

बताया तो यह जा रहा है कि विभाग की तरफ से समस्या के समाधान करने के लिए कोई बेहतरीन ग्रेस कार्य प्रणाली दिखाई नहीं दे रही है। इसी वर्ष अभी तक करीब 30 से 40 दफा अलग जगहों पर पेयजल लाइन टूटी, लेकिन विभाग की नींद इतनी गहरी और आरामदायक है की टूटने का नाम तब लेती है जब बेतहाशा पेयजल नालियों में बह जाता है। यानी अभी तक लाखों लीटर पानी जो सांभर की जनता के घरों तक पहुंचना चाहिए था वह सड़क और नालियों के रास्ते झील के खारडे तक पहुंच चुका है।

अनभिज्ञ की तरह काम करना बताएं, या अभियंताओं की घोर लापरवाही, लेकिन जनता को परेशानी तो बीसलपुर से पानी मिलने के बाद में भी होती ही है। उपखंड अधिकारी (एसडीएम) केवल अपने काम में व्यस्त है। उनकी जिम्मेदारी है कि वह सभी विभागों पर अपनी ग्रेस निगरानी रखें, कहीं कोई विभाग लापरवाही करता है, तो उसको निर्देश प्रदान करें। निर्देश की अवहेलना हो तो संबंधित विभाग के आला अफसरों को उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए लिखें।

एसडीएम की जिम्मेदारी इसलिए तय है, क्योंकि सरकार को सीधे विभागों की रिपोर्ट प्रगति की उनके माध्यम से ही समय-समय पर पहुंचाने का काम होता रहता है, लेकिन उनकी तरफ से भी इस मामले में कोई सीधी निगरानी नहीं की जा रही है जिससे लाखों लीटर पानी तो बर्बाद हो ही चुका है और जनता को भी पर्याप्त आपूर्ति मिलने में बाधा का कारण आज भी बना हुआ है।

'पंचायत चुनाव के परिणामों की समीक्षा करेगी सरकार'

भरतपुर (निसं)। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेड़म एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को भरतपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए पंचायत राज चुनाव 2026 के परिणामों पर प्रतिक्रिया दी। बेड़म ने कहा कि जनता ने जो जनादेश दिया है, उसे स्वीकार करना और उसका सम्मान करना प्रत्येक राजनीतिक दल का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पिछले तीन वर्षों में विकास कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी और जनता की मांग के अनुसार काम किए हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद पंचायत राज चुनावों में आए परिणामों की समीक्षा की जाएगी।

'आतंकवाद जैसी चुनौतियों का समाधान संवाद से ही'

टोंक। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गत शनिवार को जिले के निवाई क्षेत्र स्थित वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित कार्यक्रम ब्रिक्स वूमन लिडर्स समित के उद्घाटन में पंहुचे।

इस सम्मेलन में ब्रिक्स देशों एवं साझेदार राष्ट्रों से आई महिला सांसदों, नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, उद्यमियों और अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बिरला ने महिला नेतृत्व, लोकतांत्रिक संस्थाओं में उनकी भागीदारी तथा वैश्विक चुनौतियों के समाधान में उनकी भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

जहां सत्र को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि वैश्विक शांति, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों का समाधान संवाद, सहयोग और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। कृषि, जल प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा, मानवीय सहायता और पुनर्वास जैसे क्षेत्रों में महिलाओं का अनुभव एवं नेतृत्व प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर सकता है।

रेलवे कर्मचारियों का मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन

निवाई। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर रेलवे कर्मचारियों ने मांगों को लेकर रेल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने बताया कि रेलवे कर्मचारियों का आठवां वेतन आयोग को शीघ्र लागू करने, पुरानी पेंशन, ट्रैक मेंटेनर की पेट्रोलिंग बीट 16 किलोमीटर से 12 किलोमीटर करने, केंद्रीय रेलवे अस्पतालों सहित सभी अस्पतालों में चिकित्सक एवं पर्याप्त पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध करवाने व सिग्नल रनिंग एवं टीआरडी कर्मचारियों की मांगों को को लेकर रेल प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया गया।

उन्होंने बताया कि रेलवे कर्मचारी चाहे किसी भी विभाग का हो रेल सेवा में दिन-रात लगे रहते है। इंजीनियरिंग विभाग का कर्मचारी सर्दी, गर्मी एवं बरसात में रेल ट्रैक पर घूम कर ट्रैक की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते है। उनकी मांगों को शीघ्र समाधान होना चाहिए। जिससे कर्मचारियों को राहत मिल सकें। इस अवसर पर जयपुर सवाई माधोपुर के शाखा सचिव कामरेड मदनसिंह राजावत, उपाध्यक्ष कामरेड मुकेश जाट बालापुरा, युवा नेता कामरेड भागचंद गुर्जर बनेठा, पप्पूलाल योगी, स्टेशन मास्टर जगदीश तिवारी, सुरेश योगी, उपेंद्र बैरवा, मनोज शर्मा, हरिशंकर जाट, रूपनारायण मीणा, सुरेश जाट व पप्पूलाल मीणा सहित कई कर्मचारी मैजूद थे।



विरोध प्रदर्शन के दौरान निवाई रेलवे स्टेशन सुनसान रहा।

- रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर रेलवे कर्मचारियों ने मांगों को लेकर रेल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए जनभागीदारी व जागरूकता पर जोर

कोटपूतली,(निंस)। संभागीय आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव वी. सरवन कुमार ने शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों की अनुपालना को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता एवं एडीएम सोहन सिंह नरुका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव ने कहा कि वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासनिक प्रयासों के साथ आमजन की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को आमजन को जागरूक करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीएक्यूएम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित करने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी राजकुमार सेहरा ने सीएक्यूएम के निर्देशों, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों एवं अब तक की गई अनुपालना के संबंध में संक्षिप्त प्रस्तुति दी। इस दौरान जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने भी वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए धरातल पर की जाने वाली आवश्यक कार्यवाही के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के पश्चात प्रभारी सचिव ने नीमराणा पहुंचकर वायु गुणवत्ता निगरानी एवं प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापित ऑनलाईन सतत वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) की निगरानी व्यवस्था तथा सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी मोबाईल वैन का जायजा लिया। इसके साथ ही जापानी जोन स्थित एक औद्योगिक ईकाई का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता राहुल डाबर, वैज्ञानिक अधिकारी चेतन आर्य एवं उपखंड अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।



संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार ने विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

- प्रभारी सचिव ने की सीएक्यूएम निर्देशों की समीक्षा
- नीमराणा में वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र एवं औद्योगिक ईकाई का निरीक्षण किया

सार-समाचार

खंडेलवाल धर्मशाला के कमरे में लगी आग

राजगढ़। कस्बे के खंडेलवाल धर्मशाला के कमरे में शुक्रवार देर रात्रि करीब 12 बजे अज्ञात कारणों के चलते आग लगने से कुर्सियां सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है। आग लगने की सूचना पर आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की मगर आग पर काबू नहीं हो सका। आग लगने की सूचना स्थानीय फायर ब्रिगेड केंद्र को दी मगर ड्राइवर नहीं मिलने के कारण गाड़ी अलवर से राजगढ़ पहुंची। इसके बाद अग्निशमन दल की सहायता से आग पर काबू पाया जा सका। इस आगजनी में दर्जनों प्लास्टिक की कुर्सियां, गद्दे रजाई, कमरे में खड़ी बाइक, एवं बक्सों में रखा खंडेलवाल महिला समिति का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से कमरा सहित खंडेलवाल धर्मशाला परिसर में धुआ धुआ हो गया। इधर का धर्मशाला के पास में विवाह समारोह का आयोजन था जिसके कारण लोग शादी में व्यस्त थे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विक्रांत शर्मा ने बताया कि नगर पालिका की दमकल वाहन मैं तकनीकी खराबी थी जिसके चलते ड्राइवर चला गया था। गाड़ी को ठीक करा दिया गया है।

अवैध देशी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में उनियारा पुलिस टीम ने लोकल एंव स्पेशल माइनर एक्ट के तहत चलाये जा रहे विशेष अभियान में कार्यवाही करते हुए उनियारा थाने की अलग अलग टीमो ने अवैध मादक पदार्थ व शराब की रोकथाम में कार्यवाही करते हुए आरोपी भरत लाल पुत्र कानजी मीणा ओलवाडा थाना कुण्डेरा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 120 पव्वे देशी शराब तथा अन्य टीम ने आरोपी धनराज पुत्र सोजीलाल रेगर उम्र 28 साल निवासी पलाई थाना उनियारा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 64 पव्वे देशी शराब के जप्त किये गये है। इस कार्यवाही में पुलिस ने दोनो आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियत में प्रकरण दर्जकर अनुसंधान जारी है।

नवनिर्वाचित सरपंच ने संभाला पदभार

निवाई। ग्राम पंचायत जामडोली में नवनिर्वाचित सरपंच संतोष शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण समारोह की शुरुआत ग्राम पंचायत में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ की गई, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि व विकास की कामना की गई। इस अवसर पर प्रशासक सत्यनारायण खटीक ने नवनिर्वाचित सरपंच संतोष शर्मा को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा और उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई दीं। नवनिर्वाचित सरपंच संतोष शर्मा का माला पहनाकर स्वागत किया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। पूर्व सरपंच सत्यनारायण शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए नए सरपंच को पंचायत के विकास के लिए मार्गदर्शन दिया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात नवनिर्वाचित सरपंच संतोष शर्मा ने सभी ग्रामीणों, वार्ड पंचों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जामडोली ग्राम पंचायत की जनता ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरी ग्राम पंचायत के हर एक नागरिक की जीत है। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे एवं ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांव में स्वच्छता, पेयजल, सडक़, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। इस दौरान उन्होंने पूर्व सरपंच, प्रशासक, उप सरपंच सहित सभी वार्ड पंचों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए विकास कार्यों में सभी के निरंतर सहयोग करने की अपील की। समारोह में वार्ड पंच चरंजीलाल बैरवा, ममता रैगर, कुणाल भदौरिया, रेखा मीणा, संतरा मीणा, बाबूलाल योगी, रामावतार माली, फैलीराम मीणा व प्रियंका जांगिड़ सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सृजक की कवि गोष्ठी में नवंबर में जन्मे कवियों का होगा सम्मान

अलवर। अलवर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था सृजक की ओर से मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन 22 नवंबर (रविवार) को दोपहर 1:30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम रेलवे स्टेशन के सामने संजय कॉलोनी स्थित एमएनसीआई कोचिंग के सभागार में संस्थान के अध्यक्ष सरदार अमरीक सिंह अदब की अध्यक्षता में आयोजित होगा। संस्थान के सचिव रामचरण राग ने बताया कि गोष्ठी में नवंबर माह में जन्म लेने वाले कवियों को मोतियों की माला, तिरंगा पटका और पेन भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि रघुवर दयाल जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि कवि गोष्ठी में अलवर के युवा कवियों, वरिष्ठ साहित्यकारों, गणमान्य नागरिकों और साहित्यप्रेमियों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम में काव्य पाठ के माध्यम से साहित्यिक अभिव्यक्तियों और रचनात्मक संवाद का अवसर मिलेगा। सरिस्का में बिग कैट अलायंस की तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न, विशेषज्ञों ने सीखे बाघों को बेहोश करने और फोरेंसिक जांच के गुर 10 राज्यों के वन अधिकारियों और पशु चिकित्सकों ने लिया प्रशिक्षण, वन्यजीवों को बीमारियों और शिकारियों से बचाने पर हुआ मंथन अलवर।बाघों सहित दुर्लभ वन्यजीवों को जानलेवा बीमारियों और शिकारियों के खतरे से बचाने के लिए सरिस्का बाघ अभयारण्य में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट अलायंस और विश्व बैंक समूह की तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला के अंतिम दिन 10 राज्यों से आए वन अधिकारियों और पशु चिकित्सकों ने फील्ड प्रैक्टिकल के माध्यम से वन्यजीवों के स्वास्थ्य की निगरानी, रेस्क्यू और संरक्षण से जुड़ी तकनीकों का प्रशिक्षण लिया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने वन्यजीवों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर जोर दिया। डॉ. प्रदीप मलिक ने वन्यजीवों, मनुष्यों और पर्यावरण के स्वास्थ्य के आपसी संबंधों को समझाते हुए रोग निगरानी की महत्ता बताई। वहीं डॉ. सनथ के. मुलिया ने बिग कैट्स को सुरक्षित तरीके से बेहोश करने (ट्रैंक्विलाइजेशन), रेस्क्यू और कॉलरिंग की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

अलवर में कांग्रेस की जीत भूपेंद्र यादव के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश : जूली

अलवर / जयपुर । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पंचायत चुनावों में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन पर प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अलवर में कांग्रेस की जीत आमजन के विश्वास, प्यार और आशीर्वाद की जीत है। जिला परिषद में कांग्रेस का एकतरफा दबदबा इस बात का प्रमाण है कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों की जनता से दूरी और कांग्रेस के सुख-दु:ख में साथ खड़े रहने की राजनीति के बीच जनता ने अपना फैसला सुना दिया है। यह चुनाव कांग्रेस ने नहीं, बल्कि आमजन ने कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ा है। असल लड़ाई भाजपा और आम जनता के बीच थी, जिसमें जनता ने अपना निर्णय दे दिया है। जूली ने कहा कि अलवर की जनता ने जिस तरह कांग्रेस को अपना समर्थन दिया है, वह केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद श्री भूपेंद्र यादव के लिए भी एक बड़ा राजनीतिक संकेत है। केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद अलवर में भाजपा को मिली हार यह बताती है कि केवल सत्ता और पद के बल पर जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। भाजपा के नेताओं और जनप्रतिनिधियों को जनता से दूरी बनाने का खामियाजा भुगतना पड़ा है। अब भाजपा नेताओं को जनता के बीच जाकर अपने कामकाज का जवाब देना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश की जनता ने बदहाल कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, बेरोजगारी, जनहित की योजनाओं को कमजोर करने और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ अपने मताधिकार से जवाब दिया है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में आमजन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। इसके विपरीत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लगातार जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को उठाया और उनके सुख-दु:ख में भागीदारी निभाई। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस को व्यापक जनसमर्थन मिला है। जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वयं इन चुनावों को सेमीफाइनल बताया था। अब सेमीफाइनल का परिणाम सबके सामने है। मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि जब उनकी टीम सेमीफाइनल में ही हार गई है तो फाइनल कैसे खेलेगी? क्या सरकार फाइनल खेलने की तैयारी करेगी या फिर पर्ची बदलेगी और कोई दूसरी पर्ची सामने आएगी? भाजपा सरकार को अब जनता के मिजाज को समझते हुए अपना बोरिया-बिस्तर बांधने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

जूली ने कहा कि यह जीत कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता, संगठन की एकजुटता और मेहनत का परिणाम है।

वनस्थली विद्यापीठ में ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का शुभारंभ

ओम बिरला ने महिला नेतृत्व को विकास की धुरी बताया

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ में 21 नवंबर को ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का भव्य शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर ब्रिक्स देशों सहित विभिन्न देशों से आई महिला प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि महिलाओं का आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक परिवर्तन की कर्णधार हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी निर्णायक है।

- वनस्थली विद्यापीठ में वनस्थली सेंटर फॉर ग्लोबल वुमेन लीडरशिप की स्थापना की घोषणा



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, प्रो. ज्योति पारीक उपस्थित रहे।

बिरला ने कहा कि भौगोलिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों में भिन्नता के बावजूद सभी देश कई साझा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिनके समाधान के लिए आपसी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने वैश्विक शांति, स्थिरता और तकनीकी विकास पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और महिला उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में मानव कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने महिला सशक्तीकरण से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा को साकार करने का आव्हान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने कहा कि वनस्थली विद्यापीठ पिछले कई दशकों से महिला नेतृत्व के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में वनस्थली विद्यापीठ में वनस्थली सेंटर फॉर ग्लोबल वुमेन लीडरशिप की स्थापना की घोषणा भी की गई।कार्यक्रम में विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, प्रो. ज्योति पारीक सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

ग्रामीण नतीजों ने खोली भाजपा की सियासी कमजोरियां, हार के कारणों की होगी पड़ताल

जयपुर। सत्ता में होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं का बदला रुख भाजपा के लिए आत्ममंथन का विषय बन गया है। पंचायत चुनाव के नतीजों ने पार्टी के सामने सिर्फ सीटों का गणित नहीं, बल्कि संगठन की जमीनी पकड़ और सरकार के प्रति ग्रामीण मतदाताओं की धारणा से जुड़े कई सवाल खड़े कर दिए हैं। शहरी निकाय चुनावों में मिली सफलता के बाद पंचायत चुनाव में कांग्रेस का बेहतर प्रदर्शन भाजपा के लिए राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। चुनावी नतीजों के बाद अब पार्टी के भीतर इस बात की पड़ताल शुरू हो गई है कि आखिर ग्रामीण क्षेत्रों में समीकरण क्यों बदले? क्या यूजीसी विवाद से सामान्य वर्ग के एक हिस्से में पैदा हुई नाराजगी ने परंपरागत वोट बैंक को प्रभावित किया, या फिर विधायकों की टिकट वितरण में मनमानी, स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों के प्रति असंतोष और संगठनात्मक समन्वय की कमी ने पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित किया? इन सभी पहलुओं को लेकर भाजपा में समीक्षा की तैयारी है। पार्टी जल्द ही चुनाव परिणामों का विश्लेषण कर केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट सौंपेगी।

- सत्ता-संगठन के तालमेल पर उठे सवाल, केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा के भीतर कई स्तरों पर जवाबदेही का सवाल खड़ा किया है। सरकार की योजनाओं और संगठन की सक्रियता के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने से चुनावी रणनीति पर पुनर्विचार की जरूरत महसूस की जा रही है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि ग्रामीण मतदाताओं का फैसला केवल प्रदेश सरकार के कामकाज पर आधारित नहीं था। इसमें स्थानीय विधायकों की सक्रियता, पंचायत स्तर के नेतृत्व की स्वीकार्यता, प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि और जातीय-सामाजिक समीकरणों की भी भूमिका रही।

भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के विश्लेषण में यूजीसी विवाद भी प्रमुखता से सामने आया है। यूजीसी के प्रावधानों को लेकर सामान्य वर्ग के एक हिस्से में असंतोष और यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों की सक्रियता को पार्टी के परंपरागत वोट बैंक से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस आरक्षण की प्रक्रिया सरल बनाने, स्वर्ण आयोग के गठन और सामान्य वर्ग के लिए अलग कानून जैसी मांगों पर अपेक्षित पहल नहीं होने की बात भी उठ रही है।

सार-समाचार

'महिला सुरक्षा के अधिकार' विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित



जयपुर । महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय कन्या महाविद्यालय, विद्याधर नगर, जयपुर में मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के सीडलिंग स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस के संयुक्त तत्वावधान में महिला सुरक्षा एवं उसके अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने विषय में रुचि दिखाई तथा कानूनी जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मिशन संबल के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके क़ानूनी एवं संवैधानिक अधिकारों से जोड़ने, सुरक्षित, समान और सशक्त जीवन के लिए समग्र पहल है। महासचिव दुर्गा वर्मा ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक महिला और बालिका को अपने कानूनी अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण के उपायों की जानकारी भी होनी चाहिए। जागरूकता ही आत्मविश्वास और सुरक्षित समाज की नींव है। कार्यक्रम में डॉ. रेनुका राठौड़, डॉ. ज्ञान भारती, डॉ. प्रिंसी वर्मा, डॉ. निहारिका, डॉ. सुमन ढाका, किरण मीना, दुर्गा वर्मा, दिव्या किरार सहित अन्य गणमान्य महानुभव उपस्थिति रहे ।

दिवाली मिलन समारोह आयोजित



जयपुर। सी स्कीम के एक होटल में पिंक क्लब ने दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया । थीम के मुताबिक सब महिलाये अपनी राशि के परिधानों बैंगनी , ग्रीन फिरोजी , रेड , येलो , सिल्वर आदि रंगों में सज कर आयीं और सबने दीवाली की एक दूसरे को बधाई दी । डॉ सुषमा के के ने कहा दिवाली शरीर का दीवाला निकाल देती है जबकि सहेलियों का साथ एनर्जी देता है इस अवसर पर डॉ अनीता सचदेवा ने कहा महिलाएं दुनिया जहान का ध्यान रखती हैं पर अगर वो अपने रूटीन में सिर्फ 15 मिनट अपने आपको दें तो अपने आप में बदलाव ला सकती हैं । डेली वाक करें एक्सरसाइज़ अपनी क्षमतानुसार करनी चाहिए और अपने श्रम के अनुसार ही अपनी डाइट को प्लान करें । ऐप्पल बीटरूट केरिट (एबीसी प्लान) खाएं चबाकर खायें । जूस के बजाय हर सीजनल फ्रूट खायें जिसमें फाइबर की मात्रा ज़्यादा हो । खाली पेट कुछ ना लें । सबने दिवाली से सम्बंधित गेम्स खेले ।

'एक आसमान, एक अधिकार' प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर। पक्षियों की प्राकृतिक स्वतंत्रता और हर जीव के मौलिक अधिकारों के प्रति समाज में संवेदनशीलता जगाने के उद्देश्य से 'एक आसमान, एक अधिकार' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में पिंजरे की कैद और 'सोने के पिंजरे' की प्रतीकात्मक प्रस्तुति के माध्यम से आजादी के वास्तविक मायनों को समझाने का प्रयास किया गया।प्रदर्शनी का मुख्य संदेश है कि प्रकृति ने पक्षियों को खुले आसमान में स्वतंत्र रूप से उड़ने के लिए बनाया है। उन्हें शौक के लिए पालतू बनाकर पिंजरे में कैद करना उनकी प्राकृतिक स्वतंत्रता और उड़ने के जन्मसिद्ध अधिकार को छीनने जैसा है। इंस्टालेशन के माध्यम से दर्शकों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया गया कि पक्षियों को उनकी प्राकृतिक दुनिया और खुला आसमान मिलना चाहिए।प्रदर्शनी में सोने के पिंजरे की प्रतीकात्मक प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके जरिए मानवीय जीवन के एक गहरे पहलू को दर्शाया गया। संदेश दिया गया कि भौतिक सुख-सुविधाओं और सुरक्षा से भरपूर जीवन भी एक तरह का पिंजरा बन सकता है, जहां व्यक्ति की अपनी मर्जी, आत्मिक सुकून और व्यक्तिगत आजादी छिन जाती है।

मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर पर ले जाकर कमीशन वसूलने वाले गिरफ्तार

जयपुर। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर से दिखाने के नाम पर अपने जाल में फंसाकर निजी मेडिकल स्टोर तक ले जाने और बदले में कमीशन वसूलने वाले गिरोह का सीएसटी टीम ने खुलासा किया है। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने 10 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से तीन व्यक्तियों की जांच में सही पाए जाने पर उन्हें छोड़ दिया गया, जबकि शेष सात को अग्रिम कार्रवाई के लिए एसएमएस थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने इन सातों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर को दिखाने में मदद करने का झांसा देते थे। इसके बाद उन्हें निजी मेडिकल स्टोर पर ले जाते थे और इस काम के बदले कमीशन वसूलते थे।

अखिलेश की बयानबाजी उनकी राजनीतिक घबराहट का संकेत : सुभाष चंद्र

जयपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ही उन्हें हार का डर सताने लगा है। इसी घबराहट में वे सुभासपा को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं और सीटों की फर्जी सूची वायरल कर रहे हैं।

- सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि घबराहट में वे सुभासपा को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं और सीटों की फर्जी सूची वायरल कर रहे हैं

सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि अखिलेश यादव ओमप्रकाश राजभर और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की जमीनी ताकत से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभासपा भारतीय जनता पार्टी की अहम सहयोगी पार्टी है और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी ओमप्रकाश राजभर की राजनीतिक एवं जमीनी ताकत को समझता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को सुभासपा की चिंता करने के बजाय अपने गठबंधन और सहयोगी दलों को सम्मान देने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस 181 सीटों की मांग कर रही है। ऐसे में अखिलेश यादव को पहले कांग्रेस के साथ सीटों और गठबंधन से जुड़े मुद्दों को सुलझाना चाहिए। अन्यथा आने वाले समय में कांग्रेस उनके लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन सकती है।

आजम खान के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि आजम खान जेल से बाहर हैं और जमानत पर हैं। यह पूरी तरह कानून की प्रक्रिया के तहत हुआ है। भारत छोड़कर जाने संबंधी उनके बयान पर उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां संविधान और कानून का शासन चलता है। किसी को भी कानून से ऊपर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

देवउठनी एकादशी पर सजे ठाकुरजी

जयपुर। जयनिवास बाग स्थित मंदिर गोविंद देवजी महाराज में शनिवार को देवउठनी एकादशी महोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, पंचामृत अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। श्रीमन्माध गौडेश्वराचार्य महंत मानस गोस्वामी के अनुसार मंगला झांकी से पूर्व ठाकुर श्रीजी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया।

मंगला झांकी के बाद सुबह 6:15 बजे माधव गौड़ेश्वराचार्य मानस गोस्वामी ने ठाकुर सालिग्राम जी (नारायण जी) को चांदी की चौकी पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण-पश्चिम कोने में स्थित तुलसी मंच पर लाकर पंचामृत अभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया।

अभिषेक के बाद ठाकुर सालिग्राम जी और तुलसी महारानी की आरती कर भोग अर्पित किया गया। इसके बाद दोनों की चार परिक्रमा की गईं। तत्पश्चात ठाकुर सालिग्राम जी को चांदी के रथ में विराजमान कर मंदिर की परिक्रमा कराई गई।

'ऊर्जावान, जागरूक और नशा मुक्त युवा ही राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजी'

जयपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा सामाजिक सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

- प्रदेश में 6 हजार 492 नशामुक्ति मित्र सक्रिय, 23 हजार से अधिक शैक्षिणक संस्थानों में पहुंची नशे के विरूद्ध मुहिम
- 1.45 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जागरूकता संदेश, 53 लाख से अधिक युवा शामिल

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत राजस्थान में अब तक नशामुक्ति पर 2 लाख 94 हजार 536 संकल्प लिए गए हैं। वहीं, 1 करोड़ 45 लाख 70 हजार से अधिक लोगों तक नशे के विरूद्ध जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया है। इनमें 53 लाख 66 हजार युवा तथा 35 लाख 89 हजार महिलाएं शामिल हैं। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 13 हजार 590 जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई हैं। वहीं, नशामुक्ति के संदेश को नव पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से 23 हजार 460 शैक्षिणक संस्थानों में अभियान संचालित किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जावान, जागरूक और नशा मुक्त युवा ही राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजी हैं तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राज्य सरकार युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उच्च शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से 350 से अधिक महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों में नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही, राज सवेरा कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालयों में नशामुक्ति वार्ड स्थापित किए जा रहे हैं तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, राजस्थान में 100 सप्ताह के लिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन भी संचालित है।

नशा मुक्त भारत अभियान में जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नशामुक्ति मित्रों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ये मित्र समाज में जागरूकता, नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण निर्माण तथा नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं।

पचास हजार रुपए के इनामी तस्कर सुरेन्द्र साहू गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो साल से फरार चल रहे पचास हजार रुपए के इनामी तस्कर सुरेन्द्र साहू को झारखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी को झारखंड के पलामू जिले के नक्सल प्रभावित हरिहरगंज थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। वह बालोतरा जिले के सिणधरी थाने में दर्ज 261 किलोग्राम डोडा पोस्त तस्करी के मामले में वांछित था। आरोपी ने राजस्थान सहित कई राज्यों में मादक पदार्थ तस्करी का नेटवर्क फैला रखा था।

- दो साल से फरार सुरेन्द्र साहू हरिहरगंज की तेल मिल में छिपा था


राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने तस्कर सुरेन्द्र साहू को झारखंड से गिरफ्तार किया ।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बिपिन कुमार पाण्डेय के अनुसार इस कार्रवाई के दौरान सहायक उपनिरीक्षक शंकर दयाल शर्मा और हेड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह को सूचना के आधार पर दोनों पुलिसकर्मी तीन दिन पहले ही झारखंड पहुंच गए। उन्होंने भेष बदलकर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई।

दिन दहाड़े घर के ताले तोड़े, सामान चोरी

जयपुर। शहर के जालूपुरा थाना क्षेत्र में बीते दिन एक घर में दिन दहाड़ ताले तोड़ सामान ले गए। परिवादी अब्दुल रशीद ने जालूपुरा थाना में शिकायत दर्ज कर बताया कि शादी के चलते सभी घरवाले काम से बाहर गए हुए थे ।

- शादी के चलते सभी घरवाले काम से बाहर गए हुए थे

परिवादी अब्दुल रशीद अपने घर के आस-पास ही थे । उतने में उनके घर को अकेला पाकर उन्हीं के घरवालों में से उनकी भाभी, भतीजा व 25-30 अन्य लोगों ने घर पर हमला किया व परिवादी से गाली गलोच कर बदतमीजी की। अगले हफ्ते उनके लड़के की शादी है, जिसके कारण घर में सामान और कैश भी रखा हुआ था । परिवादी ने इस मामले में शीघ्र कार्रवाई व गायब हुआ सामान की बरामदी की मांग की है।

विश्व बाल दिवस पर जयपुर में 'मिशन 47' का आगाज़

जयपुर। राजस्थान के भविष्य की तस्वीर अब बच्चे भी गढ़ेंगे। वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने की परिकल्पना को केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों तक सीमित न रखते हुए उसमें बच्चों की सोच, सुझाव और आकांक्षाओं को शामिल करने की पहल शुरू हुई है। विश्व बाल दिवस के अवसर पर जयपुर में 'मिशन 47' का आगाज हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी और सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों के साथ संवाद किया और जाना कि आने वाले वर्षों में वे अपने राजस्थान को किस रूप में देखना चाहते हैं।

- राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी और सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने बच्चों से संवाद किया

संवाद के दौरान बच्चों संजय, स्वरा सिंह जादौन और अतीक्ष चौधरी ने वर्ष 2047 के राजस्थान को लेकर अपने विचार रखे। बच्चों की कल्पनाओं और अपेक्षाओं ने इस चर्चा को एक महत्वपूर्ण सवाल से जोड़ा कि जब आज के बच्चे ही भविष्य के राजस्थान के नागरिक और नेतृत्वकर्ता होंगे तो प्रदेश के विकास की योजना बनाने में उनकी भागीदारी अभी से क्यों न सुनिश्चित की जाए। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि राजनीतिक दलों की नीतियों और एजेंडे में बच्चों को भी उचित स्थान मिलना चाहिए।

जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर बैठक

जयपुर। जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर प्रबंधन को लेकर शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन ने शनिवार को डीएलबी के कॉन्फ्रेंस हॉल में तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली। बैठक में यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

- यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान को रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए


शासन सचिव रवि जैन ने डीएलबी के कॉन्फ्रेंस हॉल में तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली।

जैन ने कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट में सभी आवश्यक तथ्यों एवं संरक्षण संबंधी कार्यों को समुचित रूप से शामिल किया जाए। साथ ही, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान () यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण अनिवार्य आवश्यकता है, जिसे रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना है। इसके लिए संबंधित अधिकारी समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

शासन सचिव ने विरासत स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक स्थलों पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद अनुभव मिलना चाहिए। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विरासत स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति का प्रभावी दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के लिए वीडियोग्राफी करवाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, विरासत क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा ऐतिहासिक स्वरूप एवं मूल विरासत संरचना को सुरक्षित रखने पर बल दिया।

बैठक में निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग प्रतीक जुईकर , आयुक्त, नगर निगम जयपुर ओम कसेरा सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी विरासत समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

देवउठनी ग्यारस पर बच्चों को केसर दूध पिलाया

जयपुर। देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर सामाजिक सरोकारों के तहत नृत्यम फाउंडेशन की ओर से शनिवार को सुल्ताननगर कच्ची बस्ती में सेवा एवं वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था की ओर से बस्ती में रहने वाले बच्चों, जरूरतमंद परिवारों और अन्य लोगों को केसर युक्त दूध, ताजे फल और मिठाइयां वितरित की गईं। त्योहार के अवसर पर मिली इन सौगातों से बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम में बस्ती के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और संस्था के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर फाउंडेशन की संस्थापक काजल सैनी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल त्योहारों पर सेवा गतिविधियां आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग के लोगों के साथ नियमित रूप से जुड़कर उनकी खुशियों में सहभागी बनना है।

बाल सुधार गृह में मोबाइल-गांजा मिलने से हड़कंप मचा

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके के सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह में मोबाइल फोन और नशे की सामग्री मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही बाल अपचारियों के बाहरी संपर्कों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 16 नवंबर को जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने बाल सुधार गृह में छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, चार्जर और गांजा बरामद हुआ था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बाल अपचारी किन लोगों के संपर्क में थे और कहीं कोई बाहरी आपराधिक नेटवर्क उनका इस्तेमाल तो नहीं कर रहा था।

- गैंगस्टरों के नेटवर्क की आशंका पर जांच
- 50 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम बाल अपचारियों के संपर्क की कर रही पड़ताल

जांच के लिए करीब 50 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम बनाई गई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि बच्चे किन-किन लोगों से बातचीत कर रहे थे और उनके संपर्क में कौन लोग हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी नाबालिगों का दुरुपयोग करते हैं। इसी को देखते हुए बाल संप्रेक्षण केंद्र में कार्रवाई की गई है। पुलिस बाल सुधार गृहों पर नजर रख रही है, ताकि कोई असामाजिक तत्व बच्चों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों के लिए नहीं कर सके।

जांच एजेंसियों के सामने आशंका है कि गैंगस्टर सोशल मीडिया, मोबाइल फोन और अपने गुर्गों के माध्यम से कम उम्र के युवाओं से संपर्क बनाते हैं। लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा जैसे गैंगस्टरों के नेटवर्क में नाबालिगों को जोड़ने और उनका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करने की आशंका को भी पुलिस गंभीरता से देख रही है।

ARBiT
it happens here...



It is National Cranberry Relish Day!

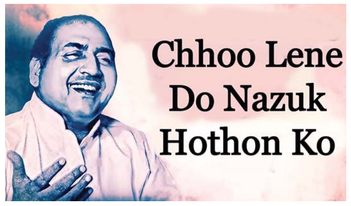
National Cranberry Relish Day, celebrated every November 22, is a delightful occasion that honours one of America's favourite Thanksgiving condiments: cranberry relish. This day shines a spotlight on the tangy, spicy relish, offering a tasty twist to the holiday season. People are encouraged to explore and share their unique cranberry relish recipes, turning an ordinary meal into something extraordinary. The significance of this day lies in its celebration of cranberry relish, a dish that adds a pop of colour and flavour to Thanksgiving tables. Originating from the early 1900s in New England, cranberry relish has become a staple in American Thanksgiving dinners. The relish stands out for its unique combination of tart cranberries and spicy horseradish.

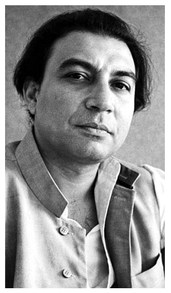
राष्ट्रदूत
SUNDAY
22 November 2026
A-B

#THE SONG

From Two Shers To A Complete Song

The result was "Jama Hai Ye Chhoo Lene Do Nazuk Hothon Ko," a song that went beyond the requirements of the original scene and acquired a life of its own







Some songs become unforgettable because of their melody. Others stay with listeners because of the emotion in a singer's voice. "Chhoo Lene Do Nazuk Hothon Ko," rendered by the legendary Mohammed Rafi, belongs to both categories. But the story behind the song is just as fascinating as the song itself.

The song was not originally planned as a complete romantic number. It reportedly began with a much smaller requirement on the sets of the film. Director Ram Maheshwari wanted only two lines of shayari for a particular scene in which Raj Kumar offers alcohol to Meena Kumari.

For the scene, lyricist Sahir Ludhianvi was approached to provide the required poetry. Sahir came up with beautiful lines, but something about those lines changed the direction of the sequence. What was supposed to remain a couple of lines of dialogue suddenly began to look like the foundation of a song.

Meanwhile, music director Ravi was preparing a background tune for the scene. The requirement, however, had now changed. Instead of merely using two lines of poetry, there was a demand for a complete song.

There was another complication. Raj Kumar's screen persona did not naturally lend itself to a conventional romantic song. The makers therefore decided to keep the composition restrained. The condition was simple: take the two shers and build the song around them, without making it an elaborate romantic number. Then came the recording.

Mohammed Rafi was standing at the microphone on the day of the recording. When he began singing, everyone in the studio was reportedly struck by the emotion in his voice. There was tenderness, but there was also an unmistakable sense of pain. Rafi had transformed what had begun as a few lines of poetry into something far more emotionally expansive.

When the recording ended, those present gathered around him. Their reaction was that the piece should not remain limited to the original two shers. It deserved to be heard as a complete song.

There was, however, a practical problem. Sahir Ludhianvi could not be located at that moment. With the lyricist unavailable, the song took an unusual turn, with the available material being carried forward in Rafi's own expressive style.

The result was "Jama Hai Ye Chhoo Lene Do Nazuk Hothon Ko," a song that went beyond the requirements of the original scene and acquired a life of its own.

The irony surrounding the song is equally striking. The performance revolves around an atmosphere of intoxication and alcohol, yet, Rafi Sahab himself was known for never consuming alcohol. His ability to convey the mood without personally indulging in it reflected one of the defining qualities of his artistry: he could inhabit emotions entirely through his voice.

What began as a request for two shers ultimately became a song remembered for its romance, restraint and underlying melancholy. And once again, Mohammed Rafi demonstrated why his voice could turn even a seemingly small cinematic moment into something timeless.







The lanes I once ran through are lined with padlocks now. The houses are painted, the kund is full, the chulha is ready. Only the people are missing.



The Habit of Enough

PART:2

#THE VILLAGE REMEMBERS





Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

Today, the village has electricity. Every house has a meter on its wall.

Many of them also have a padlock.

The Lanes That Kept Quiet

The next morning I walked through the lanes, the same lanes where we used to chase each other.

The first thing I noticed was the locks. Big iron padlocks, on door after door. I started counting without meaning to, and then stopped, because it was easier to count the doors that were open. By my count, on that walk, roughly one house in four still had people living in it.

Some of the locked houses were freshly painted, a bright blue that looked almost too cheerful for the silence around it. Somebody had come all the way from Mumbai or Delhi or Noida, got the house painted, locked it again and gone back. People in Leelki still build houses. New ones too, white and square, out in the fields along the road. They just don't live in them.

One old house with kangura battlements along its roof had dry grass growing between its gateposts, taller than a child. Further down, two elephants painted over a blue door, each with a mahout on its back, still raised their trunks, as if a baraat was expected any moment. Sand had drifted up to the step. The dunes, it seems, are still allowed into the village. It is the people who stay away.

I stood outside one of the houses where I had once marched in and demanded food. It was locked too.

Whenever I visited my village, after settling in, my first stop would always be the small village shop. That shop really showed me the power of a two-rupee or ten-rupee note. I would buy kanchas, 100 for 10 rupees, much to the delight of my village friends, or orange sweet golis, small toys, local namkeen, anything that caught my fancy. These days, the shop sells Maggi, Bikaji or Haldiram's namkeen and everything else that you can find in a Jaipur kirana... Now, even a hundred-rupee note is ordinary.

Some things have changed at the chaupal too. There are fewer old men sitting and talking now. The few who are left scroll through reels on their phones. There is nobody else to talk to.

The Kund Today

The kund in our house is still there, with its heavy lid and its small dark mouth. And the bucket still goes in. No motor, no pump, no switch. Just a rope, a bucket and a pair of hands.

In a country that now gets its groceries delivered in ten minutes, this one thing in our courtyard refuses to hurry. It gives water at the speed of a rope.

I am not going to romanticise it. Ask the women who still pull that rope every day whether they would like a motor, and they will probably say yes, and ask why you have not bought them one yet.

The kund still fills up and still holds the water for the summers, faithfully. There are just far fewer hands on the rope now.

If anything in Leelki deserves a medal for waiting, it is the kund.

The Chulha in Our Courtyard

In the courtyard of our own house, the chulha is still there. It sits on a raised platform, round and grey, with old ash inside it. A few dry sticks lean in the corner. On the wall above it runs a long black streak of soot, laid down by years and years of smoke.

I ran my finger over it. It came away black.

I tried to picture the fire in it again, Janki dadi bent over the degchi, the smoke that stayed in my hair till the next morning. It was easier than I expected.

It is lit only on special occasions now. Many families in Leelki still cook on chulhas, and not because they are sentimental. Gas cylinders are expensive and dry wood from the jungle costs nothing. For the village, the chulha is not nostalgia. It is necessity.

But ours does not burn for necessity anymore. It waits for the family to come home. It waits, like everything else here.

The Ones Who Stayed

Not everyone has left, of course. From a rooftop, I watched a woman in a red odhni moving about her courtyard, past a small fenced patch of vegetables and a neat stack of drying dung cakes, doing the hundred small things that keep a house alive. Some families have opened poultry farms. Someone has planted jangli jalebi trees, which tells you they intend to be around long enough to eat the fruit.

And the jaanti trees are still everywhere, green and stubborn, feeding the goats and asking for nothing. The trees never left.

The ones who stayed are not sentimental about it. They have cattle to feed, fields to plough, rain to wait for. They do not have time to miss anybody. But they keep an eye on the locked houses all the same. They know whose house is whose, whose son is in which city, and whose daughter has not visited in three years. A village does not need CCTV. It has neighbours.

They are also the ones who unlock a house when a family suddenly calls from Mumbai to say they are coming, who sweep out the sand, air the rooms and light the chulha so that the house smells lived-in again by the time the car arrives.

The relatives I met, who stayed, seemed happy to me. They grow their own food, plough their own small fields and walk through the village as if they own it, because they do.

Three times a year, the PM Kisan money lands in their accounts, two thousand rupees at a time. Six thousand rupees a year. They talk about it the way people once talked about a money order from a son in the army, with real gladness.

And I understand why. In the village, the bajra comes from their own field, the milk from their own cow, the ghee from their own churning. Money is for the few things the land cannot give. In the city, nothing comes from anywhere except a shop. The vegetables, the milk, the water, the petrol to go and buy them. Every single day, before I have done anything at all, the city has already sent me a bill.

There have been times when I have earned more than six thousand in a week and complained that it was not enough. They know how to be grateful for what comes. I am still learning.

Yes, I know it is very easy to admire the simple life through the window of a car that is going back to Jaipur.

Somewhere between Leelki and Jaipur, we lost the habit of enough.

Maybe, that is the real difference between the ones who stayed and the ones who left. The ones who stayed made peace with what the land could give. The ones who left could not, or would not. I am not sure which of them is wiser. I only know that the ones who stayed seemed lighter to me than the ones who left, me included.

Where They All Went

I asked about the children I had played with. Their names came back slowly, one by one, each followed by a city. Mumbai. Delhi. Noida. Many of the boys work in logistics now, in trucking, in packers and movers, packing up other people's homes and carrying them safely across cities to a new address. Some have become soldiers, keeping the whole country safe, far from home.

Their own homes stay here, behind a padlock.

They do come back. For a wedding, for a death, for a vote. For a few days, the lanes fill up again and the village remembers what it used to sound like. Then, the cars take the lovely new roads back to the cities.

And the ones who left are not villains in this story. They send money home. They paint the houses. They miss it too, in their small flats with their balconies full of potted plants, trying to grow a little bit of the village on the fourteenth floor.

A few days after I came back to Jaipur, I called a man to clean my house. He said that he had just returned from his village, where he had gone to vote. I asked him if his village also had padlocks.

'Kya karein didi,' he said. 'Pet ke liye sheher jana hi padta hai.'

So, it is not just Leelki. It is every village that ever sent its sons to feed a city.

I could not blame them. A village can feed a visiting child with love. Feeding a family for a lifetime needs rain, and in Leelki, the rain has never been in a hurry.

The Keys in the Drawer

If you belong to a village, you probably have a key like this somewhere. Big, old, heavier than any key in your city flat. It lives in a drawer, or on a nail behind a door, and you hardly ever use it. But you have never thrown it away either.

That key is the village too. It is the promise we keep making and keep postponing. Next summer. After the children's exams. Once things settle down. Things never settle down. The key stays in the drawer. And somewhere, a padlock waits for it.

> If you belong to a village, you probably have a key like this somewhere. Big, old, heavier than any key in your city flat. It lives in a drawer, or on a nail behind a door, and you hardly ever use it. But you have never thrown it away either. That key is the village too. It is the promise we keep making and keep postponing. Next summer. After the children's exams. Once things settle down. Things never settle down. The key stays in the drawer. And somewhere, a padlock waits for it.

Those who stayed are not sentimental about it. They have cattle to feed, fields to plough, rain to wait for. They do not have time to miss anybody. But they keep an eye on the locked houses all the same. They know whose house is whose, whose son is in which city, and whose daughter has not visited in three years. A village does not need CCTV. It has neighbours.

They are also the ones who unlock a house when a family suddenly calls from Mumbai to say they are coming, who sweep out the sand, air the rooms and light the chulha so that the house smells lived-in again by the time the car arrives.

The relatives I met, who stayed, seemed happy to me. They grow their own food, plough their own small fields and walk through the village as if they own it, because they do.

Three times a year, the PM Kisan money lands in their accounts, two thousand rupees at a time. Six thousand rupees a year. They talk about it the way people once talked about a money order from a son in the army, with real gladness.

And I understand why. In the village, the bajra comes from their own field, the milk from their own cow, the ghee from their own churning. Money is for the few things the land cannot give. In the city, nothing comes from anywhere except a shop. The vegetables, the milk, the water, the petrol to go and buy them. Every single day, before I have done anything at all, the city has already sent me a bill.

There have been times when I have earned more than six thousand in a week and complained that it was not enough. They know how to be grateful for what comes. I am still learning.

Yes, I know it is very easy to admire the simple life through the window of a car that is going back to Jaipur.

Somewhere between Leelki and Jaipur, we lost the habit of enough.

Maybe, that is the real difference between the ones who stayed and the ones who left. The ones who stayed made peace with what the land could give. The ones who left could not, or would not. I am not sure which of them is wiser. I only know that the ones who stayed seemed lighter to me than the ones who left, me included.

Where They All Went

I asked about the children I had played with. Their names came back slowly, one by one, each followed by a city. Mumbai. Delhi. Noida. Many of the boys work in logistics now, in trucking, in packers and movers, packing up other people's homes and carrying them safely across cities to a new address. Some have become soldiers, keeping the whole country safe, far from home.

Their own homes stay here, behind a padlock.

They do come back. For a wedding, for a death, for a vote. For a few days, the lanes fill up again and the village remembers what it used to sound like. Then, the cars take the lovely new roads back to the cities.

And the ones who left are not villains in this story. They send money home. They paint the houses. They miss it too, in their small flats with their balconies full of potted plants, trying to grow a little bit of the village on the fourteenth floor.

A few days after I came back to Jaipur, I called a man to clean my house. He said that he had just returned from his village, where he had gone to vote. I asked him if his village also had padlocks.

'Kya karein didi,' he said. 'Pet ke liye sheher jana hi padta hai.'

So, it is not just Leelki. It is every village that ever sent its sons to feed a city.

I could not blame them. A village can feed a visiting child with love. Feeding a family for a lifetime needs rain, and in Leelki, the rain has never been in a hurry.

The Keys in the Drawer

If you belong to a village, you probably have a key like this somewhere. Big, old, heavier than any key in your city flat. It lives in a drawer, or on a nail behind a door, and you hardly ever use it. But you have never thrown it away either.

That key is the village too. It is the promise we keep making and keep postponing. Next summer. After the children's exams. Once things settle down.

Things never settle down. The key stays in the drawer. And somewhere, a padlock waits for it.

We have a whole bunch of them. Every six months, at Navratri, we go and open the house, and politely ask the sand, which has occupied it in our absence despite the rubber stoppers under the doors, to leave. When we go, the furniture, the beds and the dining table are all covered with cloth to keep them clean till the next time. And the sand laughs.

What the Village Remembers

The strangest thing about the village is not how much it has changed. It is how much it remembers. I may have become a stranger to the lanes, but the lanes have not become strangers to me. Old women I could not name knew my name. They knew which year I had come last, what I had eaten, and how much. They asked after my daughter as if they had seen her yesterday. The city forgets you the moment you change your phone number. The village keeps your file open forever.

Patli Ho Gayi

One evening, one of my kakas came over to our house. He is a man of generous proportions. He stood in the courtyard, looked me up and down with great seriousness and shook his head.

'Cheenu to patli ho gayi,' he announced. 'Bachchi si lag rahi hai.'

I did not have the heart to point out that he was hardly the person to judge anyone's weight. In Leelki, elders are allowed to comment, and children are expected to eat more.

Somewhere in the city, I am a mother, a writer, a woman with deadlines. In Leelki, I am still Cheenu Baisa, still a child who needs feeding.

The village has grown old. It just hasn't noticed that I have too.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

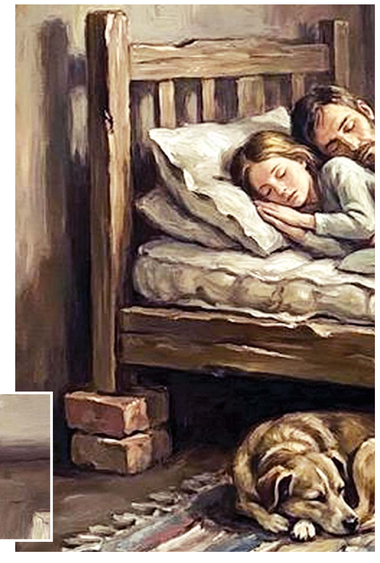


#TRUTH

What is happiness?

Happiness is being grateful, finding comfort in what you have, seeing light despite cracks, and letting go of sorrow over things beyond your control





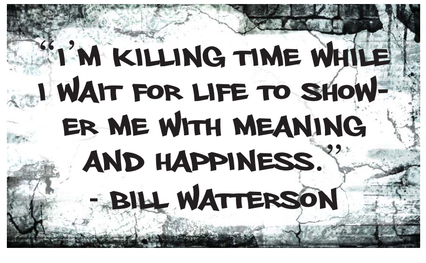
A famous Turkish poet once asked his painter friend to capture happiness on canvas. The painter chose an unexpected scene: a family sleeping peacefully on a creaking bed. One leg of the bed was broken, supported by two bricks. The roof of their modest home leaked. Even, the family dog slept calmly beside them.

That painting became immortal because it revealed a powerful truth: happiness is not the absence of problems. It is the ability to rest your heart even when life is imperfect. It is acceptance, gratitude, and inner peace amid uncertainty.

Happiness is being grateful, finding comfort in what you have, seeing light despite cracks, and letting go of sorrow over things beyond your control. Whenever your heart feels heavy, remember this painting.

Be content, be grateful, and stay blessed forever.

THE WALL



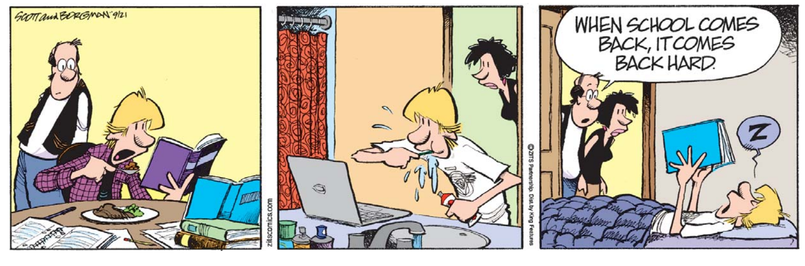
BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



खेतड़ी के ककराय गांव के तालाब में चार दिन से लापता युवक का शव मिला

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के ककराय गांव स्थित तालाब में शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव तैरता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मान्दरी निवासी 28 वर्षीय केसर मेघवाल पुत्र सुभाष चन्द्र के रूप में हुई है। युवक पिछले चार दिनों से

- **आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर धरना देकर मामले की जांच करवाने की मांग की**
- **मृतक केसर मेघवाल पिछले करीब दो वर्षों से वन विभाग में वाचमैन के पद पर कार्यरत था**



युवक का शव मिलने के बाद ककराय गांव के तालाब के पास ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।



मृतक केसर मेघवाल

घर से लापता था। तालाब में शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। वहीं, युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह ककराय गांव के ग्रामीणों ने तालाब में एक युवक का शव तैरते हुए देखा। इसकी सूचना तत्काल खेतड़ी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया गया तथा खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक केसर मेघवाल पिछले करीब दो वर्षों से वन विभाग में वाचमैन के पद पर कार्यरत था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अविवाहित था। उसके पिता की काफी समय पहले मृत्यु हो चुकी है। बताया जा रहा है कि केसर पिछले चार दिनों से घर से लापता था। ऐसे में उसका शव गांव से दूर ककराय के तालाब में मिलने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। युवक तालाब तक किन परिस्थितियों में पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। युवक का शव मिलने के बाद परिजनों ने उसकी मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल के बाहर करीब एक घंटे तक धरना देकर मामले की गंभीरता से जांच करवाने की मांग की।

इस दौरान खेतड़ी सीआई बुद्धि प्रसाद ने परिजनों से समझाइश की और नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद परिजन मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने पर सहमत हुए। सीआई बुद्धि प्रसाद ने बताया कि परिजनों की ओर से रिपोर्ट दिए जाने पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। चार दिन से लापता युवक का शव तालाब में मिलने और परिजनों की ओर से हत्या की आशंका जताए जाने के बाद क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है।

नाबालिग से यौन शोषण मामले में दस आरोपी गिरफ्तार

बताया जा रहा है कि 16 साल की नाबालिग से अलग-अलग होटलों में यौन शोषण किया गया है

कोटा, (निसं)। शहर के एक थाना इलाके में 16 साल की नाबालिग से अलग-अलग होटलों में यौन शोषण का मामला सामने आया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि नाबालिग को डरा-धमका कर अलग-अलग होटलों में भेजा जाता था, जहां उसका यौन शौषण कराया जाता था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि शहर के एक थाने मे नाबालिग को डरा-धमकाकर

- **मामले में एएसपी चंचल मिश्रा के नेतृत्व में एसआईटी टीम जांच कर रही है**

अलग-अलग होटलों में भेजकर यौन शोषण का मामला सामने आया। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान होटल में इस्तेमाल किये गये आधार कार्ड में नाबालिग की उम्र 18 वर्ष दिखाते हुए बालिग बताया है। उसकी भी जांच की जा रही है कि आधार कार्ड फर्जी तो नहीं है। शहर एसपी ने बताया कि मामले मे महिला अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। मामले में एएसपी चंचल मिश्रा के नेतृत्व में एसआईटी टीम पूरे मामले की जांच कर रही है कि मामले में और कितने लोग शामिल हैं। वहीं 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चूका है एवं फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

निवेश के नाम पर 11.55 लाख रुपये की ठगी का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान स्थित श्रीराम नगर में फॉरेक्स निवेश के नाम पर 11.55 लाख की ठगी का प्रकरण पुलिस में दर्ज हुआ है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने परिचितों और रिश्तेदारों से निवेश करवाकर कुल 11 लाख 55 हजार रुपये की राशि हड़प कर ली। पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर अब केस दर्ज किया है।

- **पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर अब केस दर्ज किया, जांच शुरु**

माता का थान पुलिस ने बताया कि कृष्णा नगर श्रीराम नगर निवासी वैभव अरोड़ा पुत्र आनंद प्रकाश ने परिवाद में बताया कि 31 अगस्त 2025 को उसके मित्र प्रदीप सिंह भाटी ने उसकी मुलाकात जितेंद्र जांगिड़ से करवाई थी। आरोप है कि जितेंद्र ने खुद को फॉरेक्स म्यूचुअल फंड का काम करने वाला बताते हुए निवेश पर 5 से 12 प्रतिशत तक लाभांश देने का भरोसा दिलाया। साथ ही निवेश की मूल राशि वापस मिलने और किसी प्रकार का जोखिम नहीं होने की बात कही। परिवादी के अनुसार, शुरुआत में उसने अपनी पत्नी प्रेमलता अरोड़ा के नाम से 10 हजार रुपये का निवेश करवाया। इस पर लाभांश मिलने के बाद उसे आरोपी की बातों पर विश्वास हो गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में परिवादी ने अपने पिता आनंद प्रकाश अरोड़ा के 20 हजार रुपए, माता अनुराधा अरोड़ा के 5 लाख रुपए तथा परिचित की दादी पवन देवी के 50 हजार रुपये निवेश करवाए। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने विश्वास कायम करने के लिए 3 प्रतिशत लाभांश भी दिया।

परिवाद में बताया गया कि इसके बाद आरोपी ने परिवादी से संपर्क कर नई निवेश योजना आने और अधिक लाभांश व बोनस मिलने का भरोसा दिलाया। इसके चलते दुर्जन सिंह, शुभम रावल की बहन राधा रावल, महावीर सिंह, जगदीश इंदा, ट्विंकल सोनी, लक्ष्मी देवी, ओम सिंह, अनिता कंवर और विजयश्री सहित कई परिचितों के नाम से भी रकम निवेश करवाई गई।

परिवादी का आरोप है कि इस तरह उसने अपने रिश्तेदारों और परिचितों से कुल 11 लाख 55 हजार रुपए निवेश करवाए। शुरुआत में अच्छा लाभांश देने का भरोसा दिलाया गया, लेकिन बाद में किसी भी निवेशक को लाभांश नहीं दिया गया और न ही मूल निवेश राशि लौटाई गई। रिपोर्ट के अनुसार जब परिवादी ने आरोपी से सभी निवेशकों की मूल रकम और लाभांश वापस मांगा तो वह लगातार टालमटोल करने लगा। अधिक तकाजा करने पर आरोपी के अपने निवास स्थान से कहीं अन्यत्र चले जाने और फोन पर संपर्क नहीं होने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने पहले माता का थान थाने में शिकायत दी। इसके बाद 2 अप्रैल 2026 को पुलिस आयुक्तलय जोधपुर को भी परिवाद भेजा, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय में परिवाद पेश किया।

इलाज के नाम पर बालक को गर्म सरियों से दागा, दर्द सहन नहीं हुआ तो घर से भागा

प्रकरण में आरपीएफ को एक बालक रेलवे स्टेशन पर अकेला मिला

जोधपुर, (कासं)। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के इस दौर में जहां बेहतर उपचार के लिए एम्स जैसे विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान उपलब्ध हैं, वहीं आज भी अंधविश्वास, अशिक्षा और जागरूकता के अभाव में मासूम बच्चों को अमानवीय यातनाओं से गुजरना पड़ रहा है। इलाज के नाम पर गर्म लोहे की सरियों से बच्चों को दागने की ऐसी ही एक हृदयविदारक घटना जिले में सामने आई है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर जिले के पश्चिम थाना क्षेत्र बोरानाडा से संबंधित इस प्रकरण में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को एक बालक रेलवे स्टेशन पर अकेला मिला। पूछताछ के दौरान बालक की स्थिति और व्यवहार संदिग्ध एवं असहज प्रतीत होने पर आरपीएफ ने नियमानुसार उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। बालक

- **बालक ने बताया कि इलाज के नाम पर उसके संरक्षक द्वारा उसे एक भोपा के पास ले जाया गया, जहां गर्म लोहे की सरियों से उसके शरीर पर डाम दिए गए**

बेहद डरा-सहमा और बीमार अवस्था में था। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाल कल्याण समिति ने तत्काल बालक को संरक्षण में लेकर किशोर गृह में प्रवेशित करवाया तथा बेहतर चिकित्सा उपचार और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग के निर्देश दिए। बालक की काउंसलिंग के दौरान जो तथ्य सामने आए, वे बेहद पीड़ादायक थे। बालक ने बताया कि इलाज के नाम पर उसके संरक्षक द्वारा उसे एक भोपा के पास ले जाया गया, जहां गर्म लोहे की सरियों से उसके शरीर पर डाम दिए गए। इस अमानवीय प्रक्रिया के दौरान बालक को असहनीय शारीरिक पीड़ा से गुजरना पड़ा। लगातार प्रताड़ना और दर्द से परेशान होकर बालक घर से पलायन कर गया और रेलवे स्टेशन पहुंच गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष विक्रम चेतन सरगरा ने तत्काल संज्ञान लिया। समिति द्वारा संबंधित थाने को प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। बालक का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार एवं काउंसलिंग जारी है। वर्तमान में बालक की स्थिति में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है।

समिति के अध्यक्ष विक्रम चेतन सरगरा ने कहा कि बच्चों के साथ इस प्रकार की अमानवीय घटनाएं किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं। अंधविश्वास के नाम पर बच्चों को शारीरिक पीड़ा देना उनके अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। बच्चों के उपचार के लिए हमेशा वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय पद्धित अपनाई जानी चाहिए। समाज में जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि कोई भी बच्चा ऐसी प्रताडना का शिकार न हो।

सरगरा ने कहा अंधविश्वास के नाम पर बच्चों को यातना देना इलाज नहीं, बल्कि उनके बचपन और अधिकारों पर क्रूर प्रहार है। समाज को जागरूक होना होगा, ताकि किसी भी मासूम को इस तरह की पीड़ा से न गुजरना पड़े। घटनाक्रम को लेकर बोरानाडा थाने में अज्ञात भोपे के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

डूंगरपुर में दो बाइक की टक्कर में एक युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में भंडारिया घाटा के पास लाल कोठी रिसोर्ट के नजदीक दो बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में जगदीश भणात की मौत हो गई, जबकि उनका साथी कपिल गंभीर रूप से घायल हो गया। कोतवाली थाने के एएसआई नारायण लाल ने बताया कि पालबडा निवासी दानमल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक उनके पोते जगदीश अपने मित्र कपिल के साथ बाइक से पाडली गांव गए थे। दोनों लौटकर अपने गांव पालबड़ा जा रहे थे। भंडारिया घाटा में लाल कोठी रिसोर्ट के पास सामने से गलत दिशा में आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। रिपोर्ट में बाइक सवार पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप है। 108 एंबुलेंस से दोनों घायलों को डूंगरपुर के सामान्य अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जगदीश को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल कपिल को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

बूंदी के गोहाटा में जमीन विवाद ने दो सगे भाइयों की जान ली

बूंदी, (निसं)। दईखेड़ा थाना क्षेत्र के गोहाटा गांव में जमीन के विवाद ने दो सगे भाइयों की जान ले ली। गुरुवार शाम भूमि विवाद को लेकर सगे काका और उसके बेटे पर धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप है। हमले में गंभीर घायल छोटे भाई हरिप्रसाद की गुरुवार शाम को ही मौत हो गई थी, जबकि बड़े भाई रामप्रसाद ने शुक्रवार शाम को कोटा के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दो भाइयों की मौत से गांव में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया।

लाखेरी डीएसपी नरेंद्र नागर ने बताया कि गुरुवार शाम गोहाटा गांव में जमीन को लेकर परिवार के दो पक्षों में विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान रामकंवर मीणा ने अपने बेटे बबलू के साथ मिलकर अपने भतीजों हरिप्रसाद और रामप्रसाद पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए कोटा ले जाया गया, जहां हरिप्रसाद ने गुरुवार शाम दम तोड़ दिया। गंभीर हालत में भर्ती रामप्रसाद की भी शुक्रवार शाम उपचार के दौरान मौत हो गई।दो बेटों को खोने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, घटना के बाद से गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। वारदात के बाद से मुख्य आरोपी रामकंवर मीणा और उसका बेटा बबलू फरार बताए जा रहे हैं।

दोनों भाइयों की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मेगा हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। कई घंटों तक चले प्रदर्शन के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

डिवाइडर पर चढ़ी कार, पीछे से आए कंटेनर ने चालक को कुचला

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा फ्लाईओवर से दिल्ली की तरफ जाते समय एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्विफ्ट डिजायर कार चालक की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार चालक द्वारा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और दरवाजा खुलने से चालक सड़क पर नीचे गिर गया। तभी पीछे से तेज गति में आ रहे कंटेनर ने चालक को अपनी चपेट में लेते हुए कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में मृतक की पहचान मोहम्मद साजिद अंसारी (34) निवासी वदवा, अहमदाबाद (गुजरात) के रूप में हुई है।

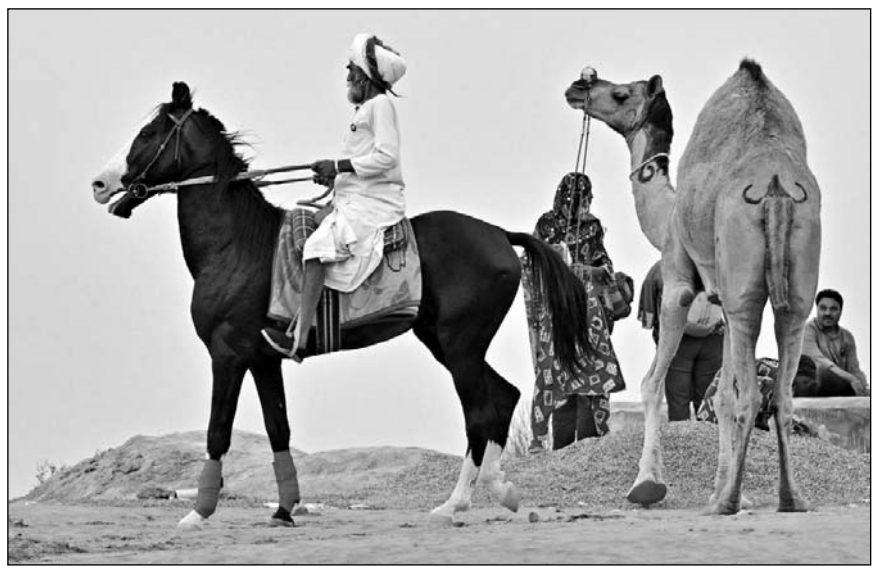
- **एनएच-48 पर भीषण सड़क हादसा हुआ, कार का दरवाजा खुलने से चालक नीचे गिरा**

बताया जा रहा है कि कार में उसके साथ एक अन्य व्यक्ति भी सवार था, जो इस हादसे में सुरक्षित बच गया। घटना के दौरान अचानक फाटक खुलने से चालक अचानक नीचे गिरा और पीछे से आ रहे कंटेनर की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि स्विफ्ट डिजायर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। अचानक हुई घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटनास्थल की ओर दौड़कर राहत एवं बचाव के प्रयास किए। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया व शव को उपजिला अस्पताल पावटा की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मृतक की पहचान संबंधी जानकारी जुटाई तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू की। वहीं क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया गया।

मंदिर की दानपेटी तोड़कर हजारों की नगदी उड़ाई

लालसोट, (निसं)। लालसोट क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब भगवान के दरबार भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। बेखौफ चोरों ने वार्ड 32 की पहाड़ियों की तलहटी में स्थित प्राचीन पंचेश्वर नाथ महादेव मंदिर को निशाना बनाते हुए दानपेटी तोड़कर हजारों रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मंदिर में हुई इस चोरी की वारदात से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मंदिर के संत के अनुसार, वे बीती रात किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंदिर से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने मंदिर में सुनसान माहौल का फायदा उठाया और दानपेटी को तोड़कर उसमें रखी करीब 50 से 60 हजार रुपए की नकदी चोरी कर फरार हो गए। सुबह मंदिर में चोरी की जानकारी सामने आने पर हड़कंप मच गया। जिस मंदिर में श्रद्धालु श्रद्धा से अपनी मेहनत की कमाई दान करते हैं, उसी दानराशि पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इस घटना ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मंदिर में हुई चोरी की वारदात को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की जाए।



विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला अपने अनूठे रंगों के साथ इन दिनों पर्यटकों के लिये आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक, श्रद्धालु और पशुपालक पहुंच रहे हैं। पुष्कर की रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट, घोड़े की गूंज यहां आने वाले पर्यटकों को राजस्थान की संस्कृति से रूबरू करा रही है।

महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के गुमानपुरा गांव में खेत में गेहूं की बुवाई के लिए पानी दे रही महिला किसान ममता अहारी की अचानक बेहोश होकर गिरने से मौत हो गई। वह घर के पास खेत में पानी लगा रही थी। इसी दौरान अचानक गीली मिट्टी में औंधे मुंह गिर पड़ी। परिजन उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

सदर थाने के एएसआई बंशीलाल ने बताया कि ममता का पति दिनेश अहारी मजदूरी के लिए रतनावाडा गया हुआ था। इस दौरान ममता घर के पास खेत में गेहूं की बुवाई के लिए पानी देने गई थी। तभी दिनेश के पिता भेमजी ने फोन कर उसे बताया कि ममता खेत में पानी देते समय अचानक गिरकर बेहोश हो गई है। सूचना मिलने पर दिनेश घर पहुंचा तो ममता खेत में गीली मिट्टी के बीच औंधे मुंह पड़ी हुई थी। परिजन उसे खेत से उठाकर घर ले गए। इसके बाद निजी वाहन से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने स्वास्थ्य जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

बाइक का संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिरा युवक, अस्पताल में मौत

सामने से आ रहे चौपहिया वाहन की तेज रोशनी बाइक चालक की आंखों में पड़ने से हादसा हुआ

अलवर, (निसं)। शादी समारोह से घर लौट रहे दो भाइयों की खुशियां शुक्रवार रात मातम में बदल गईं। लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के झालाटाला गांव के पास सड़क किनारे बने करीब 90 फुट गहरे खुले कुएं में गिरने से 26 वर्षीय हरवीर प्रजापत की मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर उसे कुएं से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, इमलाली गांव निवासी हरवीर अपने भाई महावीर के साथ बाइक पर सवार होकर शादी समारोह से घर लौट रहा था। रात करीब 10 बजे झालाटाला गांव के पास सामने से आ रहे चौपहिया वाहन की तेज रोशनी बाइक चालक की आंखों में पड़ी। इससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों भाई सड़क पर गिर गए। इस दौरान हरवीर उछलकर सड़क किनारे बने करीब 90 फुट गहरे खुले कुएं में जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद हरवीर को कुएं से बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। हरवीर टाइल लगाने का काम करता था और एक साल की बेटी का पिता था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। शादी समारोह से लौटते समय हुए इस हादसे ने पूरे गांव को झकझोर दिया।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत : - अलवर में एक 30 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान थानागाजी निवासी धोलाराम पुत्र गंगाराम के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, धोलाराम खेती-बाड़ी का काम करता था और घटना के समय शराब के नशे में था। इसी दौरान उसके जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस की ओर से सुबह पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल जहरीला पदार्थ खाने की आशंका के बीच पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चार बूथों पर पुनर्मतदान आज

बूंदी, (निसं)। जिले के चार बूथों पर होने वाले पुनर्मतदान की तैयारियों को लेकर शनिवार को मतदान दलों को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न कराने के आवश्यक निर्देश दिए गए।

दक्ष प्रशिक्षक चंद्र प्रकाश राठौर ने सभी मतदान दलों को ईवीएम के संचालन और संपूर्ण मतदान प्रक्रिया की अवगत कराया। उन्होंने मतदान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर जोर देते हुए कहा कि मतदान के समय मतदाताओं के बाएं हाथ की मध्यमा (बीच की अंगुली) पर अमिट स्याही का निशान लगाया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत सभी मतदान दलों को निर्देशित किया गया कि वे मतदान सामग्री प्राप्त करने के बाद उसका भली-भांति मिलान व जांच कर लें, और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही अपने-अपने गंतव्य केंद्रों के लिए प्रस्थान करें। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चारों बूथों पर रविवार 22 नवंबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान संपन्न कराया जाएगा।

स्कॉर्पियो सवार युवकों ने बाइक को टक्कर मारी, दो जने घायल

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में शुक्रवार देर रात स्कॉर्पियो सवार दो युवकों की स्टंटबाजी ने सड़क पर कहर बरपा दिया। तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो को लहराते हुए दौड़ा रहे युवकों ने राजपुर घाटी में सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। इसके बावजूद स्कॉर्पियों सवार युवक नहीं रुके और करीब एक किलोमीटर तक शहर के बीच गाड़ी को तेज रफ्तार में दौड़ाते रहे। आखिरकार पुरानी जेल के पास स्कॉर्पियो डिवाइडर पर बने गमले से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार दोनों युवक भी घायल हो गए। चारों घायलों को डूंगरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात स्कॉर्पियो सवार दो युवक रेलवे स्टेशन रोड से तेज रफ्तार में गाड़ी को लहराते हुए निकले। इस दौरान वे सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों को लगातार कट मारते रहे। उनकी लापरवाही के चलते कई वाहन स्कॉर्पियो की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। इसी दौरान राजपुर घाटी में सामने से आ रही बाइक को गलत दिशा में जाकर टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। इसके बावजूद स्कॉर्पियो सवार युवकों ने गाड़ी नहीं रोकी। वे पहले की तरह ही तेज रफ्तार में स्कॉर्पियो को लहराते हुए कलेक्ट्री की ओर दौड़ाते रहे। इस दौरान शहर की सड़कों पर चल रहे कई अन्य वाहन भी उनकी चपेट में आने से बच गए।

रेलवे स्टेशन रोड से शुरू हुई स्टंटबाजी का अंत पुरानी जेल के पास हुआ। कलेक्ट्री से आगे बढ़ने के बाद तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सडक के बीच डिवाइडर पर बने गमले से जा टकराई। टक्कर के बाद गाड़ी दूसरी लेन में सामने से आ रहे एक अन्य वाहन से टकराने से भी बाल.बाल बची। इस हादसे में स्कॉर्पियो सवार दोनों युवक भी घायल हो गए। हादसे में घायल बाइक सवारों की पहचान गणेश पुत्र प्रताप पाटीदार निवासी पादरा और रमेश पुत्र कालिया पाटीदार निवासी नौगामा के रूप में हुई है। दोनों जयपुर जाने के लिए बाइक से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। इसी दौरान राजपुर घाटी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें टक्कर मार दी। वहीं, स्कॉर्पियो में सवार दोनों युवकों की पहचान विनोद और यशवंत निवासी सुरता के रूप में बताई जा रही है। हादसे के बाद चारों घायलों को डूंगरपुर अस्पताल पहुंचाया गया।

बानसूर में शोकसभा के दौरान सिलेण्डर लीकेज से भड़की आग, 21 लोग झुलसे

बताया जा रहा हैं कि गैस सिलेंडर के पास में ही एक इलैक्ट्रीक हिटर रखा हुआ था, जिसने आग पकड़ ली

कोटपूतली, (निसं)। जिले के बानसूर थाना क्षेत्र के ग्राम बाढ़ मिलकपुर (रसनाली) में शनिवार सुबह शोकसभा के दौरान गैस सिलेंडर में रिसाव के बाद भड़की आग से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में शोक व्यक्त करने आए 21 महिला-पुरुष झुलस गये, जिनमें से ग्रामीणों ने आनन-फानन में यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में 16 एवं बानसूर के उप जिला अस्पताल में 5 को भर्ती कराया गया। आगजनी से विजेन्द्र, रामस्वरूप, लाली, छोटी, सविता, कैलाश, उमा, बलराम, कौशल्या व बबलू समेत कुल 21 महिला-पुरूष झुलस गये। कोटपूतली के जिला अस्पताल में भर्ती 16 घायलों में से 13 एवं बानसूर के उप जिला अस्पताल में भर्ती 5 घायलों में से 3 समेत कुल 16 गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर कर दिया गया।



गैस सिलेंडर हादसे में हुये घायल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया।

- कोटपूतली के जिला अस्पताल में भर्ती 16 घायलों में से 13 एवं बानसूर के उप जिला अस्पताल में भर्ती 5 घायलों में से 3 समेत 16 गंभीर घायलों को जयपुर रैफर किया
- आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पलभर में ही घर के चौक में लगे टैण्ट और बिछी हुई दरियों को अपनी चपेट में ले लिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के 80 वर्षीय जयराम कसाना का शुक्रवार को निधन हो गया था। शनिवार सुबह उनके निवास पर शोकसभा का आयोजन चल रहा था, जिसमें घर के चौक में करीब 50 ग्रामीण व रिश्तेदार मौजूद थे। इसी दौरान घर के एक हिस्से में रखे गैस सिलेंडर से अचानक रिसाव होने लगा। किसी को गैस लीक होने का अंदाजा नहीं लग पाया और परिवार की एक महिला ने रसोई में चाय बनाने के लिए जैसे ही चूल्हा जलाया, फैली हुई गैस ने तुरंत आग पकड़ ली। बताया जा रहा हैं कि गैस सिलेंडर के पास में ही एक इलैक्ट्रीक हिटर रखा हुआ था जिसने आग पकड़ ली, धीरे-धीरे आग की लपटें बढ़ने लगी, जिससे वहां मौजूद 21 महिला पुरूष आगजनी से घायल हो गये।

आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पलभर में ही घर के चौक में लगे टैण्ट और बिछी हुई दरियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग फैलते ही मौके पर चीख-पुकार और भगदड़ मच गई, जिससे वहां बैठे 21 महिला-पुरुष आग की लपटों में घिरकर झुलस गए। ग्रामीणों ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया और झुलसे हुए लोगों को बाहर निकाला।

हादसे के तुरंत बाद घायलों को एंबुलेंस व निजी वाहनों की मदद से कोटपूतली जिला अस्पताल व बानसूर के उप जिला अस्पताल में पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही बानसूर एसडीएम नवनीत कुमार, तहसीलदार एवं सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने अस्पताल में पहुंचकर घायलों के समुचित ईलाज के निर्देश दिए। एसएमएस अस्पताल की कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. रश्मि कटारिया ने बताया कि अधिकांश मरीज 20 से 40 प्रतिशत तक झुलसे हैं, जबकि कुछ मरीज 50 प्रतिशत तक झुलस गए हैं। सभी को बर्न आईसीयू में भर्ती कर विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में ईलाज शुरू कर दिया गया है। अन्य घायलों का उपचार कोटपूतली जिला अस्पताल में जारी है।

कन्यादान के 100 रुपए लौटाने के बाद विवाद, पथराव में वृद्धा की मौत

- आरोप है कि एक दर्जन से अधिक लोगों ने एकराय होकर बुजुर्ग के घर पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया
- प्रथम दृष्टया पुलिस इसे पत्थर से चोट लगने के बजाय वृद्धा की हार्टअटैक से मौत होने की संभावना जता रही है

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव कोठीखेड़ा में शादी समारोह में कन्यादान की 100 रुपए की राशि को लेकर शुरू हुआ विवाद देर रात खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि एक दर्जन से अधिक लोगों ने एकराय होकर बुजुर्ग के घर पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस दौरान पत्थरबाजी की चपेट में आने से वृद्धा लच्छो गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे रुदावल सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर रुदावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। प्रथम दृष्टया पुलिस इसे पत्थर से चोट लगने के बजाय वृद्धा की हार्टअटैक से मौत होने की संभावना जता रही है। घटना को लेकर पीड़ित ने रुदावल थाने में 10 से अधिक लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मृतका का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

रुदावल पुलिस ने बताया कि कोठीखेड़ा निवासी 75 वर्षीय नवल सिंह पुत्र बिरजी जाटव ने रिपोर्ट में बताया कि गांव में उनके ही परिवार के राजाराम की बेटी आशा की शादी थी। आपसी मनमुटाव के चलते उन्होंने शादी में स्वयं जाने के बजाय गांव के हरि पंच के हाथ कन्यादान के 100 रुपए भिजवाए थे। राजाराम ने कन्यादान के रुपए लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद नवल सिंह रुपए वापस लेकर गांव में ही दूसरी शादी में कन्यादान करने चले गए। रात करीब 9 बजे दूसरी शादी से कन्यादान कर नवल सिंह अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अपने घर के सामने सुंदर को उसके पिता गिर्राज और चाचा पिंटू द्वारा पीटते हुए देखा। नवल सिंह ने बीच-बचाव करते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया तो गिर्राज ने उन पर अपने बेटे को शराब पिलाने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विवाद के बाद बृजमोहन, राजाराम, रामसिंह, दिलीप, लोकेन्द्र, जसवंत, अजेन्द्र, ताराचंद, सुंदर सहित अन्य लोग एकराय होकर मौके पर आ गए। आरोपियों ने उनके घर पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी अपने घर की छत से होते हुए उनके घर की छत पर पहुंच गए और नीचे उतरकर फिर से पत्थरबाजी की। इस दौरान उनकी पत्नी लच्छो के सिर और शरीर पर पत्थर लगने से वह गिर पड़ीं। इसके बाद परिजन घायल लच्छो को बाइक पर बैठाकर रुदावल सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पीड़ित पक्ष ने पत्नी की मौत पत्थरबाजी में लगी चोटों के कारण होने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी नरेशचंद शर्मा ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब घटना के वास्तविक कारणों, पत्थरबाजी और महिला की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

जोधपुर में सूने मकान से लाखों के आभूषण और महंगी घड़ियां चोरी

- परिवार के लोग परिजन का अहमदाबाद में इलाज कराने में व्यस्त थे
- सीसीटीवी फुटेज से पुलिस जुटी जांच में, बाइक पर दिखे दो संदिग्ध

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में एक सूने मकान में चोरी हो गई। चोर घर से लाखों के जेवरात, नगदी के साथ महंगी घड़ियां आदि चोरी कर गए। घटना 19 नवंबर की तड़के पौने पांच से सवा पांच बजे के बीच हुई है। इस बारे में अब प्रतापनगर सदर पुलिस जांच में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

थानाधिकारी सुंदरकला ने बताया कि 7वीं अपर चौपासनी रोड निवासी एक व्यक्ति की तरफ से केस दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि इसमें बताया कि परिवार में सदस्य बीमार होने के चलते अहमदाबाद में इलाज चल रहा है। काफी दिनों से परिवार के लोग वहीं पर है और घर भी सूना था। 19 नवंबर को पता लगा कि चोरों ने घर के दरवाजे की कुंडा तोड़कर प्रवेश किया और वहां से लाखों के सोने चांदी के आभूषण के साथ एक लाख की नगदी ले गए। रिपोर्ट के अनुसार घर में कुछ महंगी घड़ियां भी रखी हुई थी, जोकि चोरी कर ली गई। परिवादी अपने परिवार के साथ 12 अक्टूबर को छोटे बेटे को चिकित्सक को दिखाने के लिए अहमदाबाद गया हुआ था। इस बीच घर सूना था।

पड़ौसियों के सीसीटीवी कैमरों में सामने आया कि 19 नवंबर की सुबह करीब 4.48 बजे दो अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर मकान के सामने पहुंचे। दोनों ने मोटरसाइकिल खड़ी की और मकान के मुख्य दरवाजे का कुंडा व ताला तोड़कर करीब 4.50 बजे अंदर प्रवेश किया। चोरी करने के बाद सुबह करीब 5.14 बजे मोटरसाइकिल पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। सुबह करीब 8 बजे सामने रहने वाले पड़ौसी इंद्रमोहन ने फोन कर मकान के मुख्य दरवाजे का कुंडा टूटा होने और दरवाजे खुले होने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर परिवादी ने अपने रिश्तेदारों को जानकारी दी और पुलिस को भी अवगत करवाया। इसके बाद वह अहमदाबाद से रवाना होकर शाम करीब 7.15 बजे जोधपुर स्थित अपने मकान पहुंचा। मौके पर पहले से पुलिस टीम और रिश्तेदार मौजूद थे।

घर से सोने के दो कंगन, चार सोने की चूड़ियां, कानों के आभूषणों की चार जोड़ियां, छह से आठ अंगूठियां, दो सोने की चेन, मंगलसूत्र, तुलसी की कंठी और दो सोने की नथ सहित अन्य आभूषण चोरी हुए हैं। इसके अलावा करीब 14 से 16 जोड़ी चांदी की पायल, लगभग दो किलो का चांदी का छल्ला, चांदी का चाकू, चांदी के गिलास, पूजा का चांदी का सामान, करीब तीन किलो चांदी के सिक्के, 15 पुराने कलदार सिक्के, लगभग एक लाख रुपए नगद और पांच से छह ब्रांडेड हाथ घड़ियां भी चोरी होना बताया गया है।

बाइक सवार युवकों को कार ने टक्कर मारी, एक की मौत, तीन जने घायल

सिंघाना थाना क्षेत्र के गाड़ाखेड़ा के हुये सड़क हादसे में बाइक और वैगनआर कार क्षतिग्रस्त हो गई।

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के गाड़ाखेड़ा के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। चिड़ावा के अडूका गांव में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे बाइक सवार तीन युवकों की वैगनआर कार से भिड़ंत हो गई। हादसे में दिवेश की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें जयपुर रैफर किया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के गांव माकड़ो में शोक की लहर दौड़ गई।

ग्रामीण संजय भूरिया ने बताया कि माकड़ो निवासी दिवेश (17) पुत्र अमीचंद, अनिल (19) पुत्र विजय सिंह और तनुज (18) पुत्र कमलेश कुमार बाइक पर सवार होकर अपने गांव से चिड़ावा के अडूका गांव में शादी समारोह में शामिल होने के लिए रवाना हुए थे। तीनों युवक जब गाड़ाखेड़ा और लालचौक के बीच पहुंचे, तभी उनकी बाइक की एक वैगनआर कार से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल चिड़ावा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को झुंझुनूं रैफर कर दिया। झुंझुनूं अस्पताल में चिकित्सकों ने दिवेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल अनिल और तनुज की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जयपुर रैफर कर दिया गया।

हादसे का सबसे मार्मिक पहलू यह है कि तीनों युवक अभी पढ़ाई कर रहे थे। दिवेश के पिता अमीचंद मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचे और हादसे की जानकारी जुटाई। उधर, हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

अवैध खनन से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

भरतपुर, (निसं)। मथुरागेट थाना पुलिस ने वन संरक्षित क्षेत्र से अवैध रूप से पत्थर भरकर ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर को सहायक उपनिरीक्षक राकेशमान पुलिस जाप्ते के साथ नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान मर्डरपुर चौराहे के पास वन संरक्षित क्षेत्र से बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली में पत्थर भरकर ले जाता हुआ एक चालक दिखाई दिया। नाकाबंदी देखकर चालक ने भागने का प्रयास किया।

अपहरण व दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। भुसावर थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण एवं सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक राजेश मीना के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, 25 अक्टूबर को एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति उसके भाई की पुत्री का घर से अपहरण कर ले गए तथा उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुसंधान शुरू किया और आरोपी अंकित (19) पुत्र समयसिंह मीना को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैर एवं वृत्ताधिकारी भुसावर के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेश मीना के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक नेत्रपाल मय पुलिस जाप्ते ने की। आरोपी के खिलाफ भुसावर थाने में मामला दर्ज है।

साइबर ठगी से लाखों की नगदी हड़पी

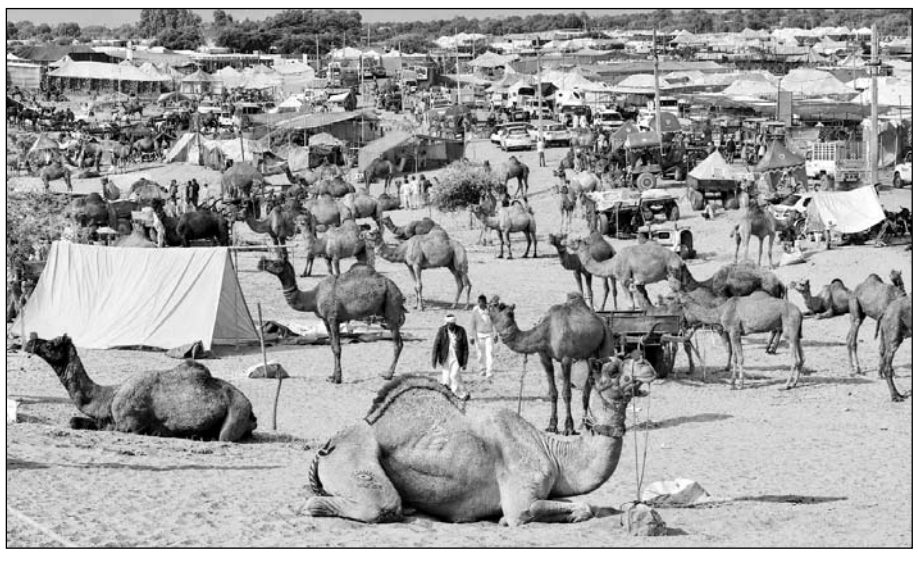
- अन्य मामले में लॉटरी खुलने का झांसा देकर पीड़ित से नगदी हड़पी

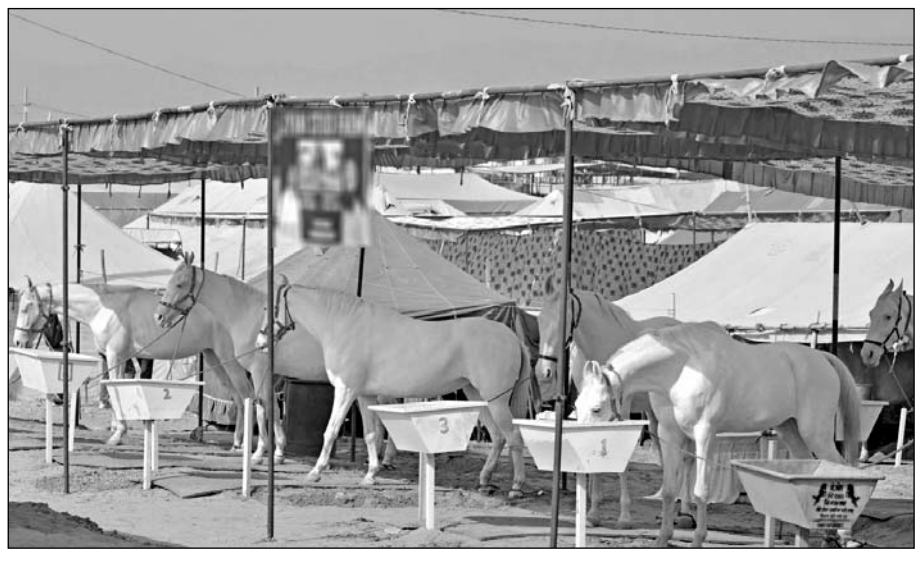
उदयपुर, (निसं)। मोबाइल हेक कर पीड़ित के खाते से नगदी निकाल हड़पने वाले आरोपी के खिलाफ साइबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। इसी तरह एक अन्य मामले में लॉटरी खुलने का झांसा देकर पीड़ित से नगदी हड़पने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित राकेश पुत्र गणपतलाल सिगरीगर निवासी अम्बामाता भटवाड़ी ने साइबर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 19 नवंबर को अज्ञात आरोपी ने मेरा मोबाइल हेक कर लिया। कुछ समय बाद मेरे बैंक खातें से टुकड़ों में 2 लाख 68 हजार 732 रूपये निकाले जाने का पता चला। इसी तरह एक अन्य मामले में पीड़ित देवीलाल पुत्र नानालाल रेगर निवासी धोला का धनेरिया फतहनगर की रिपोर्ट पर साइबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया जिसमें पीड़ित ने बताया कि 16 नवंबर को अज्ञात मोबाइलधारक ने डेढ़ करोड़ की लॉटरी खुलने का मैसेज बताया तथा उक्त नगदी लेने को कहा। इस पर उससे बातचीत करने के दौरान उसके कहे अनुसार मैने 3 लाख 50 हजार रूपे का भुगतान कर दिया। कुछ समय बाद पता चला कि मेरे साथ ठगी हुई है। दोनों मामलों में साइबर थाना पुलिस जांच कर रही है।

विदेशी सैलानियों और सजे-धजे ऊंटों के आकर्षण से पुष्कर मेला गुलजार हुआ

रेगिस्तान के रंगों में जीवंत हो रही राजस्थान की संस्कृति और परंपरा


कपुष्कर मेले में रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने हुये हैं।


मेले में राजस्थान के अलावा दूसरे राज्यों से खूबसूरती और कद-काठी के घोड़े लेकर लोग पहुंच रहे हैं।

पुष्कर/जयपुर। राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था का प्रतीक विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला 2026 अपने अनूठे रंगों के साथ इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 17 नवंबर से 24 नवंबर तक आयोजित हो रहे इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक, श्रद्धालु और पशुपालक पहुंच रहे हैं। पुष्कर की रेतीली धरती पर सजे-धजे ऊंट, घोड़े, रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकें और संगीत की गूंज यहां आने वाले लोगों को राजस्थान की असली संस्कृति से रूबरू करा रही है।

पुष्कर मेला पशुओं की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की लोक कला, परंपरा, खानपान व्यापार और धार्मिक विरासत का अनूठा संगम है। मेले में राजस्थान के अलग-अलग जिलों से पशुपालक अपने ऊंट, घोड़े और अन्य पशुओं के साथ पहुंच रहे हैं। ऊंटों को आकर्षक आभूषणों, रंगीन कपड़ों और पारंपरिक डिजाइनों से सजाया गया है, जो पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं। पुष्कर अपने खास खानपान के लिए भी मशहूर है। यहां रबड़ी मालपुआ, खस्ता कचौड़ी..दाल-बाटी चूरमा और ऊंटनी के दूध की चाय खासतौर पर लोगो के स्वाद का केन्द्र बनी हुई हैं।

पुष्कर सरोवर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ :-मेले का धार्मिक पक्ष भी बेहद खास है। पुष्कर सरोवर के घाटों पर अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। यहाँ 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर विशेष स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। शाम के समय सरोवर के घाटों पर होने वाली महाआरती श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगी। पुष्कर मेले से स्थानीय व्यापारियों, हस्तशिल्प कलाकारों, होटल संचालकों और छोटे दुकानदारों को भी रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। मेले में राजस्थानी आभूषण, पारंपरिक कपड़े, हस्तनिर्मित वस्तुएं और स्थानीय खान-पान की दुकानों पर पर्यटकों की अच्छी चहल-पहल देखने को मिल रही है।

पुष्कर मेले में घोड़े लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल रेट कार्ड और लोगों के बीच हो रही चर्चाओं में कुछ घोड़ों की कीमत करोड़ों रुपये तक बताई जा रही है। इन घोड़ों की खूबसूरती और कद-काठी देखने के लिए राजस्थान के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंच रहे हैं।

श्रीगंगानगर में बीएसएफ कैंप की दीवार फांदकर अंदर घुसा युवक

पूछताछ में युवक की पहचान बिहार निवासी दिनेश पासवान के रूप में हुई

- अधिकारियों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, एफआईआर दर्ज
- पकड़ा गया आरोपी नशे का आदी है और मानसिक रूप से परेशान बताया गया है

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर में पुलिस लाइन के सामने स्थित बीएसएफ के 48वीं बटालियन कैंप में रात को एक युवक दीवार फांदकर अंदर घुस गया, जिसे बीएसएफ के अधिकारियों ने पकड़ लिया। पूछताछ में युवक की पहचान बिहार निवासी दिनेश पासवान (32) के रूप में हुई। बीएसएफ की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर कोतवाली पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल राकेश कुमार ने बताया कि 19 नवंबर की रात करीब 1:30 बजे 48वीं बटालियन बीएसएफ कैंप में सिमल मुर्मू रात की ड्यूटी पर थे। इसी दौरान एक युवक कैंप की दीवार फांदकर अंदर घुस आया। ड्यूटी अधिकारी ने उसे पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम दिनेश पासवान बताया। वह मूल रूप से बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है और वर्तमान में श्रीगंगानगर में पुलिस लाइन के सामने कपूर फर्नीचर के नजदीक हीरा पॉलिमर्स कंपनी के पास रह रहा था। घटना के बाद बीएसएफ के 48वीं बटालियन के कार्यालय की ओर से कोतवाली थाने में लिखित रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मामले की जांच हैड कॉन्स्टेबल राकेश कुमार कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पकड़ा गया आरोपी नशे का आदी है और मानसिक रूप से परेशान है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए जयपुर में चार पिंक बूथ शुरू

कार्यक्रम में महिला सुरक्षा के संबंध में शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पत्रिका गेट, जवाहर सर्किल पर स्थापित महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) का उद्घाटन किया। वहीं, अशोक नगर टी-पॉइंट (महारानी कॉलेज के पास), गौरव टावर के पास तथा सिटी पार्क, मानसरोवर स्थित अन्य तीन पिंक बूथों का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया।

डीजीपी शर्मा ने इस पहल के लिए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल एवं जयपुर पुलिस की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि महिला सुरक्षा एवं सहायता बूथ (पिंक बूथ) की स्थापना से महिलाओं एवं बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित माहौल के साथ-साथ त्वरित सहायता भी उपलब्ध हो सकेगी।

- तीन अन्य बूथों का हुआ वर्चुअल शुभारंभ
- महिलाओं और बालिकाओं को सार्वजनिक स्थानों पर मिलेगी त्वरित पुलिस सहायता



डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पत्रिका गेट स्थित पिंक बूथ का उद्घाटन किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि प्रथम चरण में जयपुर के चार प्रमुख स्थानों पर पिंक बूथ स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों पर महिला पुलिसकर्मी सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक दो शिफ्टों में उपस्थित रहेंगी।

किसी भी महिला या बालिका को आवश्यकता होने पर तत्काल सहायता, शिकायत के संबंध में मार्गदर्शन एवं आवश्यक पुलिस सहयोग सुनिश्चित हो सकेगा। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि महिलाओं के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुरक्षित करने के लिए पिंक बूथों पर आधुनिक तकनीक, सीसीटीवी, राजकॉप सिटीजन ऐप एवं क्यूआर कोड आधारित सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि पिंक बूथ पर छेड़छाड़, पीछा करने, अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा सहित महिलाओं से जुड़ी समस्याओं में पुलिस सहायता एवं आवश्यक कार्रवाई की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यहां सुरक्षित प्रतीक्षा स्थल, प्राथमिक उपचार, सैनिटरी पैड तथा पुलिस एवं पीसीआर से तत्काल संपर्क की व्यवस्था होगी।

बूथ पर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090 और आपातकालीन हेल्पलाइन 112 की सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

पिंक बूथ के उद्घाटन के बाद बूथ पर तैनात पुलिस कार्मिकों से डीजीपी शर्मा और कमिश्नर मित्तल ने संवाद किया। इससे पहले कार्यक्रम में महिला सुरक्षा के संबंध में शॉर्ट फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम में स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक पुलिस कुंवर राष्ट्रदीप, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन) प्रदीप मोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (प्रथम) डॉ. रामेश्वर सिंह, पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा सहित आयुक्तालय के अधिकारी एवं कालिका पेट्रोलिंग यूनिट व सुरक्षा सखियों ने सहभागिता की।

शिल्पग्राम में गणगौर जयपुर कला महोत्सव का शुभारंभ: कला-संस्कृति और विरासत के रंगों से सजा परिसर

जयपुर। जयपुर की समृद्ध कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को समर्पित पांच दिवसीय 'गणगौर जयपुर कला महोत्सव-2026' का शनिवार को जवाहर कला केंद्र स्थित शिल्पग्राम में भव्य शुभारंभ हुआ।

जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव में राजस्थानी लोककला, हस्तशिल्प, चित्रकला, मूर्तिशिल्प, डिजाइन और इंस्टॉलेशन का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इस आयोजित महोत्सव का शुभारंभ राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की उपस्थिति में हुआ। दोनों अतिथियों ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पारंपरिक कलाओं का संरक्षण, कलाकारों को मंच उपलब्ध कराना और सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और कला प्रेमियों को विभिन्न कला विधाओं से जुड़ने का अवसर देते हैं।



पांच दिवसीय 'गणगौर जयपुर कला महोत्सव-2026' का जवाहर कला केंद्र स्थित शिल्पग्राम में शुभारंभ हुआ।

आयोजन के कन्वीनर बृज मोहन चांदना ने बताया कि 25 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में 10 से अधिक राज्यों के 200 से अधिक कलाकार भाग ले रहे हैं। आयोजन में 150 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं, जहां विभिन्न कला विधाओं, हस्तशिल्प और कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

महोत्सव में आगंतुकों को पेंटिंग्स और कलाकृतियों की प्रदर्शनी देखने के साथ उनकी खरीदारी का अवसर भी मिलेगा। इसके अलावा वे कलाकारों से सीधे संवाद कर उनकी कला, तकनीक और सृजन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

- जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय आयोजन शुरू
- 10 से अधिक राज्यों के 200 से अधिक कलाकार ले रहे भाग
- 150 से अधिक स्टॉल्स पर कलाकृतियों और हस्तशिल्प का प्रदर्शन

8.86 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी दो बूंद जिंदगी की

जयपुर। जिले में रविवार को उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस (एसएनआईडी) का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत जयपुर प्रथम और जयपुर द्वितीय क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष तक के कुल 8 लाख 86 हजार 269 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इसके लिए दोनों क्षेत्रों में कुल 6,811 टीकाकरण बूथ बनाए गए हैं। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाने के लिए तैनात की गई हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि जयपुर प्रथम जिले में अभियान के तहत 4,164 बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के 4 लाख 61 हजार 578 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है।

अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित बूथों पर प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों, एएनएम, आशा सहयोगिनियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तैनात किया गया है।

कांग्रेस ने चूरू जिला परिषद में अपने पार्षदों की बाड़ेबंदी की

हनुमान बेनीवाल ने भी नागौर में अपने पार्षदों को आवास पर इकट्ठा किया

जयपुर। आगामी 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधानों के चुनाव को देखते हुए प्रदेश में कांग्रेस बीजेपी के अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी भी अपने चुने हुए वार्ड मेंबरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही है, कुछ जगहों पर कांग्रेस और भाजपा ने अपने वार्ड मेंबरों की बाड़ेबंदी भी कर दी है ताकि जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में क्रॉस वोटिंग और वार्ड मेंबरों के पाला बदलने जैसी स्थिति ना बने इसी क्रम में नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संरक्षक हनुमान बेनीवाल ने जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुने हुए अपने वार्ड मेंबरों को शनिवार को नागौर स्थित अपने आवास पर बुला लिया, यहां बेनीवाल ने हारे हुए प्रत्याशियों को भी बुलाया, ताकि आगामी जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में. पार्टी के जीते हुए वार्ड मेंबर पार्टी के निर्देश के अनुसार वोट डालें हालांकि नागौर जिला परिषद में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को टोटल 37 वार्डों में से 19 वार्डों में सफलता मिली है, यहां पर कांग्रेस पार्टी को 11 और भाजपा को 7 सीट मिली है, इसलिए नागौर जिला परिषद में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का बोर्ड बनना तय है, लेकिन जयपुर जिले में सांगानेर पंचायत समिति में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी सबसे ज्यादा सीटों पर जीती है, सांगानेर पंचायत समिति में टोटल 15 वार्ड में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने 8 वार्डों में जीत हासिल की है और यहां पर कांग्रेस को तीन और भाजपा को तीन सीट मिली है इसलिए यहां भी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का प्रधान चुना जाना सुनिश्चित है, इसी तरह से डूंगरपुर जिला परिषद में भारतीय जनता पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी को 14-14 सीटों पर जीत मिली है, यहां कांग्रेस को 9 सीट मिली है इसलिए डूंगरपुर में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, यहां देखने वाली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी दोनों में कौन सी पार्टी अपना बोर्ड बनाने में कामयाब होती है या फिर यहां पर कांग्रेस कोई बड़ा गेम खेलने की तैयारी में है

हालांकि चूरू जिला परिषद में टोटल 37 वार्ड में कांग्रेस पार्टी ने 21 सीटों पर जीत दर्ज करके पूरा बहुमत हासिल कर लिया है, यहां पर भारतीय जनता पार्टी को 17 सीटों पर जीत मिली है, चूरू जिला परिषद में जिला प्रमुख के चुनाव में अगर कोई उलट फेर नहीं होता है, या फिर क्रॉस वोटिंग नहीं होती है तो कांग्रेस पार्टी का जिला प्रमुख बनना निश्चित है, लेकिन भाजपा के दिग्गज नेता राजेंद्र राठौड़ चूरू जिला परिषद में अपनी पार्टी का बोर्ड बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं, इसलिए कांग्रेस पार्टी ने अपने चुने हुए वार्ड मेंबरों की अज्ञात स्थान पर बाड़ेबंदी भी कर दी है, तथा कांग्रेस पार्टी अपने वार्ड मेंबरों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं

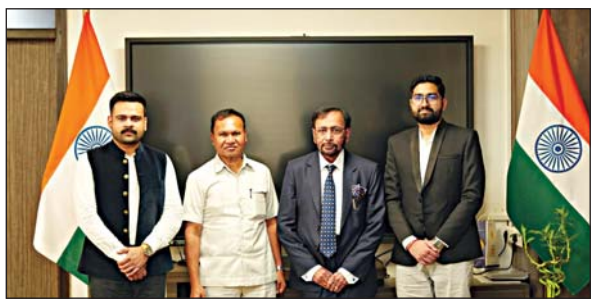
1.07 लाख रुपए की ठगी

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में इंस्टाग्राम पर ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदने के नाम पर एक युवती से 1.07 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने पहले वीडियो कॉल कर युवती को ब्यूटी प्रोडक्ट दिखाए और ऑनलाइन भुगतान करवाया। रुपए मिलने के बाद न तो सामान भेजा और न ही रकम वापस लौटाई। उल्टे संपर्क करने पर युवती को एफआईआर दर्ज करवाने की धमकी दी। पीड़िता ने शुक्रवार दोपहर बिंदायका थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।जांच अधिकारी एएसआई नरेश चंद ने बताया कि सिंवार बिंदायका निवासी ज्योति (32) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

रेगिंग की रोकथाम विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम

जयपुर। निम्स यूनिवर्सिटी में मेडिकल कॉलेजों में रेगिंग की रोकथाम विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों में रेगिंग की रोकथाम, संबंधित नियामक दिशा-निर्देशों के प्रभावी अनुपालन तथा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सकारात्मक शैक्षिणक वातावरण सुनिश्चित करने के प्रति सभी हितधारकों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.अरविंद द्रावे सीनियर कंसल्टेंट, पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड एवं एंटी-रेगिंग सेल, नेशनल मेडिकल कमीशन,पूर्व महानिदेशक श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार तथा पूर्व संयुक्त सचिव, भारत सरकार उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण मित्तल, वाइस चेयरमैन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फोरम भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. लक्ष्मण मित्तल ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए रेगिंग की रोकथाम के लिए संस्थागत जागरूकता एवं सक्रिय प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य सत्र में डॉ. अरविंद द्रावे ने मेडिकल कॉलेजों में रेगिंग की रोकथाम से संबंधित नियामक प्रावधानों एवं दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने एंटी-रेगिंग नियमों के सख्त क्रियान्वयन, संस्थागत जवाबदेही, प्रभावी निगरानी व्यवस्था तथा समयबद्ध निवारक कार्रवाई की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने शैक्षिणक जीवन में सुरक्षित, सम्मानित एवं सहयोगपूर्ण वातावरण मिलना चाहिए। यूनिवर्सिटी के फाउंडर व चांसलर प्रो. डॉ बलवीर सिंह तोमर ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सकारात्मक शैक्षिणक वातावरण प्रदान करना है। रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए हम एक ऐसा परिसर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां प्रत्येक विद्यार्थी गरिमा, समानता और आत्मविश्वास के साथ अपनी शिक्षा पूरी कर सके।इस मौके पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, प्राचार्यों, अतिरिक्त प्राचार्यों, संकाय सदस्यों एवं अन्य संस्थागत प्रतिनिधि मौजूद रहे।



कार्यक्रम में डॉ.अरविंद द्रावे, डॉ. लक्ष्मण मित्तल, वाइस चेयरमैन, यूनाइटेड डॉक्टर्स फोरम उपस्थित रहे।

- रेगिंग-मुक्त मेडिकल कैंपस की दिशा में निम्स यूनिवर्सिटी की पहलः राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के विशेषज्ञ ने किया जागरूक

मीडिया, जनसम्पर्क और मीडिया शिक्षा के भविष्य पर व्यापक मंथन

जयपुर। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर की ओर से शनिवार को सूचना केंद्र, जयपुर में पीआर कांन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव में मीडिया, जनसम्पर्क एवं मीडिया शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, जनसम्पर्क अधिकारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मीडिया एवं जनसम्पर्क के बदलते स्वरूप, व्यावसायिक चुनौतियों, मीडिया शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मौलिक रचनात्मकता के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया।

जन सम्पर्क सोसाइटी जयपुर चैप्टर के चेयरमैन वीरेंद्र पारीक ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य मीडिया, जनसम्पर्क और मीडिया शिक्षा से जुड़े अनुभवी पेशेवरों एवं युवा विद्यार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता और जनसम्पर्क के विद्यार्थियों को मुख्यधारा के व्यावसायिक मंचों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। अनुभवी पेशेवरों और युवा प्रतिभाओं के बीच संवाद एवं सहभागिता से ही नए विचारों और संभावनाओं को दिशा मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मीडिया और जनसम्पर्क की धाराएं एक-दूसरे की सोर्स और रिसोर्स बनकर समाज तक सूचनाएं एवं विचार प्रभावी ढंग से पहुंचाती हैं। इनके बीच बेहतर संबंध, सामंजस्य और पारस्परिक सम्मान सफलता का आधार हैं।

वरिष्ठ पत्रकार जी राजस्थान के सम्पादक डॉ. मनीष शर्मा ने मीडिया शिक्षा में 30:70 का मॉडल अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत सैद्धांतिक अध्ययन और 70 प्रतिशत व्यावहारिक प्रशिक्षण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया एवं जनसम्पर्क के क्षेत्र में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि वास्तविक कार्यक्षेत्र का अनुभव, निरंतर अध्ययन और विभिन्न क्षेत्रों की समझ जरूरी है। मीडिया रिलेशंस अवसरवादिता पर नहीं, बल्कि वास्तविक एवं दोतरफा संवाद पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने पेशेवरों को बदलते समय के अनुरूप बहुआयामी दक्षताएं विकसित करने और लगातार पढ़ने की आदत बनाए रखने की सलाह दी।

फर्स्ट इंडिया डिजिटल के नेशनल हेड अमित शर्मा ने कहा कि मीडिया शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण और डिजिटल तकनीकों की समझ अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ मीडिया की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराना चाहिए। प्रथम पैनल चर्चा में हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. रतन सिंह शेखावत ने भाषा की शुद्धता, नैतिकता, बौद्धिक संतुलन और डिजिटल तकनीकों में निरंतर दक्षता विकसित करने पर जोर दिया। वहीं एमिटी यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. तनुमुखर्जी ने अवधारणा के माध्यम से शिक्षण और व्यावहारिक प्रशिक्षण को जोड़ने की आवश्यकता बताई।



पीआर कांन्क्लेव में न्यूजलेटर का विमोचन किया।

- कार्यक्रम में मीडिया एवं जनसम्पर्क के बदलते स्वरूप तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में मौलिक रचनात्मकता के महत्व पर चर्चा

आम-सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य प्राणनाथ भूटानी पुत्र श्री मोतीराम भूटानी, निवासी 377, गुरुनानक, आदर्श नगर, जयपुर, राज0 का पुत्र साहिल भूटानी एवं पुत्रवधू श्रीमती मेघा भूटानी मेरे अभिभाष्य के कहने मे नही है और मेरे अभिभाष्य को गत काफी समय से प्रताडित कर रखा है। जिसके चलते मेरे अभिभाष्य ने पुत्र साहिल भूटानी व पुत्रवधू मेघा भूटानी से अपने समस्त पारिवारिक संबंध विच्छेद कर उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है यदि कोई भी व्यक्ति इन दोनों से किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो इस बाबत वह स्वयं जिम्मेवार होगा। सूचित रहे।
जयपुर (प्रशान्त शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-20/11/26 मो.-9414044441

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण मोहम्मद भूरा पुत्र वली मोहम्मद कुरैशी व नगीना बेगम पत्नी भूरा कुरैशी निवासीगण सीमा होटल के सामने शंकादास की बगीची आदर्श नगर जयपुर के रहने वाले हैं मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र सलमान कुरैशी व उसकी पत्नी रानीनाज मेरे अभिभाष्यगण के कहने मे नही है अब मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र व पुत्रवधु सलमान कुरैशी व उसकी पत्नी रानीनाज को अपने जीवन व अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा मेरे अभिभाष्यगण के साथ दुर्व्यवहार करते हैं तथा कोई व्यक्ति संस्था सरकारी अर्द्धसरकारी संस्था किसी भी प्रकार का लेन देन ऋण या संव्यवहार करते हैं तो उनकी स्वयं की जिम्मेदार होगी मेरे अभिभाष्यगण का अब अपने पुत्र व पुत्रवधु सलमान कुरैशी व उसकी पत्नी रानीनाज से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है।
दिनांक-21/11/26 (नौशाद कुरैशी) एडवोकेट
मो. न.9828293948

अपील की सूचना के अन्तर्गत धारा 385 (1) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973
न्यायालय ADJ-9 जयपुर मेट्रो नगर
मु.नं.13/23 निगरानी
मु.नं.12/23 दिनांक-.....
अमृत एन्टरप्राइजेज बनाम सोनिया कोर
अपील निगरानी विरूद्ध निर्णय दिनांक 11/10/22 व 14/10/22 मुकद्दमा नं. 497/17 व 1551/12 अपराध अन्तर्गत धारा 138 NI Act. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 385 के अन्तर्गत सूचित किया जाता है कि अपीलांट की उपरोक्त अपील इस न्यायालय में दिनांक 25.11.26 बजे 10 सुबह को सुनी एवं निर्णीत की जावेगी।
बनाम सोनिया कोर प्रो. PBS इन्टरनेशनल W/o तलविन्दर सिंह, 6 घ/7 जवाहर नगर जयपुर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-9 जयपुर महानगर द्वितीय

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम तरूणया सैनी (Tarunaya Saini) से बदल कर तरूणय सैनी (Tarunay Saini) पुत्र श्री तुलसी राम सैनी, रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी एफ-1, लालपुरिया गगन अपार्टमेंट, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

I army no 14407188M Ex Hav Anil kumar residing at plot no 134 vinayak vihar niwaru road jhotwara jaipur that i want to change name of my spouse from USHA to USHA DEVI vide affidavit dated 18 nov 2026 before sub divisional jaipur vity south

I army no 15672730L Ex Hav Bhagat Singh Shekhawat R/O mau teh . shri madhopur sikar rajasthan that i want to change name of my dependent from PUSHPENDER SINGH SHEKHAWAT to PUSHPENDRA SINGH SHEKHAWAT vide affidavit dated 16 nov 2026 sub divisional magistrate jaipur city south

I have changed my name Ajij Khan to Aziz Khan S/o Ghasi Khan 47, Kotkhawada, Jaipur, 303908

आम-सूचना सर्वसाधारण आम/खास को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामअवतार शर्मा पुत्र स्व. श्री सीताराम शर्मा निवासी प्लाट नम्बर 303-ए, शिव विहार, मीनावाला प्लाट नम्बर 19, सन्तोष नगर, सिरसी रोड, मीनावाला, जयपुर, क्षेत्रफल 122 वर्गगज को श्री महेन्द्र कुमार जयसवाल, धर्मेन्द्र कुमार एवं उपेन्द्र जैसवाल पुत्रान स्व. श्री दीन दयाल से क्रय करने का इकरार किया है। इस बाबत किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई ऐतराज हो, तो मय साक्ष्य मेरे कार्यालय में आज से अन्दर मियाद 7 दिवस में लिखित आपत्ति दर्ज करावे, बाद मियाद कोई ऐतराज स्वीकार्य नहीं होगा।
एडवोकेट, अश्विनी कुमार पारीक, ए-17, चित्रकूट स्टेडियम, जयपुर मो. 6376400039

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, नरोत्तम टेलर पुत्र राम बाबू टेलर, जाति दर्जी निवासी वार्ड नंबर 13, सैनी कॉलोनी शाहपुरा जिला जयपुर (राजस्थान) का रहने वाला हूं। यह है कि मैं नेहा टेलर (NEHA TAILOR) का प्राकृतिक पिता एवं कानूनी अभिभावक हूँ। मेरी पुत्री का जन्म दिनांक 14.12.2009 को शाहपुरा (जयपुर) में हुआ था। यह कि मेरी नाबालिग पुत्री का नाम स्कूल एवं अन्य रिकॉर्ड में NEHA TAILOR, पिता का नाम NAVRATAN TAILOR तथा माता का नाम SANJU DEVI दर्ज है। यह कि वर्तनी सुधार एवं अभिलेख सुधार के कारण मैंने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम NEHA TAILOR के दस्तावेजो मे दर्ज पिता का नाम NAVRATAN TAILOR से सुधारकर/बदलकर NAROTAM TAILOR तथा माता का नाम SANJU DEVI से सुधारकर/बदलकर SANJANA DEVI कर लिया है। अब भविष्य मे समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय दस्तावेजो मे नये नाम से जाना पहचाना जाये।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पानी के मीटर चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने पानी के मीटर चोरी करने वाली गैंग का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मीटर चोरी करने वाला और चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी शामिल है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के सात पानी के मीटर और वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा स्कूटर बरामद किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने जयपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 200 से अधिक पानी के मीटर चोरी करना स्वीकार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लेखराज प्रजापत (22) निवासी कुम्हारों का मोहल्ला, बुडाला बस स्टैंड, गोनेर, शिवदासपुरा और इरसाद मियां (38) निवासी कस्बाताल, विदिशा (मध्यप्रदेश), हाल निवासी सुभाष कॉलोनी, मालपुरा गेट, जयपुर के रूप में हुई है। दोनों आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं। उनसे चोरी की अन्य वारदातों और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।बजाज नगर थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के अनुसार, 17 नवंबर 2026 को मानसिंहपुरा निवासी राकेश, महेश और टीकमचंद ने घरों के बाहर लगे पानी के मीटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी एक्टिवा स्कूटर पर सवार होकर टोली बनाकर कॉलोनियों में घूमते और घरों के बाहर लगे मीटरों की रैकी करते थे।

कांग्रेस शासन में ग्रामीण ओलंपिक की घोषणाएं रहीं अधूरी : जोगाराम

जयपुर। विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से खेलो राजस्थान यूथ गेम्स को लेकर की गई टिप्पणी पर तंज कसते हुए उनके आरोपों को तथ्यों से परे और भ्रामक बताया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अपने कार्यकाल की अधूरी घोषणाओं और वादों को भूलकर आज खेलों के नाम पर जनता को गुमराह करने का विफल प्रयास कर रहे हैं। गहलोत की 'बजट फाइल्स' को झूठ का पुलिंदा बताते हुए पटेल ने कहा कि उन पर 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' की कहावत सटीक बैठती है।पटेल ने कहा कि अशोक गहलोत ने जुलाई 2024 में खेलो राजस्थान यूथ गेम्स की घोषणा और प्रतिवर्ष 50 करोड़ रुपये के प्रावधान का उल्लेख करते हुए आयोजन नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों को केवल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि खेल प्रतिभाओं की पहचान, वैज्ञानिक मूल्यांकन, प्रशिक्षण और उनके दीर्घकालिक विकास की समन्वित व्यवस्था विकसित कर रही है।

गहलोत इस व्यापक पहल को नजरअंदाज कर आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि खेलो राजस्थान यूथ गेम्स के प्रति प्रदेशभर में उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिल रही है।पटेल ने बताया कि अब तक कुल 2 लाख 31 हजार 166 खिलाड़ियों का पंजीकरण दर्ज किया गया है। इनमें 1 लाख 46 हजार 458 पुरुष, 84 हजार 705 महिला और 3 अन्य श्रेणी के खिलाड़ी शामिल हैं। कुल खिलाड़ियों में 2 लाख 29 हजार 811 राजस्थान के तथा 1 हजार 355 अन्य राज्यों के हैं। प्रतियोगिताओं के लिए 5 हजार 231 टीमों और 1 लाख 86 हजार 835 व्यक्तिगत खिलाड़ियों का पंजीकरण हुआ है।उन्होंने बताया कि जिलेवार भागीदारी में भीलवाड़ा 76 हजार 906 खिलाड़ियों के साथ सबसे आगे है। डीडवाना-कुचामन से 24 हजार 323, नागौर से 9 हजार354, सीकरसे 7 हजार 771, जोधपुर से 7 हजार 770, श्रीगंगानगर से 7 हजार 384 और फलोदी से 5 हजार 593 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। आयु वर्ग के अनुसार 85 हजार 150 खिलाड़ी 15 वर्ष से कम, 1 लाख 15 हजार 398 खिलाड़ी 15 से 30 वर्ष, 21 हजार 805 खिलाड़ी 31 से 45 वर्ष तथा 7 हजार 85 खिलाड़ी 46 से 60 वर्ष आयु वर्ग के हैं। ये आंकड़े प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और विभिन्न आयु वर्गों की व्यापक भागीदारी को दर्शाते हैं।

- विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बजट फाइल्स को बताया सोशल मीडिया पर झूठ का पुलिंदा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda 119 FOUNDATION YEAR
आदर्श नगर शाखा, 495, गली नं. 5, राजा पार्क, आदर्श नगर जयपुर, राजस्थान 302004, ई-मेल: adarsh@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।
आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है" के आधार पर बैंक ऑफ बड़ौदा, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/ बकायों/आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य धरोहर राशि (ईएमडी) बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/ वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	मैसर्स राजेश एंटरप्राईजेज प्रथम तल, जैन मार्केट, धुला हाउस के सामने, बापू बाजार, जयपुर, राजस्थान **प्रोपराईटर-** स्व. श्री सीता राम कालरा पुत्र श्री चन्द्र भान कालरा **जरिये कानूनी वारिस-** श्रीमती कृष



हम जैसे लोगों को इस पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, जिन लोगों के पास यह जिम्मेदारी है, उन्हें ही जवाब देना चाहिए, मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते। - कपिल देव

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, मोहम्मद सिराज को बाहर करने पर सेलेक्टर्स के बचाव में उतरने के बाद।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



लिटन दास

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच की पहली पारी में, लिटन दास ने विपक्षी टीम के 8 खिलाड़ियों को आउट करने में मदद की। उन्होंने 6 कैच पकड़े और 2 खिलाड़ियों को स्टंप किया। इसक साथ वो टेस्ट क्रिकेट के 149 साल के इतिहास में, वह एक ही पारी में इतने खिलाड़ियों को आउट करने वाले पहले विकेटकीपर बन गए। इससे पहले ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के वसीम बारी के नाम था, जिन्होंने 1979 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 कैच पकड़े थे। लिटन ने अपने 60वें टेस्ट मैच में यह रिकॉर्ड बनाया।

क्या आप जानते हैं ?... वैभव सूर्यवंशी ने महज 14 साल 32 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर इतिहास रचा था। वह इस लीग में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने।

भारत वेलिंगटन टेस्ट में न्यूज़ीलैंड से आगे निकला, तीसरे दिन स्कोर 486/4, गिल शतक चूके, राहुल ने 136 रन बनाए

नई दिल्ली, 21 नवंबर। वेलिंगटन के मैदान पर खेले जा रहेपहले टेस्ट मैच में अब टीम इंडिया नेअपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। न्यूजीलैंड की पहली पारी में बनाए गए 368 रन के जवाब में भारत के लिएकेएल राहुलने शानदार शतक जड़ा, तो कप्तानशुभमन गिल98 रन बनाकर आउट हुए और सिर्फ दो रन से शतक चूक गए। जबकि उनके अलावा टॉप ऑर्डर में शामिलयशस्वी जायसवाल (85)औरदेवदत्त पडिक्कल (80)ने भी दमदार पारियां खेलीं। भारत की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के सामने न्यूजीलैंड की टीम अपने घर पर गेंदबाजी के दौरान बैकफुट पर रही और टीम इंडिया अब ड्राइविंग सीट पर आ चुकी है। भारत ने न्यूजीलैंड के 368 रन के जवाब में तीसरे दिन के अंत तक 4 विकेट पर 486 रन का विशाल स्कोर बनाकर 118 रन की बढ़त हासिल कर ली है। अब भारत की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां से कोई करिश्मा होता है, तभी टीम इंडिया हारेगी, अन्यथा उसके जीतने के चांस बढ़ गए हैं। बचे हुए दो दिनों के खेल में टीम इंडिया विशाल बढ़त हासिल करके न्यूजीलैंड को समेटना चाहेगी और पारी से जीत दर्ज करने की ओर बढ़ना चाहेगी।

देवदत्त पडिक्कल शतक से चूके

राहुल के शतक के बाद दूसरे छोर से खेलने वाले देवदत्त पडिक्कल भी फिफ्टी जड़कर खेल रहे थे। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी हो चुकी थी। तभी पडिक्कल को काइल जैमीसन ने क्लीन बोल्ड करके न्यूजीलैंड को लंबे समय बाद दूसरा विकेट दिलाया। इसके चलते भारत के नए नंबर तीन देवदत्त पडिक्कल 175 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 80 रन बनाकर चलते बने। 130 रन पर पहला विकेट खोने वाली भारतीय टीम का दूसरा विकेट 295 रन पर गिरा। पडिक्कल के बाद शुभमन गिल नंबर चार पर आए और उन्होंने राहुल के साथ पारी को आगे बढ़ाया।



केएल राहुल ने शतक से रचा इतिहास

टीम इंडिया ने तीसरे दिन एक विकेट पर159 रन बनाकर आगे खेलना शुरू किया।भारत के लिए तीसरे दिन केएल राहुल ने 54 रन से, तो देवदत्त पडिक्कल ने 16 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया. इन दोनों ने तीसरे दिन भी न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को बैकफुट पर रखा और केएल राहुल ने शतक जड़कर इतिहास रच दिया। राहुल ने 207 गेंदों में आठ चौके और एक छक्के की मदद से न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक जमा दिया। इसके चलते वह (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में बतौर ओपनर टेस्ट शतक जमाने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक कोई भी भारतीय ओपनर देशों के सभी चार देशों में शतक नहीं जमा सका था। राहुल जहां देशों में शतक जमाने वाले भारत के पहले ओपनर बने, वहीं वह ऐसा करने वाले दूसरे एशियाई ओपनर भी बन गए हैं। पाकिस्तान के सिर्फ सईद अनवर ही राहुल से पहले देशों के सभी देशों में बतौर ओपनर टेस्ट शतक जड़ सके थे। राहुल के करियर का यह 13वां शतक है और इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर व विराट कोहली के मुकाम पर भी कदम रख दिया है।

गिल की फिफ्टी से टेस्ट में पहली बार हुआ ये बड़ा करिश्मा

शतक जड़ने के बाद भी राहुल ने मोर्चा संभाले रखा और गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी निभा चुके थे। तभी राहुल एक अंदर आती गेंद पर चकमा खा गए और क्लीन बोल्ड हो गए। राहुल 290 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन बनाकर आउट हुए, तो भारत का तीसरा विकेट 386 रन के स्कोर पर गिरा। राहुल के जाने के बाद गिल ने भी फिफ्टी जड़ी, तो देशों में भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब टॉप-4 बल्लेबाजों ने 50 से ज्यादा रन की पारियां खेलीं। गिल के फिफ्टी जड़ने के साथ ही भारत इस करिश्मे को अंजाम दे सका। गिल ने टेस्ट में वनडे स्टाइल से बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन की पारी खेली।

शतक से दो रन दूर रह गए शुभमन गिल

केएल राहुल के आउट होने के बाद ऋषभ पंत मैदान में आए। पंत ने कप्तान गिल का साथ निभायाऔर दोनों ने चौथे विकेट के लिए दिन के अंत तक मजबूत साझेदारी बुनी। शुभमन गिल जब 98 रन पर खेल रहे थे, तभी तीसरे दिन के अंतिम ओवर में जैकब डफी की अंदर आती गेंद को गिल भांप नहीं सके और क्लीन बोल्ड हो गए। इसके चलते शतक के बेहद करीब कप्तान गिल 127 गेंदों में नौ चौके और दो छक्कों की मदद से 98 रन बनाकर चलते बने। जबकि दूसरी तरफ ऋषभ पंत ने 62 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 55 रन की नाबाद पारी खेली। दिन की अंतिम दो गेंद खेलने अंशुल कंबोज नाइट वॉचमैन के तौर पर आए और बिना रन बनाए नाबाद लौटे। इस तरह भारत ने तीसरे दिन की समाप्ति तक चार विकेट पर 486 रन का विशाल स्कोर बना लिया।

गिल और पंत ने डब्ल्यूटीसी के इतिहास में हासिल की बड़ी उपलब्धि

3000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले बने भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, 21 नवंबर। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दोनों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन के स्टेडियम में खेले जा रहे टेस्ट मुकाबले के तीसरे दिन एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कप्तान



वेलिंग्टन टेस्ट मैच के तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया की पहली पारी में अपने शतक से सिर्फ दो रन से चूक गए जिसमें वह 98 रन पर बोल्ड हुए। वहीं ऋषभ पंत 55 रन बनाकर नाबाद थे। शुभमन गिल और ऋषभ दोनों ने अपनी इस पारी के दम पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में 3000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जिसमें पहले यह उपलब्धि गिल ने हासिल की तो वहीं इसके कुछ देर बाद पंत भी तीन हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने में कामयाब हो गए। गिल और पंत दोनों ने 43-43 मैच में पूरे किए तीन हजार रन: वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में शुभमन गिल और ऋषभ पंत भारतीय टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिसमें दोनों ने ही के इतिहास में अपने तीन हजार रनों का आंकड़ा 43-43 मैच में पूरा किया। शुभमन गिल का के इतिहास में रिकॉर्ड देखा जाए तो उन्होंने 43 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 43.07 के औसत से 3015 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से 10 शतकीय और 10 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली हैं। वहीं ऋषभ पंत को लेकर बात की जाए तो वह अब तक के इतिहास में 43 टेस्ट मैचों में 3003 रन बना चुके हैं।

बीसीसीआई ने इंडिया अंडर-19 महिला टीम का ऐलान किया, भाविका अहिरे बनी कप्तान



नई दिल्ली, 21 नवंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, भारतीय अंडर-19 महिला टीम इंग्लैंड के खिलाफ अपने घर में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने वाली है। जिसके लिए बोर्ड ने 15 सदस्यों वाली इंडिया अंडर-19 महिला टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर बल्लेबाज भाविका अहिरे को कप्तान बनाया गया है, जबकि ऑलराउंडर अनादी तागड़े को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज 26 नवंबर से शुरू होगी। पहले दो मैच वडोदरा में जबकि अंतिम तीन मैच सूरत में खेले जाएंगे। दूसरा टी20 मैच 28 नवंबर को खेला जाएगा। इसके बाद एक, तीन और छह दिसंबर को मैच होंगे। यह सीरीज युवा भारतीय टीम के लिए अपने कॉम्बिनेशन को देखने और ग्लोबल टूर्नामेंट से पहले मोमेंटम बनाने का एक अहम मौका होगा। भारत अंडर-19 महिला 20 वर्ल्ड कप का दो बार का डिफेंडिंग चैंपियन है, जिसने 2023 में दक्षिण अफ्रीका में पहला एडिशन जीता था और फिर 2025 में मलेशिया में टाइटल बरकरार रखा था। टीम का मकसद अपना दबदबा बनाए रखना और 2027 में लगातार तीन वर्ल्ड टाइटल जीतना होगा। वर्ल्ड कप से पहले महिला अंडर-19 20 एशिया कप का दूसरा एडिशन भी में 8 से 20 दिसंबर तक होने वाला है। भारत इस कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन का डिफेंडिंग चैंपियन है, जिसने 2024 में मलेशिया में इसका पहला एडिशन जीता था। अंडर-19 विमेंस 20 वर्ल्ड कप 2027 बांग्लादेश और नेपाल मिलकर 21 जनवरी से 6 फरवरी तक होस्ट करेंगे। इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी।

द. अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया

नई दिल्ली, 21 नवंबर। बांग्लादेश क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। जहां वो तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलने वाली है। अभी दोनों



टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज चल रही है। जिसके पहले मैच में मेजबान टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दूसरा टेस्ट मैच 23 नवंबर से खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज में आमने-सामने होंगी। टेस्ट सीरीज के बीच में साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने आने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। जिसमें कप्तान टेम्बा बावुमा, कगिसो रबाडा और एडेन मार्करम जैसे कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। जबकि पेसर लुंगी एनगिडी और एनरिक नॉरकिये की टीम में वापसी हुई है। वनडे टीम की कमान टीम के अनुभावी स्पिनर केशव महाराज को सौंपी गई है जबकि ब्योर्न फोर्टुइन 20 सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगे। इससे पहले भी महाराज कप्तानी की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। उन्होंने 2025 में एक टेस्ट में साउथ अफ्रीका की कप्तानी की थी, जहां उन्होंने जीत हासिल की थी। इसके अलावा, उन्होंने सात मैचों में नेशनल टीम की कप्तानी की है, जिसमें टीम ने दो जीते और तीन हारे हैं। इसके अलावा, टीम ने उनकी कप्तानी में 10 मैच खेले, जिनमें से सात में जीत मिली। वहीं कप्तान के तौर पर फोर्टुइन ने वनडे में 2 जीत और 0 हार और 20 में 4 जीत और 1 हार दर्ज की है।

पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे ने पंजाब किंग्स का थामा हाथ

नई दिल्ली, 21 नवंबर। पंजाब किंग्स की टीम ने आईपीएल 2027 से पहले अपने कोचिंग स्टॉफ में भारतीय दिग्गज को शामिल किया है। पंजाब किंग्स ने भारत के पूर्व बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे को टीम का नया बॉलिंग कोच बनाया है। वह टीम में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। मुंबई इंडियंस की टीम ने कुछ दिन पहले ही पारस म्हाम्ब्रे को टीम से अलग करने का फैसला किया था। स्पोर्टस्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 54 साल के पारस म्हाम्ब्रे ने सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली है। वह आईपीएल 2027 से पहले पंजाब की टीम के साथ जुड़ जाएंगे। पारस म्हाम्ब्रे पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ एक बार फिर काम करते नजर आएंगे। इससे पहले मुंबई इंडियंस में रिकी पोंटिंग और पारस म्हाम्ब्रे एक साथ काम कर चुके हैं।

सपोर्ट स्टाफ में बदलाव कर रही है पंजाब किंग्स की टीम: आईपीएल 2027 से पहले पंजाब किंग्स की टीम अपने सपोर्ट स्टाफ में बदलाव कर रही है। टीम के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स और फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन टीम से अलग हो गए हैं। साईराज बहुतुले ने पिछले सीजन के तुरंत बाद फ्रेंचाइजी छोड़ दी थी और वह भारतीय पुरुष टीम के स्पिन-बॉलिंग कोच नियुक्त किए गए थे। 2022 से 2024 तक टीम इंडिया की कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा थे म्हाम्ब्रे पारस म्हाम्ब्रे 2022 से 2024 के बीच भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के कोचिंग स्टाफ का अहम हिस्सा रहे थे। उनके कार्यकाल में भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 2024 में टी-20 वर्ल्ड का खिताब जीता था। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद वह मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल 2025 में जुड़े थे। पारस म्हाम्ब्रे फिलहाल दुबई में हैं, जहां वह 20 में एमिरेट्स के बॉलिंग कोच के तौर पर काम कर रहे हैं।

केएल राहुल सभी 'सैना' देशों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बने

नई दिल्ली, 21 नवंबर। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 4 विकेट पर 486 रन बनाए हैं। वेलिंगटन में शनिवार को टीम ने पहली पारी में 118 रन की बढ़त भी बना ली है। केएल राहुल ने टेस्ट क्रिकेट का वह मुकाम हासिल किया, जहां तक पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग भी नहीं पहुंच सके। वे सभी 'सैना' देशों यानी साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए।

राहुल 'सैना' देश में शतक लगाने वाले 8वें एशियाई बैटर: केएल राहुल चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बने। वे ऐसा करने वाले दूसरे एशियाई खिलाड़ी हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। किसी भी नंबर पर बैटिंग करते हुए अब तक 8 बल्लेबाज सभी देशों में शतक लगा चुके हैं।

94 साल में पहली बार टॉप-5 भारतीय बल्लेबाजों की विदेश में फिफ्टी: भारत 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है। 94 सालों में पहली बार ऐसा



हुआ है कि टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में भारत के टॉप-5 बल्लेबाजों ने विदेश में 50 स्कोर बनाया है। वेलिंगटन टेस्ट में अब तक यशस्वी जायसवाल, राहुल, पडिक्कल, गिल और पंत ने 50 या उससे ज्यादा रन बनाए।

राहुल न्यूजीलैंड में मेडन इनिंग में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय: केएल राहुल न्यूजीलैंड में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने वेलिंगटन में पहली पारी में ही 136 रन बनाए। इसके साथ ही वे न्यूजीलैंड में टेस्ट डेब्यू पारी में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बन गए। उन्होंने सुनील गावस्कर के 116 रन के स्कोर को पीछे छोड़ा।

गंभीर और द्रविड़ की क्लब में शामिल हुए राहुल: राहुल 2 शतकीय साझेदारियों में शामिल रहे। उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 130 रन और देवदत्त पडिक्कल के साथ दूसरे विकेट के लिए 165 रन जोड़े। वे न्यूजीलैंड में एक ही पारी में 2 शतकीय साझेदारियों में शामिल रहने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और गौतम गंभीर ऐसा कर चुके हैं। राहुल 'सैना' देशों में भारत के लिए शुरुआती दोनों विकेटों के लिए शतकीय साझेदारियां करने वाले चौथे खिलाड़ी भी बने। उनसे पहले सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग और सुनील गावस्कर यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

राहुल 2021 से सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले ओपनर: केएल राहुल 2021 से अब तक टेस्ट में ओपनिंग करते हुए 7 शतक लगा चुके हैं। वे इस पीरियड में सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले सलामी बल्लेबाज हैं।

पीसीबी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर हुए मोहम्मद रिजवान, शान मसूद और सैम अयूब

नई दिल्ली, 21 नवंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 21 नवंबर को नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट को जारी कर दिया है, जिसमें पिछली बार जहां पीसीबी ने 30 खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया था तो वहीं इस बार अलग-अलग कैटेगिरी को मिलाकर कुल 38 खिलाड़ियों को साल 2026-27 के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जगह मिली है। इस बार पीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर कुछ बड़े फैसले भी लिए हैं, जिसमें युवा खिलाड़ियों को जहां जगह मिली है तो वहीं मोहम्मद रिजवान और शान मसूद के अलावा सैम अयूब को शामिल नहीं किया गया है। बाबर आजम और सलमान आगा को मिली टॉप कैटेगिरी में जगह: पीसीबी ने साल 2026-27 के लिए जो प्लेयर्स सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट को जारी किया है उसमें उन्होंने टॉप कैटेगिरी में सलमान आगा और बाबर आजम को जगह दी है। इसमें कुल 38 खिलाड़ियों को 5 अलग-अलग कैटेगिरी में बांटा गया है, जिसमें टेस्ट और वनडे खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए कैटेगिरी, सिर्फ टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों को कैटेगिरी, वनडे और टी20 खेलने वाले प्लेयर्स को कैटेगिरी, सिर्फ टी20 खेलने वाले खिलाड़ियों को कैटेगिरी में शामिल किया गया है।

हांगकांग ओपन : सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेमीफाइनल में हारे

नई दिल्ली, 21 नवंबर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और लक्ष्य सेन के शनिवार को सेमीफाइनल में हारने से हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। सात्विक और चिराग की जोड़ी को मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार मिली। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद लक्ष्य सेन को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 13-21, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ लक्ष्य का लगातार जीत का सिलसिला भी टूट गया। उन्होंने पिछले दो सप्ताह में हाइलो ओपन और कुमामोटो मास्टर्स जापान के खिताब जीते थे। सात्विक और चिराग इस मैच में विश्व के नौवें नंबर की मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 4-1 के रिकॉर्ड के साथ कोर्ट पर उतरे थे, लेकिन वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की। सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे। मलेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच प्वाइंट हासिल किया।

ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को हराया, मेलबर्न में दबदबा बरकरार, निखिल चौधरी चमके

नई दिल्ली, 21 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया ने निखिल चौधरी और जैक एडवर्ड्स के शानदार खेल के बूते इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया। मेलबर्न में हुए मुकाबले में मेजबान को 188 रन का टारगेट मिला था। उसने निखिल चौधरी के 38 गेंद में 66 और आठवें नंबर पर आए एडवर्ड्स के 11 गेंद में 25 रन के बूते एक गेंद बाकी रहते इसे हासिल कर लिया। इससे उसने पांच टी20 की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक के 65 रन के दम पर नौ विकेट पर 187 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में सबसे बड़े रन चेज को हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया।

26 साल के एडवर्ड्स हाल ही में आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बने हैं। वे सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड के जरिए सीएसके में गए। वे 18वें ओवर में बैटिंग को उतरे तब ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 18 गेंद में 32 रन चाहिए थे और चार विकेट बचे थे। 18वें ओवर में 12



रन आए और निखिल आउट हो गए। अब 12 गेंद में 20 रन की दरकार थी और एडवर्ड्स दो गेंद में तीन रन पर नाबाद थे। उन्होंने 19वें ओवर में विल जैक्स को एक सिक्स लगाया। फिर चौथी गेंद पर उनके शॉट्स से यह बॉलर घायल हो गए। इस ओवर से कुल नौ रन आए। आखिरी ओवर में 11 रन चाहिए थे।

सैम करन ने आखिरी ओवर डाला। एडवर्ड्स ने छक्के के साथ आगाज किया। अगली गेंद पर दो रन आए। तीसरी डॉट रही। तीन गेंद बची थी और तीन रन की जरूरत रही। एडवर्ड्स ने अगली पर दो रन लिए और पांचवीं पर चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया। उनकी पारी में कुल एक चौका व दो छक्का शामिल रहा। उनकी स्ट्राइक रेट 227.27 की रही। इससे ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में सर्वोच्च टी20 रन चेज का रिकॉर्ड बनाया। उसने श्रीलंका को पछाड़ा जिसने 2017 में ऑस्ट्रेलिया से मिले 169 रन के लक्ष्य को पांच विकेट बाकी रहते हासिल कर लिया था।

ऑस्ट्रेलिया की लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने पहले ओवर की आखिरी गेंद पर जैक फ्रेज़र-मैक्गर्क (1) को गंवा दिया। कप्तान मिचेल मार्श (37) और सैम हार्पर (32) के बीच 50 रन की साझेदारी दूसरे विकेट के लिए हुई। डेब्यू कर रहे हार्पर ने तीन चौकों व दो छक्कों से सजी पारी खेली। मार्श और निखिल ने तीसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़ते हुए टीम को 95 रन तक पहुंचा दिया। मार्श ने तीन चौकों व एक छक्के से 32 गेंद में 37 रन बनाए।

भारत के स्टार खिलाड़ी पंकज आडवाणी सेमीफाइनल में हारे, महिला वर्ग में अनुपमा फाइनल में पहुंची

आज स्नूकर के 2 विश्व चैम्पियन तय होंगे



इंदौर, 21 नवंबर। शहर के यशवंत क्लब में चल रही वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप का शनिवार को समापन होगा। आखिरी दिन पुरुष और महिला वर्ग के विश्व चैंपियन का फैसला होगा। 12 नवंबर से शुरू हुई 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 32 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। शनिवार सुबह 10 बजे से दोनों वर्गों के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। महिला वर्ग में अनुपमा फाइनल में पहुंचीं: महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन भारत की अनुपमा रामचंद्रन ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की 57 वर्षीय टेसा डेविडसन को हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल में हांगकांग की शिउ विंग मैन और सो मैन यान आमने-सामने थीं। इंदौर की अमी कामाणी को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। पुरुष वर्ग में पंकज आडवाणी हारे: पुरुष वर्ग में भारत के स्टार खिलाड़ी पंकज आडवाणी सेमीफाइनल में ईरान के अमीर सरखोश से हार गए। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हमवतन दिग्विजय कादियान को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। दूसरे सेमीफाइनल में हांगकांग के लैंगयी रयान ली और टैम युन फंग के बीच मुकाबला हुआ। अब शाम को दोनों वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे और चैंपियन का फैसला होगा। पुरुष वर्ग के विजेता को मिलेंगे 10 हजार डॉलर: पुरुष वर्ग में कुल 25 हजार डॉलर की न्यूनतम इनामी राशि रखी गई है। विजेता को 10 हजार डॉलर, उपविजेता को 5 हजार डॉलर और दोनों सेमीफाइनल हारने वाले खिलाड़ियों को 2500-2500 डॉलर मिलेंगे। क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों को 1000-1000 डॉलर दिए जाएंगे। 100 से अधिक का सर्वाधिक ब्रेक लगाने वाले खिलाड़ी को 1000 डॉलर का विशेष पुरस्कार मिलेगा। महिला वर्ग में कुल 10,500 डॉलर की न्यूनतम इनामी राशि है। विजेता को 4 हजार डॉलर, उपविजेता को 2 हजार डॉलर, सेमीफाइनलिस्ट को 1000-1000 डॉलर और क्वार्टर फाइनलिस्ट को 500-500 डॉलर मिलेंगे। 75 से अधिक का सर्वाधिक ब्रेक लगाने वाली खिलाड़ी को 500 डॉलर का विशेष पुरस्कार दिया जाएगा।

ऑकलैंड में भारतीय हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा मैच ड्रॉ खेला

नई दिल्ली, 21 नवंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के अवसर पर खेली जा रही हॉकी श्रृंखला का दूसरा मैच 2-2 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड ने 25वें मिनट में डायलन थॉमस के गोल से बढ़त बनाई, जिसके बाद भारत ने 35वें मिनट में अंगद बीर सिंह के गोल से स्कोर बराबर किया। न्यूजीलैंड ने 56वें मिनट में सैम हिहा के गोल से फिर से बढ़त हासिल कर ली। भारत ने एक बार फिर शानदार वापसी की। कप्तान संजय ने 57वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच को 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त किया। भारत ने 19 नवंबर को तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 3-2 से जीता था। वह अब रविवार को तीसरे और अंतिम मैच में जीत हासिल करके जीत के साथ दौरे का समापन करने की कोशिश करेगा। तीन मैचों की यह श्रृंखला भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। इसकी शुरुआत 1926 में हुई थी, जब दिग्गज मेजर ध्यान चंद की अगुवाई वाली भारतीय सेना की हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड का दौरा किया था।

भाजपा विधायकों से भी पूछा जाएगा पंचायत चुनाव में हार का कारण

मुख्यमंत्री, प्रदेशाध्यक्ष व संगठन महामंत्री की बैठक में समीक्षा का दायरा जिला संगठन से आगे बढ़ाने पर विचार हुआ

जयपुर, 21 नवम्बर। राजस्थान के पंचायत चुनावों में भाजपा को मिले करारे झटके के बाद, पार्टी में हार के कारणों की तलाश और जवाबदेही तय करने की कवायद तेज हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस की मजबूत वापसी ने भाजपा के सत्ता और संगठन दोनों की चिंता बढ़ा दी है। यही वजह है कि अब

- **भाजपा ने पंचायत चुनाव के टिकट वितरण में विधायकों व विधानसभा प्रत्याशियों को काफी हद तक फ्री हैंड दिया था। अब उनसे पूछा जाएगा कि जब उनकी पसंद के प्रत्याशी थे तो अपेक्षित सफलता क्यों नहीं मिली।**

हार की समीक्षा का दायरा जिला संगठन से आगे बढ़ाकर विधायकों और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेताओं तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री निवास (सीएमआर) में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार के बीच मंथन के बाद, देर शाम भाजपा मुख्यालय में भी महत्वपूर्ण बैठक हुई।

भाजपा मुख्यालय पहुंचे वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ चुनाव परिणामों और संगठनात्मक



राजस्थान के पंचायत चुनावों में भाजपा को मिली हार के बाद शनिवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद थे।

स्थिति पर चर्चा की। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, मिथिलेश गौतम, सरदार अजय पाल सिंह सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे।

भाजपा संगठन ने सभी जिला अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव परिणामों और हार के कारणों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। खास बात यह है कि समीक्षा के दायरे में स्थानीय विधायक और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेता भी शामिल किए जा रहे हैं।

दरअसल, पंचायत चुनाव में टिकट वितरण के दौरान विधायकों और विधायक प्रत्याशियों को काफी हद तक फ्री हैंड दिया गया था। उम्मीदवारों के चयन में उनकी पसंद और सिफारिशों को प्राथमिकता मिली थी। ऐसे में अब पार्टी यह जानना चाहती है कि जिन क्षेत्रों में स्थानीय नेताओं ने अपनी पसंद के उम्मीदवार मैदान में उतारे, वहां पार्टी को अपेक्षित सफलता क्यों नहीं मिली।

पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा के भीतर सत्ता और संगठन के बीच तालमेल को लेकर उठ रहे सवालों को फिर चर्चा में ला दिया है। चुनाव से पहले कई क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा, जनप्रतिनिधियों की नाराजगी और स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं होने की शिकायतें सामने आती रही थीं। अब संगठन इन पहलुओं को भी समीक्षा का हिस्सा बना सकता है।

सदस्य चुनावों के बाद अब जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव भाजपा के लिए अगली बड़ी राजनीतिक परीक्षा होंगे। जिन जिलों और पंचायत समितियों में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, वहां निर्दलीयों और छोटे दलों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। भाजपा संगठन स्थानीय समीकरणों के आधार पर समर्थन जुटाने की रणनीति बना रहा है।

आईआईटी और आईटीआई दोनों देश की अमानत हैं - मोदी

लखनऊ, 21 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश के छात्र ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हो या औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), संस्थानों में पढ़ ने वाले युवा देश की असली संपत्ति हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका बेहद अहम है।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने देशभर के युवाओं को संबोधित किया और कौशल विकास को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस उत्साह और उम्मीदों के साथ वे आईआईटी के छात्रों के बीच पहुंचे थे, उसी ऊर्जा और जोश के साथ आईटीआई के विद्यार्थियों के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि चाहे आईआईटी हो या आईटीआई हो, मेरे लिए तो यही मेरे देश की अमानत है।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को समर्थन, चीन की रणनीति का हिस्सा था

अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रभाव को कम करने के लिए, चीन सीमा पर दबाव व आर्थिक प्रतिबंधों का प्रयोग करता है

- **अमेरिका के विशेषज्ञों के अनुसार, चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए, वॉशिंगटन व नई दिल्ली को खुफिया जानकारी, समुद्री मामलों व विनिर्माण के क्षेत्र में गहरा सहयोग करना चाहिए।**

वॉशिंगटन डीसी, 21 नवंबर। अमेरिकी कांग्रेस के एक पैनल ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन का सैन्य समर्थन, "भारत के उदय को दबाने" की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा था। पैनल ने चेतावनी दी है कि बीजिंग, नई दिल्ली के रणनीतिक प्रभाव को सीमित करने के लिए सीमा पर सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और समुद्री विस्तार का इस्तेमाल कर रहा है।

यूएस-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग (यूएससीसी) ने चीन के बढ़ ते क्षेत्रीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए, वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच खुफिया जानकारी, समुद्री मामलों और विनिर्माण के क्षेत्र में गहरे सहयोग का आव्हान किया है। रिपोर्ट में एशिया में शक्ति संतुलन तय करने और बीजिंग की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को रोकने में भारत के महत्व पर भी जोर दिया गया है।

"चीन का दूसरा मोर्चा: भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति का भविष्य" शीर्षक वाले एक अध्याय में, कॉंग्रैशनल कमीशन ने कहा है कि इस्लामाबाद के साथ बीजिंग की बढ़ ती सुरक्षा साझेदारी ने भारत के लिए टू-फ्रंट वॉर की संभावना को एक गंभीर चिंता बना दिया है। मई 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्षका जिक्र करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि कैसे चीन, सीधे तौर पर लड़ाई में शामिल हुए बिना, संकट के समय पाकिस्तान की मदद कर सकता है।ष्कमीशन के अनुसार, इस तरह का समर्थन पाकिस्तान के साथ भविष्य में होने वाले किसी भी टकराव में भारत की सैन्य योजना को जटिल बना सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि इस्लामाबाद के साथ चीन की विकसित होती सैन्य साझेदारी ने नई दिल्ली के लिए टू-फ्रंट वॉर की स्थिति को एक अत्यंत गंभीर चिंता का विषय बना दिया है।

फरवरी में ईरान पर हमला करने का फैसला राष्ट्रपति ट्रंप का था - वैंस

उपराष्ट्रपति के कथन से अमेरिकी प्रशासन में मतभेद उभर कर सामने आए

वॉशिंगटन, 21 नवंबर। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष को लेकर अमेरिकी प्रशासन के भीतर मतभेद सामने आने लगे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को ईरान पर अमेरिकी हमले को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का खुलकर समर्थन करने से परहेज किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए दोबारा सैन्य हमला करने की अनुमति देते तो उन्होंने सीधे जवाब देने से इनकार कर दिया। वेंस ने कहा कि फरवरी में ईरान पर हमला करने का फैसला राष्ट्रपति ट्रंप का था और उनका काम राष्ट्रपति का समर्थन करना है।

- **राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वे वैंस के चुनावी विश्लेषण से नाराज नहीं हैं। वे चाहते थे कि वैंस यह स्वीकार करें कि ईरान पर हमले जरूरी थे और जरूरत पड़ने पर वह भी यही फैसला लेते।**

पाकिस्तानी मीडिया "जिओ न्यूज" के अनुसार, वाइट हाउस में डॉनल्ड ट्रंप के साथ आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेंस का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज हो रही है। खासकर मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद युद्ध की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं।

जेडी वेंस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी हार का विश्लेषण करते हुए ईरान युद्ध को एक बड़ी वजह बताया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिका को इस संघर्ष से बाहर निकलने की जरूरत है। उनके इस बयान को राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति से दूरी बनाने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। वेंस ने अपनी पोस्ट में लिखा था कि पार्टी की हार इसलिए हुई, क्योंकि युद्ध जारी था। यदि कोई यह मानता है कि अगले छह वर्षों के लिए सीनेट में नुकसान उठाना इस युद्ध की सही कीमत थी तो उसे खुलकर यह तर्क देना चाहिए।

उनके इस बयान के बाद अमेरिकी राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई कि क्या उपराष्ट्रपति ईरान को लेकर ट्रंप की सैन्य रणनीति से पूरी तरह सहमत नहीं हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह वेंस के चुनावी विश्लेषण से नाराज नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उपराष्ट्रपति की बात में एक महत्वपूर्ण पहलू छूट गया है। ट्रंप चाहते थे कि वेंस यह स्वीकार करें कि ईरान पर हमले जरूरी थे और जरूरत पड़ने पर वे भी यही फैसला लेते। ट्रंप ने कहा कि उनके साथ काम करने वाले लोगों को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। हालांकि, उन्होंने ईरान को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि वे ईरान को अच्छी तरह जानते हैं और वहां के नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

नये नियमों से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले रेफरेंस पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी अभियुक्त को दिया गया पैरोल उसकी सजा का निलंबन या लघुकरण नहीं है। यह सशर्त रिहाई है जो केवल सजा भुगतने के तरीके को बदलती है। पैरोल नियम, 2021 के नियम 10 के तहत, पैरोल पर बिताई गई अवधि को कारावास भुगतना ही माना जाता है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष पैरोल से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान यह सामने आया था कि किसी कैदी की ओर से पैरोल के लिए पेश आवेदन पर विचार करते समय क्या यह देखा जाएगा कि जब उसे सजा सुनाई गई थी, उस समय लागू होने वाले साल 1958 के नियम लागू होंगे या अब उनके स्थान पर लागू होने वाले साल 2021 के पैरोल नियम।

इसके साथ ही, अदालत के सामने यह भी बिंदु आया कि क्या पैरोल प्रदान करना बीएनएसएस के तहत सजा के अस्थायी निलंबन के समान है, इन दोनों बिंदुओं पर अलग-अलग कोर्ट के अलग-अलग न्यायिक दृष्टिकोण हैं। ऐसे में मामला फुल बेंच में तय करने के लिए भेजा गया था।

हरिद्वार : नमामि गंगे घाट पर मु.मंत्री योगी की मां का अंतिम संस्कार

हरिद्वार, 21 नवंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार के नमामि गंगे घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री योगी के सबसे छोटे भाई महेन्द्र सिंह बिष्ट ने मुखाग्नि दी। मां को अंतिम विदाई देते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद भावुक नजर आए। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े और वह बार-बार आंसू पोंछते दिखाई दिए।

- **मां को अंतिम विदाई देते समय बेहद भावुक हुए मुख्यमंत्री की आंखों से आंसू छलक पड़े।**

सावित्री देवी का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार स्थित नमामि गंगे घाट पहुंचा। यहां अंतिम दर्शन के लिए उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई बड़े राजनीतिक नेता, मंत्री, सांसद, विधायक और संत-महात्मा पहुंचे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सावित्री देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि के बाद पूरे राजकीय सम्मान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

इस दौरान घाट पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धांजलि देने के लिए आए लोगों की भारी भीड़ के कारण घाट पर दबाव बढ़ गया। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस और प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कोर्ट की डिक्री से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्पष्ट किया है कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत अनुसूचित जनजातियों को प्राप्त छूट का अर्थ यह नहीं है कि सरकारी नौकरी में तलाकशुदा महिला आरक्षण का लाभ लेने के लिए कानूनी रूप से सत्यापन योग्य प्रमाण देने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

अदालत ने माना कि जनजातीय समुदायों में विवाह विच्छेद के लिए पारंपरिक रीति-रिवाज हो सकते हैं। हालांकि, ऐसे रीति-रिवाजों का अस्तित्व, उनकी प्राचीनता, लागू होने की स्थिति और निर्धारित प्रक्रिया सक्षम न्यायालय में साक्ष्यों के आधार पर साबित करनी होगी।

यह मामला सुनीता मीणा और संगीता के मामलों में दो अलग-अलग खंडपीठों के परस्पर विरोधी फैसलों के कारण कानूनी बिंदु तय करने के लिए फुल बेंच में भेजा गया था। इसमें मुख्य सवाल यह था कि क्या कोई एसटी महिला भर्ती आवेदन की अंतिम तिथि से पहले अदालत से तलाक की डिक्री प्राप्त किए बिना परंपरागत तलाक के आधार पर तलाकशुदा श्रेणी का लाभ ले सकती है।

एंबुलैंस और पिकअप की टक्कर में पांच की मौत

बाराबंकी, 21 नवंबर। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एंबुलैंस और पिकअप की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई।

हादसा सुबेहा थाना क्षेत्र के गेरांवा गांव के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। एंबुलैंस जयपुर से एक शव लेकर पश्चिम बंगाल जा रही थी। इसी दौरान उसकी पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलैंस सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, अजय और हरिओम एंबुलैंस के चालक थे। हादसे के बाद पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने 19.7 किमी लंबा "नीतीश सेतु" बिहार की जनता को समर्पित किया

छः लेन के इस पुल के निर्माण पर 4,988 करोड़ रूपए खर्च हुए हैं

पटना, 21 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को बिहार दौरे पर पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

- **पटना के केच्ची दरगाह को वैशाली जिले के बिदुपुर से जोड़ने वाले इस पुल से उत्तर व दक्षिण बिहार के बीच संपर्क व्यवस्था सुगम होगी व आम जनता को बहुत राहत मिलेगी।**

हवाई अड्डे से प्रधानमंत्री सीधे वैशाली जिले के राघोपुर पहुंचे, जहां उन्होंने नवनिर्मित नीतीश सेतु का उद्घाटन किया। करीब 19.7 किलोमीटर लंबे इस छह लेन पुल को उन्होंने बिहार की जनता को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित पुल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेतु से गमछा लहराकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान और उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी सहित, कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नीतीश सेतु पटना के कच्ची दरगाह को वैशाली जिले के बिदुपुर से जोड़ता है। इसके निर्माण से दक्षिण बिहार और उत्तर बिहार के बीच सड़क संपर्क और मजबूत होगा। यह एक्स्ट्राडोज्ड केबल-स्टे तकनीक से निर्मित छह लेन का पुल है। इसके निर्माण पर 4,988.40 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

करीब 19.7 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 9.7 किलोमीटर लंबा मुख्य पुल और 10 किलोमीटर लंबी संपर्क सड़कें (एप्रोच रोड) शामिल हैं। यह पटना जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-22 स्थित कच्ची दरगाह को वैशाली जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-322 स्थित बिदुपुर से जोड़ता है। पुल के शुरू होने से दोनों क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होने के साथ ही उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच संपर्क व्यवस्था को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नीट पेपर लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यश यादव, मांगीवाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रह्लाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे, मनीषा संजय हवलदार और शेषराव बजरंग सूर्यवंशी शामिल हैं।

दादी के संस्कार में शामिल हुए कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल

चंडीगढ़ , 21 नवंबर। एनएसए के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। अंतिम रस्मों के बाद पुलिस उन्हें बख्तरबंद गाड़ियों में फिर से असम ले गई।

सांसद अमृतपाल की दादी चरण कौर का 8 नवंबर को निधन हुआ था। अमृतपाल की पैरोल के चलते अभी तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया था। अमृतसर की अदालत ने कई शर्तों के आधार पर गत दिवस अमृतपाल को तीन घंटे की पैरोल दी थी। अमृतपाल को असम के डिब्रूगढ़ से अमृतसर लाने के खर्च की राशि दस लाख रुपये परिवार की तरफ से कोर्ट में जमा करवाई गई थी।

पंजाब पुलिस की एक टीम शुक्रवार रात अमृतपाल को लेकर दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंची थी। रातभर सेफ हाउस में रूकने के बाद अमृतपाल को शनिवार सुबह दिल्ली हवाई अड्डे से अमृतसर लाया गया। सुबह 8.30 बजे पुलिस टीम अमृतपाल को लेकर अमृतसर पहुंची। यहां तीन घंटे उन्हें सेफ हाउस में रखा गया। कोर्ट के आदेशानुसार अमृतपाल को उनके पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा पहुंचाया गया। यहां पहुंचकर वह अपने घर गए जहां दादी की मृतक देह को नमन किया।

दिल्ली- एनसीआर में एक्यूआई 279 पर पहुंचा

नई दिल्ली, 21 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर चिंता बढ़ ाने लगा है। शनिवार की सुबह दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 279 रिकॉर्ड किया गया। वहीं, राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर 300 के पार पहुंच गया, जहां हवा बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली के कुछ प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता की स्थिति बेहद चिंताजनक रही। एम्स में एक्यूआई 369 और चांदनी चौक में 365 दर्ज किया गया। इसके अलावा वजीरपुर में 332, आनंद विहार में 327, आईआईटी दिल्ली में 308 और बवाना में 304 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इन इलाकों में हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है।

शिक्षा विभाग में 337 असिस्टेंट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नोटिफिकेशन से पहले जारी कर दी गई थी।

रचिता माथुर की और से अदालत को बताया गया कि ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट भर्ती एंड हॉस्पिटल केयर टेकर भर्ती के लिए विज्ञप्ति 12 मई 2022 को और 23 मई 2022 को जारी की गई थीं। इन भर्तियों में भी आर पी एस सी ने चयन प्रक्रिया में बदलाव किया और इंटरव्यू का अंक भार 10 प्रतिशत ही कर दिया था। उल्लेखनीय है कि 2021 की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में परीक्षा में मिले अंक का 40 प्रतिशत भार शैक्षिणक योग्यता को, 20 प्रतिशत अंक परीक्षा को और इंटरव्यू को 40 प्रतिशत अंक दिए जाने की प्रथा अपनायी जा रही थी, परंतु विज्ञप्ति में इस संदर्भ में कोई जानकारी स्पष्ट नहीं की गई थी। एकल पीठ के समक्ष डॉ रचिता माथुर व अन्य की ओर से कहा गया था कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती 2021 की चयन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया जाना ही शेष था, अभ्यर्थियों की परीक्षा हो चुकी थी व योग्यता का भी आंकलन किया जा चुका था। उनकी गुहार थी कि इंटरव्यू का अंक भार कुल अंक का केवल 10 प्रतिशत ही हो। एकल पीठ ने जब आर पी एस सी का रिकॉर्ड मंगवाया तो यह स्पष्ट हुआ कि आर पी एस सी जिन विशेषज्ञों को इंटरव्यू लेने के लिए बुला रही थी, उनके द्वारा दी गई सिफारिशें केवल एक सलाहकार या असिस्टेंट के तौर पर लिखी जा रही थीं और किस अभ्यर्थि को कैसे अंक दिए जा रहे थे, यह स्पष्ट नहीं था। यानी विशेषज्ञों की राय को अनसुना कर मनमाने तरीके से अंक दिए जा रहे थे। उल्लेखनीय है कि भर्ती में प्रकाशित इन 337 पदों के लिए करीब तीन हजार अभ्यर्थियों ने भाग लिया था परंतु इन्हें इंटरव्यू में कैसे अंक देकर मेरिट लिस्ट जारी की जा रही थी यह स्पष्ट नहीं था।

एकल पीठ ने इस धांधली को देखते हुए आदेश पारित किये थे कि आर पी एस सी 2021 की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में भी 2022 के नोटिफिकेशन के अनुसार इंटरव्यू का अंक भार 40 प्रतिशत से घटा कर, 10 प्रतिशत करे। गौरतलब है कि आर पी एस सी व शिक्षा विभाग ने इस फैसले के खिलाफ 2025 में ही अपील दायर की थी। सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि आर पी एस सी ने 2022 की हॉस्पिटल केयर टेकर भर्ती और ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट भर्ती के इंटरव्यू में 10 प्रतिशत अंक दिए जाने का फैसला तभी लागू कर पाए, क्योंकि हॉस्पिटल केयर टेकर भर्ती की विज्ञप्ति उसी दिन जारी की गई थी, जिस दिन आर पी एस सी का इंटरव्यू में केवल 10 प्रतिशत अंक देने का नोटिफिकेशन जारी हुआ था। दूसरी ओर, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट भर्ती की विज्ञप्ति 12 मई 2022 को जारी करी गई थी और अभ्यर्थी परीक्षा में भाग लेने के लिए आवेदन भर रहे थे। इसलिए आर पी एस सी ने विज्ञप्तियों में संशोधन कर नए नियम को लागू कर लिया और अभ्यर्थियों के आवेदन भी मंगवा लिए। विभाग और आर पी एस सी का कहना था कि यह नियम 2021 की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में इसलिए लागू नहीं किया जा सकता था, क्योंकि उस भर्ती परीक्षा की चयन प्रक्रिया काफी आगे बढ़ गई थी और नियम नहीं बदले जा सकते थे। इसलिए खंड पीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया। अब 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट की खंड पीठ के आदेश पर मोहर भी लगा दी है।

अब 337 पदों को भरने का रास्ता तो खुल गया, परंतु यह पद आर पी एस सी द्वारा 2024 में जारी की गई मेरिट लिस्ट के आधार पर ही होंगे, जिसमें इंटरव्यू के दौरान कैसे अंक दिए गए है, यही सबसे बड़ा विवाद था।

गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया, जहां इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार दिया गया था। वे अपना पक्ष रखने के लिए अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और अन्य वरिष्ठ सहयोगियों पर निर्भर हैं।

आज गहलोत जयपुर में थे और मीडिया को इंटरव्यू दे रहे थे। वे इस जीत का हिस्सा बनना चाहते थे और कह रहे थे कि यह एकजुट कांग्रेस पार्टी की सामूहिक कोशिशों का नतीजा है।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि नई दिल्ली में पार्टी नेतृत्व इस बात को अच्छी तरह समझ गया है कि ये नतीजे भाजपा सरकार के खराब प्रदर्शन की वजह से आए हैं। अब कांग्रेस अपने नेताओं को कैसे तैनात करती है और अपनी टीम को कैसे फिर से व्यवस्थित करती है, यह इस बात को ध्यान में रखकर तय किया जाएगा कि आगामी चुनावों में पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे सही व्यक्ति कौन है।

'राधे, राधे, कमल खिला दे'...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे भगवान कृष्ण के सच्चे भक्त हैं, तो मंदिर निर्माण के लिए "कार सेवा" में शामिल हों। हेमा मालिनी ने कहा कि पार्टी चाहती है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण "उचित तरीके से वैसे ही हो, जैसे अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण किया गया है।"

बैठक में "अयोध्या हुई हमारी, अब मथुरा की बारी" के साथ ही, एक नया नारा, "राधे-राधे, कमल खिला दे," भी दिया गया। इन नारों के जरिए, ब्रज की सांस्कृतिक पहचान को भाजपा के चुनाव चिह्न "कमल" से जोड़ने की कोशिश की गई।

माना जा रहा है कि कृष्ण जन्मभूमि का विवाद शायद वैसी तीव्र भावनाएं पैदा न कर पाए, जैसी कभी अयोध्या मामले में देखने को मिली थीं। खासकर शाही ईदगाह स्थल से जुड़ी कानूनी जटिलताओं और अयोध्या तथा काशी में मंदिर परियोजनाओं के पूरा होने के बाद। इसके बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर डटी हुई है। इसके पीछे चुनाव से जुड़े कई उद्देश्य हैं। इनमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी के समर्थन को मजबूत करना शामिल है, जहां 2022 में पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इसके अलावा, अखिलेश यादव की हाल की "सॉफ्ट हिंदुत्व" वाली राजनीति (जिसमें मंदिरों के दौरे और धार्मिक हस्तियों से मुलाकातें शामिल हैं) का मुकाबला करना भी है। पार्टी के भीतर असंतोष की खबरों के बीच, कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा करना भी इस मुहिम का एक उद्देश्य है।

राजनीतिक विश्लेषक इस प्रयास को, राजनीतिक नैरेटवि को फिर से सैट करने की कोशिश के रुप में देखते हैं। इसके जरिए वे समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान के सामने एक संस्कृतिक -राष्ट्रावादी एजेंडा बनाए रखना चाहते हैं। ज्ञातव्य है कि पीडीए अभियान ने भाजपा के व्यापक हिंदू एकजुटता के आधार को चुनौती दी है।

अखिलेश यादव ने धार्मिक मामलों में मौर्य की साख पर सवाल उठाकर मथुरा के इस अभियान का जवाब देने की कोशिश की है। उन्होंने भाजपा पर "धर्म" से ऊपर "धन" को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है और राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित अनियमितताओं को उजागर किया है। उन्होंने पीडीए अभियान जारी रखते हुए समाजवादी पार्टी को सनातन धर्म के रक्षक के रुप में पेश किया है। साथ ही, उन्होंने अयोध्या और वृंदावन सहित, विभिन्न धार्मिक स्थलों के दौरों पर जाने के संकेत भी दिए हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908